जबलपुर, शुक्रवार
दिनांक 27 फरवरी 2026
वर्ष 31 अंक 245
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'रास्ते कभी खत्म नहीं होते, बस चलने का हौसला होना चाहिए'

2 समृद्ध, संपन्न और विकसित ...
5 हत्यारे हरीश सोनी को सजा-ए-मौत
7 दुनिया के सामने बेनकाब हुआ चीन...
11 स्व से सृष्टि तक मंगल ही हमारा...

भारत के दिल से जुड़िए, मध्यप्रदेश के साथ आगे बढ़िए : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में निवेश करने के लिए निवेशकों को किया आमंत्रित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी बनकर उभरा है। मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा है। देश के दिल से जुड़िए, विकास और अवसरों के केंद्र से जुड़िए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मध्य में स्थित होने से मध्यप्रदेश व्यापार, उद्योग-धंधों की स्थापना और उत्पादों के निर्यात के लिए एक रणनीतिक केंद्र बनता जा रहा है। प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर शासन-प्रशासन ये सभी कारक निवेशकों के लिए एक आदर्श वातावरण तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को अनंत संभावनाओं का अनुपम केंद्र बताते हुए कहा कि वीरों की धरती राजस्थान के सभी निवेशकों का हीरों की धरती मध्यप्रदेश में स्वागत है, अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि सदियों से हमारी साझा संस्कृति, व्यापार-व्यवसाय और साझा भविष्य का एक अटूट रिश्ता रहा है। हमारा आपसी संवाद नई संभावनाओं के विकास-विस्तार और देश की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा देने का एक साझा मंच है। भीलवाड़ा की समृद्ध वस्त्र विरासत से जुड़कर मध्यप्रदेश भी अनेकानेक संभावनाओं को तलाश कर बढ़ते हुए राजस्थान के साथ अपनी दीर्घकालिक भागीदारी करना चाहता है। हम सब मिलकर अपनी वणिक युक्ति, बुद्धि और क्षमता से इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास का नया अध्याय लिखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को राजस्थान की वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटिज़ इन एमपी में स्थानीय निवेशकों, बिजनेस लीडर्स, उद्योगपतियों एवं

विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वजित कर इस इन्टरैक्टिव सेशन का शुभारंभ किया। मेवाड़ चैम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष श्री अनिल मिश्रा ने भीलवाड़ा आगमन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, अंगवस्त्रम् एवं पुष्प-गुच्छ भेंटकर परम्परागत स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि लंबे समय से मध्यप्रदेश और राजस्थान का सहोदर जैसा रिश्ता रहा है। दोनों राज्यों में सदैव व्यापार की अनुकूलता रही है। पद्म विभूषण से राजस्थान के सम्मानित स्व. श्री घनश्याम दास बिड़ला ने उज्जैन जिले के नागदा में ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की स्थापना की थी। राजस्थान के मारवाड़ और मेवाड़ के कारोबारियों में व्यापार-व्यवसाय की कुशलता अद्भुत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार उद्योग प्रोत्साहन के लिए संकल्पित है। हमारे उद्योगपति जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं। बदलते दौर में राज्यों के परस्पर संबंध सौहार्द्रपूर्ण हुए हैं। हम सभी को उद्योग-व्यापार के विकास और विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण मिला है। मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्थान सरकार के साथ सालों से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना पर समझौता कर दोनों राज्यों के नागरिकों को सुगम जल उपलब्धता की एक नई सौगात दी है। दुनिया के देश चुनौतियों का सामना करते हुए हम आगे बढ़ने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अगर कोई देश प्रतिबंध लगाएगा, तो हम दूसरा रास्ता निकालेंगे। यूरोप के साथ टैक्सटाइल ट्रेड एण्ड बिजनेस को आगे बढ़ाने की अच्छी संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने राज्य के उद्योग विभाग की कमान स्वयं ले ली हैं, जिससे प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ाने में कोई कठिनाई न आए और सभी मुद्दे सरलता के साथ समय रहते हल हो जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीतियों को सरल बनाया है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है।

ओडिशा में एक हजार लीटर भांग का तेल जब्त

जयपुर (कोरापुट): ओडिशा में कोरापुट पुलिस ने ओडिशा-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर एक बड़ा एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन चलाया है, जिसमें करीब एक हजार 800 लीटर भांग का तेल (कैनाबिस ऑयल) जब्त किया गया है। इसकी बाजार में अनुमानित कीमत 200 करोड़ रुपये से ज्यादा है। खुफिया सूत्रों के आधार पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने कोरापुट जिले में जालपुट जलाशय के पास एक दूर के जंगल वाले इलाके में चल रही एक गैर-कानूनी इंटरस्टेट ड्रग प्रोसेसिंग यूनिट का पता लगाया। अधिकारियों ने तेल बनाने में इस्तेमाल होने वाले अस्थायी प्रसंस्करण उपकरण, मशीनरी और कच्चा माल भी जब्त कर लिया। पुलिस ने भांग का तेल तैयार करने वाली यूनिट को तोड़ दिया। अधिकारियों ने कहा कि यह ऑपरेशन जिला पुलिस के नेतृत्व किया गया। पुलिस अब इस गैर-कानूनी धंधे में शामिल बड़े अंतरराज्जीय नेटवर्क की पहचान करने के लिए आगे की जांच में जुट गई है।

सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे तो लोकतंत्र मर जाता है: राहुल

भारत उत्तर कोरिया नहीं, असहमति को बनाया जा रहा अपराध

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वीरवार को मोदी सरकार पर असहमति को 'अपराध' बना देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह समझना चाहिए कि भारत उत्तर कोरिया नहीं है और जब सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे तो लोकतंत्र मर जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण विरोध अपराध नहीं, लोकतंत्र की आत्मा है तथा सवाल पूछने से लोकतंत्र मजबूत होता है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज भारत में कंप्रोमाइज्ड पीएम के राज में शांतिपूर्ण विरोध करना ही सबसे बड़ा अपराध बना दिया गया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को धीरे-धीरे ऐसी दिशा में धकेला जा रहा है, जहां असहमति को देशद्रोह और सवाल पूछने को साजिश बताया जाता है। सोचिए, मुद्दा कोई भी हो, अगर आप सत्ता के खिलाफ संवैधानिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तो लाठी, मुकदमा और जेल, यह लगभग तय है। पेपर लीक से त्रस्त युवाओं ने अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई, जवाब लाठियों से मिला।

आंदोलन को कुचला गया

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक, बलात्कार पीड़िता के समर्थन में इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ तो न्याय की मांग को व्यवस्था के लिए असुविधा मानकर हटा दिया गया। उन्होंने कहा, देश की गौरवशाली महिला पहलवानों ने भाजपा के प्रभावशाली नेता पर लगे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। उनकी पुकार को बदनाम किया गया, आंदोलन को कुचला गया, और उन्हें सड़कों से जबरन हटाया गया। राहुल गांधी ने दावा किया कि युवा कांग्रेस ने देश का अहित करने वाले व्यापार समझौते का शांतिपूर्ण विरोध किया तो उन्हें देशविरोधी बताकर गिरफ्तार कर लिया।

अधिकार मांगना अपराध नहीं

जब आम लोग जहरीली हवा के खिलाफ खड़े हुए, तो पर्यावरण की चिंता को भी राजनीति कहकर दबा दिया गया। जब किसानों ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन किया, तो उन्हें देशविरोधी करार दिया गया, आंसू गैस, रबर की गोलियां, पानी की बौछारें और लाठियां ही संवाद का माध्यम बना दी गईं। जब आदिवासी अपने जल, जंगल, जमीन के हक के लिए खड़े हुए, तो उन पर भी शक की नजर डाली गई, मानो अपने अधिकार मांगना अपराध हो।

यह कैसा लोकतंत्र है?

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, यह कैसा लोकतंत्र है, जहां कंप्रोमाइज्ड पीएम सवालों से डरते है? जहां असहमति को कुचलना शासन का स्वभाव बनता जा रहा है? शांतिपूर्ण विरोध अपराध नहीं, लोकतंत्र की आत्मा है। सवाल पूछना लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी ताकत है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सरकार आलोचना सुनती है, जवाब देती है और जवाबदेह रहती है। मोदी जी, ये उत्तर कोरिया नहीं, भारत है। जब सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे और असहमति को दुश्मन, तब लोकतंत्र मर जाता है।

एनसीईआरटी मामले में न्यायपालिका के आदेश का पालन किया जायेगा : धर्मेन्द्र प्रधान

नयी दिल्ली (वार्ता)। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की समाज विज्ञान की पुस्तक विवाद पर कहा कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और उच्चतम न्यायालय के सभी निर्देशों का पालन किया जायेगा। श्री प्रधान ने उच्चतम न्यायालय के एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश पर गुरूवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, च्हम न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हैं। न्यायपालिका ने जो भी कहा है, हम उसका पूरा पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी हुआ है, उससे मैं दुखी दुखी हूं, और मैं इस पर अफसोस जताता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह घटना हमारे सामने आयी तुरंत ही एनसीईआरटी को निर्देश देकर सारी किताबों को वापस कराया। किताबें आगे नहीं पहुंचे उसकी व्यवस्था की गयी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि न्यायपालिका का असम्मान करने का कोई उद्देश्य नहीं था और जो घटना हुई है उसको सरकार गंभीरता से लेती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच की जायेगी और उस चैप्टर को तैयार करने में जो शामिल है उसके खिलाफ कार्रवाई की जएगी। उन्होंने कहा कि आगे इस प्रकार की पुनरावृति न हो इसके लिए न्यायपालिका को आश्वस्त किया गया है।

मोदी ने किया यरुशलम में नवाचार प्रदर्शनी का दौरा

यरुशलम/नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ यरूशलम में आयोजित एक विशेष नवाचार प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें रणनीतिक क्षेत्रों की अत्याधुनिक इजरायली प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर भारत और इजरायल के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग के गहराते संबंधों को रेखांकित किया गया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर ड्राइविंग लाइसेंस होगा रद्द: गडकरी

नयी दिल्ली (वार्ता)

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों लोगों का जीवन बचाने के लिए सरकार सुरक्षा कारणों की गहनता से पड़ताल कर रही है और इसमें रोड इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करते हुए शिक्षा तथा जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्री गडकरी ने गुरुवार को यहां हैबिटेट सेंटर में सीआईआई के तत्वावधान में आयोजित नेशनल कन्क्लेव ऑफ रोड सेफ्टी विषय पर अपने विचार पेश करते हुए गुरुवार को कहा कि देश में हर साल लाखों लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में जाती है और उसे बचाना आवश्यक है इसलिए सड़क इंजीनियरिंग के साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर सख्त रुख नियम बनाए जा रहे हैं। उनका कहना था कि शराब पीकर गाड़ी चलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं इसलिए इस नियम को ज्यादा सख्त किया जा रहा है और बार बार शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े जाने पर लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस को ग्रेड सिस्टम में बदला जा रहा है और बार बार गलती होने पर जैसे ही 12 ग्रेड पर पहुंचेगा लाइसेंस को निलंबित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हर साल होती हैं जिनमें 1 लाख 80 हजार लोगों की मृत्यु होती है। इनमें 72 प्रतिशत युवा होते हैं जिनकी उम्र 18 से 45 साल के बीच होती है जबकि 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 बच्चों की मौत होती है। हेलमेट न पहनने के कारण 54,122 और सीट बेल्ट का उपयोग न करने से 14,466 लोगों की मृत्यु का आंकड़ा है। इसके अलावा तेज गति भी सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है और इससे 1.2 लाख लोगों की मौत होती हैं। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना जैसे कई कारण सड़क दुर्घटनाओं के हैं। सड़क दुर्घटनाओं के चार प्रमुख कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें रोड इंजीनियरिंग में डीपीआर की गुणवत्ता में कमी भी एक कारण है इसलिए इसमें बदलाव लाया गया है और ठेकेदारों और डीपीआर कंपनियों की रेटिंग तय कर दी गई है।

युवा भटक रहे, उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान की जरुरत : राष्ट्रपति मुर्मू

जमशेदपुर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जमशेदपुर के कदमा में मैरिन ड्राइव के पास श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धर्मार्थ केंद्र और श्री जगन्नाथ मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि आज युवा भटक रहे हैं उन्हें जागृत करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान की जरुरत है। जमशेदपुर में भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदमा मरिन ड्राइव के पास श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक सांस्कृतिक केंद्र एवं पूरी की तर्ज पर बनने वाला श्री जगन्नाथ मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जमशेदपुर लोकसभा सांसद विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय, विधायक सबिता महतो, टाटा स्टील के एमडी सह सीईओ टीवी नरेन्द्रन और ट्रस्ट के चेयरमैन एस के बेहरा मौजूद रहे। जमशेदपुर सोनरी एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां भूमि पूजन के बाद वह मंच को साझा किया मंच पर तमाम अतिथि गण मौजूद रहे द्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

बीजापुर के जांगला मुठभेड़ में मारे गए 10 लाख के इनामी नक्सली

सुबह 6 बजे शुरू हुआ एनकाउंटर

बीजापुर

जांगला थाना इलाके के जैगुर-डोडुम इलाके में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 2 इनामी माओवादी कैडर मारे गए। इन्द्रावती नदी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट सूचना के आधार पर 25 फरवरी की शाम , बस्तर फाइटर्स, की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अभियान के दौरान 26 फरवरी की सुबह लगभग 6 बजे से माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच लगातार मुठभेड़ होती रही। फायरिंग थमने के बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में मुठभेड़ स्थल से वर्दीधारी 2 माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए। प्रारंभिक पहचान के अनुसार मृत माओवादी भैरमगढ़ एरिया कमेटी के सक्रिय सदस्य हिचामी मडडा और मनकी पोड़ियम है, जिन पर पुलिस ने पांचङ्कपांच लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से राइफल, 1- 12 बोर बंदूक, हैंड ग्रेनेड, देशी ग्रेनेड, डेटोनेटर, विस्फोटक सामग्री, दवाइयां और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ। जितेन्द्र कुमार यादव ने कहा, जिले में सुरक्षा बल आम जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज, सुन्दरराज पट्टलिंगम ने पूर्व माओवादी कैडर बरसे देवा, रूपेश, रनीता, राजमन, राजू सलाम, देवजी, संग्राम,भूपति, वेंकटेश तथा अन्य अधिकांश माओवादी कैडरों की तरह शेष सक्रिय कैडरों को भी हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने को कहा है।

पश्चिम एशिया में शांति-स्थिरता के साथ भारत के हित जुड़े है

विवादों का समाधान संवाद से हो : मोदी

यरुशलम (वार्ता)

पश्चिम एशिया में तनाव और युद्ध के बढ़ते खतरों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि इस क्षेत्र के साथ भारत के हित सीधे हुड़े हुए है और क्षेत्र के मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से निकाला जाना चाहिए। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और वहां मानवाधिकारों की स्थिति को ले कर उसके और अमेरिका के बीच टकराव की बढ़ती आशंकाओं के बीच श्री मोदी ने कहा कि भारत और दुनिया के विकासशील देश शुरू से चाहते हैं कि मसलों का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण तरीके से हो। प्रधानमंत्री ने इजराइल की यात्रा के दूसरे और आखिरी दिन यहां इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ साझा संवाददाता सम्मेलन में कहा, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से भारत के सीधे सुरक्षा हित जुड़े हैं। इसलिए हमने शुरुआत से ही संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ (विकासशील देश) और पूरी मानवता की पुकार भी यही है। श्री मोदी ने कहा, भारत की सोच स्पष्ट है मानवता कभी भी किसी लड़ाई के बीच न पिसे। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी पहल से गाजा

क्षेत्र में शांति और विकास के लिए तय की गयी योजना के प्रति भारत के समर्थन को दोहराते हुए कहा, गाजा शांति योजना से शांति का एक रास्ता बना है। भारत ने इन प्रयासों का पूर्ण समर्थन किया है। भविष्य में भी हम सभी देशों के साथ संवाद और सहयोग जारी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया के साथ भारत के सदियों पुराने आर्थिक , वाणिज्यिक , सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंध है। नये युग में भारत अपनी ऊर्जा की जरूरतों और वाणिज्यिक आदान प्रदान, माल परिवहन और कई सामरिक महत्व के मामलों में पश्चिम एशियाई देशों के साथ गहराई से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने श्री नेतन्याहू के साथ आज प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद आयोजित इस संयुक्त सवादाता सम्मेलन में यह भी कहा, आज हमने क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। क्षेत्रीय सम्पर्क सुविधाओं को बढ़ावा देते हुए, हम भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक कॉरीडॉर (आई-मेक) और भारत-इजराइल- यूएई- यूएसएस (अमेरिका) यानी आई-2-यू-2 पर नई गति से आगे बढ़ेंगे। श्री मोदी ने अपने वक्तव्य में आतंकवाद के प्रति भारत के कड़े रुख को दोहराते हुए कहा कि इजराइल भी इसी राय का है। उन्होंने कहा, भारत और इजरायल पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं है। किसी भी रूप में, किसी भी तरीके के आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल कंधे-से-कंधा मिलाकर आतंकवाद और उनके समर्थकों का विरोध करते रहे हैं, और आगे भी करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी इस यात्रा में भारत और इजराइल ने अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को विशेष रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल आपसी मुक्त व्यापार सझौते को जल्द ही अंतिम रूप देंगे।

समृद्ध, संपन्न और विकसित मध्यप्रदेश की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा प्रदेश का बजट : अमिता चपरा

'अटल निलय' जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता संपन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तथा उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत यह बजट च्समृद्ध, संपन्न, सुखद और विकसित मध्यप्रदेशज्ज की परिकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी दस्तावेज है। जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने बजट का स्वागत करते हुए इसे सर्वसमाज के समग्र विकास, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और युवा उन्नति पर केंद्रित बताया। पत्रकार वार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष बजट 2026 के संयोजक मनोज गुप्ता, सहसंयोजक राजकुमार खरया, जिला कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता बंटी, जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट पत्रकार वार्ता में उपस्थित रहे पत्रकार वार्ता का मंच संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने किया एवं आभार जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया।जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने बताया कि इस वर्ष का बजट पिछले वर्ष की तुलना में लगभग साढ़े चार प्रतिशत अधिक प्रावधान के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह प्रदेश का पहला च्रोलिंग बजटज्ज है, जो आगामी तीन वर्षों के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करता है। बजट को डिजिटल, पारदर्शी और जनता-केंद्रित बताया गया है। विशेष बात यह है कि लगातार तीसरी बार कोई नया कर नहीं बढ़ाया गया है, जिससे आमजन को राहत मिलेगी।

किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 को च्किसान कल्याण वर्षज्ज घोषित किया गया है। किसानों के लिए 25,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक लाख सोलर पंप वितरण की योजना से किसानों को बिना अतिरिक्त बिजली लागत के सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। किसान कल्याण योजना हेतु 5,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें फसल बीमा, ब्याज-मुक्त ऋण एवं अन्य सहायता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त फसल बीमा योजना के लिए 1,299 करोड़ रुपये का अलग से प्रावधान रखा गया है।

युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के लिए सशक्तिकरण

जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि बजट युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराने वाला है। महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए समर्पित योजनाओं में 'लाड़ली बहना' जैसी योजनाओं को मजबूती दी गई है। स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। ग्रामीण एवं कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक निवेश प्रस्तावित है। बजट में 200 नए संदीपनी स्कूल खोलने का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। मेडिकल कॉलेजों में कैंसर एवं हृदय रोगों के सुपर स्पेशियलिटी विभाग स्थापित किए जाएंगे, जिससे गंभीर रोगों के उपचार के लिए प्रदेशवासियों को बाहर न जाना पड़े। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम निर्माण तथा महिला श्रमिकों की सुरक्षा के लिए भी पर्याप्त बजट रखा गया है।

प्रधानमंत्री के विजन का प्रतिबिंब- अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों का प्रतिबिंब है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सर्वसमाज के लिए सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी है तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर और अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा जी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बजट 2026 में जिले की तीनों विधानसभाओं में विकास कार्यों की मिली स्वीकृति की जानकारी भी पत्रकारों से साझा की विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी के अंतर्गत 2026 के बजट में निम्न कार्यो की स्वीकृति प्रदान किया।

कनाडीकला से टेटका मार्ग लागत 3.00 करोड़

नवा टोला से हरिजन टोला छत्तीगढ़ बॉडर तक पहुंच मार्ग लागत 2.35 करोड़

छपरा टोला से महुआ टोला पहुंच मार्ग लागत 3.00 करोड़

ग्राम कल्हारी मेन रोड हाईस्कूल गेट उप-स्वास्थ्य केंद्र होते हुए बखरी टोला मुख्यमार्ग लागत 5.85 करोड

पसगढ़ी देवरी जनकपुर मार्ग लागत 9.47 करोड़

नकुनी (गाडा) से पसगडी-देवरी- बुढवा मुख्य जिला मार्ग पहुँच मार्ग लागत 6.50 करोड़

देवगांव पहुंच मार्ग लागत 1.35 करोड़ 9-सेमारी टोला पहुंच मार्ग लागत 1.35 करोड़

मऊ पहुंच मार्ग लागत 2.90 करोड़

बुढवा बंधा जनकपुर मार्ग लागत 6.50 करोड़

चरखरी पहुंच मार्ग लागत 2.00 करोड़ कार्यों की मिली स्वीकृति।

विधानसभा क्षेत्र जयसिंहनगर के अंतर्गत 2026 के बजट में निम्न कार्यो की स्वीकृति प्रदान किया।

खन्नौंधी, उदयपुर रतहर मार्ग
2.50 किमी 2.35 करोड़

सरीसताल से कुबरा मार्ग
5.00 किमी 4.90 करोड़

मोहनी से शक्तीडोल मार्ग
2.90 किमी 2.80 करोड़

अमरहा से बंजारी मार्ग
3.00 किमी 2.90 करोड़

बरटोला से टिकुरी टोला (पतखई) मार्ग
2.00 किमी 2.20 करोड़

ओढ़की पहुँच मार्ग
1.20 किमी 1.50 करोड़

भानुपुर, कठौतिया, हर्दी सामतपुर मार्ग
3.00 किमी 3.50 करोड़

चंदेला से कुबरा मार्ग
4.00 किमी 5.00 करोड़ के कार्यों को मिली स्वीकृति।

विधानसभा क्षेत्र जैतपुर के अंतर्गत 2026 के बजट में निम्न कार्यो की स्वीकृति प्रदान किया।

जैतपुर से होते हुवे खमरिया लेटरिया अनूपपुर बोर्डर मार्ग 55 कि.मी. लागत 160 करोड़,

रैकोबा से मिरकान मार्ग 3 कि.मी.लागत 3.10 करोड़

बिरौड़ी से भरूहा पहुँच मार्ग 4.50 कि. मी. लागत 4.5 करोड़

जैतपुर से तहसील पहुँच मार्ग 700 मीटर लागत 1 करोड़

साखी पुरनिहा टोला मार्ग 2 कि.मी. लागत 1.80 करोड़

साखी से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पहुच मार्ग 2 कि.मी. लागत 1.80 करोड़

देवगढ़ से तितरा पहुच मार्ग 3.10 कि.मी लागत 2.79 करोड़

नौगई से बहगड़ पहुँच मार्ग 3 कि.मी. लागत 3.10 करोड़

मनटोलिया मेन रोड से मझौली पहुँच मार्ग 3 कि .मी. लागत 3 करोड़

बटुरा से बिछिया पहुँच मार्ग व्हाया खमरौध मार्ग 1.35 कि. मी.लागत 1.70 करोड़

भठिया से जैतपुर मार्ग(बुढ़ार जैतपुर मार्ग) 3 कि. मी. लागत 3.50 करोड़ के कार्यों की मिली स्वीकृति।

संभाग स्तरीय आजीविका होली मेला का आयोजन 27 एवं 28 को पुराना बस स्टैंड के सामने सिघांनिया परिसर में

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में रंगो के त्यौहार रंगोत्सव में आमजन को शुद्ध एवं देशी पकवान के साथ ही हर्बल गुलाल एवं पूजन सामग्री की सहज उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना के माध्यम से दो दिवसीय आजीविका होली मेला का आयोजन 27 एवं 28 फरवरी को पुराना बस स्टैंड के सामने सिघांनिया परिसर शहडोल में किया जाएगा। प्रातः 11 बजे से रात्रि 8 बजे तक होली मेला में स्व सहायता समूह की दीदियो द्वारा निर्मित शुद्ध एवं देशी उत्पाद विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। जिला परियोजना समन्वयक अजय सिंह ने बताया कि होली के रंग आजीविका के संग के माध्यम से संभाग स्तरीय आजीविका होली मेले में स्व-सहायता समूहो एवं स्थानीय

शिल्पियो द्वारा तैयार उत्पाद के विक्रय से मेक इन इंडिया एवं व्होकल फॉर लोकल अभियान को गति मिलेगी तथा समूह की दीदियो को भी स्थानीय स्तर पर बाजार उपलब्ध हो सकेगा। मेले में प्रमुख रूप से हर्बल गुलाल, गौकाष्ट, गोबर के कंडे, पूजन सामग्री, खोवा, गुजिया नमकीन, चिप्स, पापड़ मिठाइयां, बतासे, महुआ के लड्डू एवं बिस्किट, कोदो से बने बिस्किट, कम्पोस्ट खाद, जैविक कीटनाशक, हल्दी मसालें, सुगंधित चावल एवं कपडे के बने बैग मेले के आकर्षण होंगे। नगरवासियो से अपील की गई है कि होली के त्यौहार में शुद्ध एवं देशी सामग्री का उपयोग कर स्वास्थ्य को सेहतमंद बनाएं तथा स्व सहायता समूह की दीदियो द्वारा निर्मित उत्पादो को प्रोत्साहित करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने कहा कि यह मेला स्व सहायता समूह की महिलाओ को संबल देने एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में किया गया प्रयास है।

आखिरकार किसके संरक्षण में ठेकेदार ऑटो से कर रहा अवैध वसूली और काट रहा फर्जी रसीद

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)

लोडिंग अनलोडिंग के नाम पर ठेकेदार द्वारा खुली लूट की जा रही है। समाचार के बाद भी अवैध वसूली मे रोक नहीं लग रहा है। ठेकेदार न जाने किसके संरक्षण मे अवैध वसूली कर रहा है और नगर परिषद का जिम्मेदार अमला चुप चाप तमासा देख रहा है। ठेकेदार द्वारा की जा रही वसूली अवैध है यह जानने के बाद भी पता नहीं क्यों नगर परिषद का जिम्मेदार अमला कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा जिसे लेकर समाज सेवियों द्वारा नगर परिषद के अधिकारियो के कार्य शैली पर कई सवाल खड़े किये जा रहे है। उनका कहना है कि यह सब मिलीभगत से ही संभव है। हकीकत क्या है ये वही जाने।

पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर परिषद ब्यौहारी मे लोडिंग अनलोडिंग के नाम पर ऑटो से ठेकेदार द्वारा की जा रही अवैध वसूली को बंद कराने के लिए एडवोकेट जितेन्द्र सराफ द्वारा 17 फरवरी 2026 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी

स्वतंत्र मत जबलपुर शहडोल-

लोड अनलोड के नाम ठेकेदार ऑटो से कर रहा अवैध वसूली और काट रहा फर्जी रसीद

शिकायत के बाद भी हो रही अवैध वसूली

ठेकेदार दे रहा फर्जी रसीद

नगर परिषद ब्यौहारी को लिखित शिकायत दी गयी तो उसे संज्ञान मे क्यों नहीं लिया गया। कंही इसके अवैध वसूली का कुछ हिस्सा नगर परिषद के जिम्मेदारो तक तो नहीं पंहुच रहा है या फिर ऐसी क्या मजबूरी है कि शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अमला ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

ठेकेदार पर फर्जी रसीद काटने का आरोप

शिकायतकर्ता का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा जो रसीद दी जा रही है उसमे कंही भी नगर परिषद का सील नहीं लगा हुआ है। वह नगर परिषद से व्हेरीफाइड नहीं है पता नहीं इस रसीद को नगर परिषद ने जारी किया है या फिर ठेकेदार स्वयं छपवाकर अवैध वसूली कर रहा यदि मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद ब्यौहारी स्वयं इसकी जांच करे तो पूरा मामला दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा इसकी कलह खुलते देर नहीं लगेगा। अब देखने वाली बात यह है कि नगर परिषद का जिम्मेदार अमला इसे कितनी गंभीरता से लेता है और क्या कार्यवाही करता है या फिर सिक्के की चमक मे चका चौध हो ठेकेदार को अवैध वसूली करने की खुली छूट देगा।

इनका कहना है..

काम मे ब्यस्त था अभी नहीं दिखवा पाया हूँ। मै ठेकेदार को बुलाकर बात करता हूँ।

शरद कुमार गौतम
सीएमओ ब्यौहारी

दिल दहला देने वाली वारदात महिला की हत्या, नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिले में एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। शहपुरा थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एक महिला की निर्मम हत्या कर दी, वहीं उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ गंभीर आपराधिक कृत्य किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद से इलाके में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अज्ञात आरोपी घर में घुसे और वारदात को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों को जब अनहोनी की आशंका हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घर के अंदर महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में अर्धनग्न अवस्था में मिला। प्रथम दृष्टया हत्या से पहले संघर्ष होने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के समय घर में मौजूद 14 वर्षीय नाबालिग बेटी गंभीर अवस्था में मिली। उसे तत्काल शहपुरा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने पर भी विचार किया जा रहा है।

सूचना मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर को सील कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करने के लिए एफएसएल (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है और वे आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

खड़ी कार से भिड़ी अनियंत्रित बाइक : कार के उड़े परखच्चे, बाइक हुई चकनाचूर, चालक की हालत नाजुक

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना अंतर्गत पुरानी डिंडौरी क्षेत्र में गुरुवार सुबह लगभग 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पुरानी डिंडौरी स्थित सब्जी मंडी के पास नायक के सामने सड़क किनारे खड़ी कार को तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बाइक के परखच्चे उड़ गए। मिली जानकारी के अनुसार जमुनिया निवासी सुरेश दास पिता रामादास गोयल उम्र 32 वर्ष बाइक चला रहे थे। उनके

साथ गंगा सिंह पट्टा सवार थे। अचानक अनियंत्रित हुई बाइक सीधे खड़ी कार से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में बाइक चालक रामदास गोयल के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि दूसरे सवार गंगा सिंह पट्टा को मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी गई, जिसके बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों द्वारा घायल का उपचार किया जा रहा है और एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि डिंडौरी जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। मुख्य मार्गों के साथ-साथ भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही से हादसों का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन से यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सख्ती बरतने की मांग उठने लगी है।

प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई तक होगा मकान सूचीकरण

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) भारत सरकार के जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु नियुक्त चार्ज अधिकारियों के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का शुभारंभ कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में किया गया। 26 एवं 27 फरवरी को आयोजित इस प्रशिक्षण में कलेक्टर ने जनगणना को देश की विकास योजनाओं की आधारशिला बताते हुए कहा कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है, इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा में शत-प्रतिशत शुद्धता के साथ कार्य पूर्ण करें। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकी जानकारी को फील्ड में प्रभावी रूप से लागू करने तथा डिजिटल प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण डाटा संकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा, जिसमें प्रगणक सुपरवाइजर के निर्देशन में घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे।

रिश्ते ने लिया खौफनाक मोड़ : साले ने ही कुचल डाला जीजा का सिर, 8 घंटे में पुलिस ने खोला राज

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

गाडासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत बघरेलीङ्कधनौली मार्ग पर मिले लहूलुहान शव के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज 8 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। इस अंधे कत्ल में मृतक के ही साले को मुख्य आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी अब भी फरार है।

मंगलवार सुबह ग्राम बघरेलीङ्कधनौली के बीच सड़क किनारे खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का खून से सना शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक गिरवर सिंह उइके टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हुआ।

शव की पहचान भारत लाल नंदा, निवासी ग्राम मझियाखार, जिला सिवनी के रूप में हुई, जो भारतीय डाक विभाग में चपरासी पद पर पदस्थ थे। परिजनों की रिपोर्ट पर हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया।

- **एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की मदद से खुली गुत्थी**-मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी के मार्गदर्शन में एफएसएल टीम बालाघाट व डॉग स्क्वॉड की सहायता से घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित कर अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में रवाना की गईं।

पारिवारिक विवाद बना हत्या की वजह- जांच में सामने आया कि मृतक शराब का आदी था और नशे की हालत में

अक्सर विवाद करता था। घटना की पूर्व संध्या पर उसका साला पारसमणी उर्फ भूरा मांझी, निवासी ग्राम कर्बेमट्टा, रिश्तेदारी में आया हुआ था। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद से आहत होकर आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर साजिश रची। फ्रमड़वा नाचनेफ्र और शराब पिलाने के बहाने मृतक को घर से बाहर ले जाया गया। रास्ते में शराब पिलाकर पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला किया गया और पहचान छुपाने के उद्देश्य से सिर को बुरी तरह कुचल दिया गया।

- मुख्य आरोपी गिरफ्तार, साथी फरार

त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी पारसमणी उर्फ भूरा मांझी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से खून लगे पत्थर और अन्य साक्ष्य बरामद किए गए हैं। आरोपी को बीएनएस की धारा 103(1), 238(ड्ड), 61(2), 3(5) के तहत न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक गिरवर सिंह उइके सहित उपनिरीक्षक ध्रुव कुमार सिंह, सउनि केशव प्रसाद, प्रधान आरक्षक व आरक्षकों की टीम, गोपनीय सैनिक तथा ग्राम रक्षा समिति सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तकनीकी सेल की सक्रियता से भी मामले के शीघ्र खुलासे में सफलता मिली।

काश! मुर्दे भी वोट देते तो संवर जाते मुक्तिधाम

रांझी मुक्तिधाम में पानी की व्यवस्था पर जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं : कांग्रेस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कैंट विधानसभा अंतर्गत रांझी बड़ा पत्थर स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट में जरूरी व्यवस्थाएं नदारत हैं। श्मशान घाट में पानी की व्यवस्था बिलकुल नहीं होने के कारण मृतक के परिवारजनों को अंतिम संस्कार की क्रिया के लिए पानी तक नहीं मिल पा रहा है। श्मशान घाट स्थित पानी की टंकी में पानी नहीं होने एवं हैण्डपंप भी बंद होने के कारण परिवार जनों को परेशान होना पड़ रहा है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश महासचिव रामदास यादव का कहना है कि सत्ता में काबिज कैंट विधानसभा के जनप्रतिनिधियों के विकास के दावों की पोल खुल गई है। जबकि नगर निगम जल विभाग में मेयर काउंसिल मेंबर रांझी से होने के बावजूद भी रांझी श्मशान घाट, मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार करने परिजनों को पानी के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता रामदास यादव ने आरोप लगाया कि शायद मुर्दा भी वोट देते होते तो मुक्तिधाम श्मशान घाट में वोट पाने के लिए नेता विकास कर देते। किंतु जनप्रतिनिधि, अधिकारी भूल रहे हैं कि अंतिम दौर पर सबको मुक्तिधाम में ही पहुंचना है। इसलिए विषय की गंभीरता को समझते हुए तत्काल मुक्तिधाम श्मशान घाटों की संपूर्ण व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द पूर्ण कर अपनी जवाबदेही का निर्वहन करें।

पानी के लिए बस्ती का सहारा

कांग्रेस नेता ने बताया कि मृतक के परिजन मुक्तिधाम के पास की बस्ती के घरों से पानी मांगकर अंतिम संस्कार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि रांझी बड़ा पत्थर श्मशान घाट मुक्ति धाम के अंतर्गत लगभग 5 वार्ड, इसके अलावा व्हीकल फैक्ट्री, खमरिया फैक्ट्री के भी कई परिवारजन अपने परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए मुक्तिधाम पर लाते हैं। मुक्तिधाम में प्रतिदिन लगभग 5 से 10 अंतिम संस्कार किए जाते हैं। लेकिन वहां जिस तरह की समस्याएं बनी हुई हैं वह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। सत्ता में बैठे जनप्रतिनिधि सिर्फ झूठे वादे करते हैं, जिसकी पोल सरेआम खुल रही है।

अनेक मुक्तिधाम के यही हाल

रांझी मुक्तिधाम में पानी की समस्या को लेकर गुरुवार को कांग्रेस नेता रामदास यादव ने नगर निगम कमिश्नर जबलपुर को फोन भी लगाया किंतु नगर निगम कमिश्नर के द्वारा फोन नहीं उठाया गया। रामदास यादव का कहना है कि यही हालात नगर निगम के अनेकों मुक्तिधाम में बनी हुई है। कहीं पर शेड खुले जर्जर लटक रहे हैं, कहीं पर पानी नहीं है, कहीं पर लकड़ी की व्यवस्था नहीं है। सत्ता में बैठे पार्षद, विधायक, सांसद, महापौर इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

संपूर्ण राज्य में जबलपुर फूड विभाग बना भ्रष्टाचार का केन्द्र

हिन्दू सेवा परिषद ने एसडीएम से चर्चा कर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हिन्दू त्योहारों के दौरान व्यापारियों के साथ कथित भेदभावपूर्ण कार्यवाही एवं उत्पीड़न के विरोध में हिंदू सेवा परिषद के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आज कलेक्टर कार्यालय पहुंचा और कलेक्टर के नाम एसडीएम मरावी से विस्तार में विषय से अवगत कराकर ज्ञापन सौंप अपनी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। परिषद ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि फूड विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा प्रत्येक हिंदू त्योहार के पूर्व विशेष रूप से हिंदू व्यापारियों के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर कार्यवाही की जा रही है, जिससे व्यापारियों में भय, असंतोष एवं आक्रोश की स्थिति निर्मित हो रही है। परिषद ने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार की कार्यवाहियों से व्यापारियों की सामाजिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है, जिसे लेकर व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। साथ ही यह भी बताया कि फूड अधिकारी पांच हजार से एक लाख तक की वसूली सालाना हजारों व्यापारियों से करते हैं। हिन्दू सेवा परिषद ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की कार्यवाहियों पर रोक लगाई जाए, जिससे व्यापारियों का विश्वास प्रशासन पर बना रहे। हिन्दू सेवा पारिषद के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय में प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कलेक्टर की ओर से एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित जांच एवं आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर हिंदू सेवा परिषद के प्रतिनिधिमंडल में अतुल जेसवानी, निखिल कनोजिया, उत्कर्ष रावत, बंटी कुमार एवं अभिषेक अहिरवार उपस्थित रहे।

ननि कमिश्नर को गौ रक्षा हेतु सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व हिंदू परिषद महाकोशल प्रांत के गौ रक्षा विभाग के नेतृत्व में जबलपुर में रानी दुर्गावती जिला, नर्मदा जिला एवं आयुध जिला के कार्यकर्ताओं द्वारा नगर निगम कमिश्नर को गौवंश संरक्षण से संबंधित 7 सूत्रीय मांगों का विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गौवंश की दयनीय स्थिति, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, घायल गौवंश के उपचार में लापरवाही तथा गोशालाओं की अव्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में माँ नर्मदा साई सेवा समिति के कार्यों में अनियमितता की जांच कर उसका अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त किये जाने, घायल एवं असहाय गौवंश के लिए 24 घंटे निशुल्क वाहन संचालन सुनिश्चित करने, शासन की आचार्य विद्यासागर योजना को प्रभावी रूप से लागू कर पात्र गौपालकों को सीधी आर्थिक सहायता प्रदान करने, सड़कों पर विचरण कर रहे गौवंश को सुरक्षित गोशालाओं/कांजी हाउस में व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित किये जाने, एवं चिकित्सकीय दल को नियमित निगरानी करने, संचालित टोल-फ्री नंबर को अधिक प्रभावी, सक्रिय एवं जवाबदेह बनाने तथा नगर निगम एवं संबंधित विभागों द्वारा गौशालाओं की नियमित मॉनिटरिंग हेतु एक स्थायी समिति गठित करने की मांग शामिल है। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संजय तिवारी, पंकज श्रीवात्री, सुमित सिंह ठाकुर, राकेश सिंह, नवीन सिंह राजपूत, अजय चौरसिया, विशाल नामदेव, कुमार राठौड़, अमित जाट, अरविंद सोंधिया, अनुप पटेल एवं कोमल सिंह लोधी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज में 23वाँ दीप प्रज्जवलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एवं रिसर्च इस वर्ष अपने स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा 23वें दीप प्रज्जवलन एवं शपथग्रहण समारोह का आयोजन महाविद्यालय सभागार में 27 फरवरी को 11.30 बजे पूर्वान्ह में किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण अवसर नर्सिंग के विद्यार्थियों के एक ऐसे पावन एवं महान पेशे में औपचारिक प्रवेश का प्रतीक है जो करुणा, अनुशासन और मानव सेवा के मूल्यों पर आधारित है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रानी दुर्गावती विवि जबलपुर के कुलगुरू प्रो डॉ राजेश वर्मा जी रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता हितकारिणी सभा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नित्य निरंजन खम्परिया करेंगे। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाये मप्र शासन डॉ संजय मिश्रा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल रूपा भौमिक प्राचार्या एवं मेट्रन मिलिट्री अस्पताल जबलपुर उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो डॉ अलकेश चतुर्वेदी प्राचार्य पीएम श्री शासकीय महाकौशल कालेज जबलपुर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हितकारिणी सभा की सभापति श्रीमति सुनयना पटेरिया हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन, सयुंक्त मंत्री नमन अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में नर्सिंग के विद्यार्थियो द्वारा शपथ ली जावेगी। इस अवसर पर विवि में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शान्तादेवी मनमोहन दास फाउन्डेशन द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किया जावेगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रथम बैच की छात्रा ओर रानी दुर्गावती नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो अर्चना गायकवाड को सम्मानित किया जावेगा। इस अवसर पर हिकारणी सभा के पदाधिकारी, नगर की विभिन्न नर्सिंग संस्थाओ के संचालक प्राचार्य संकाय सदस्य, अभिभावक पूर्व छात्र-छात्राए उपस्थित रहेंगी। महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष मुकुल खम्परिया एवं प्राचार्या प्रो डॉ प्रिन्सी साजी ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

पोस्टर व मॉडल प्रतियोगिता संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन के प्रथम दिवस विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसे विद्यार्थियों द्वारा चल एवं अचल मॉडल बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किए गए मॉडल में वर्किंग एवं नॉन वर्किंग मॉडल में लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायक डॉ आर. के श्रीवास्तव, डॉ राजेश तिवारी, डॉ प्रशांत सेलेट एवं डॉ एस.एन. शुक्ला रहे। संचालन में डॉ सुनीता शर्मा,डॉ सुमन प्रभाकर, डॉ निमिषा कौर भामरा, डॉ जया वाजपेई, डॉ प्रतीक्षा गौर, डॉ शंपा जैन, डॉ शीला मैथ्यूज, डॉ मोना मरकाम, डॉ रवि विश्वकर्मा, डॉ प्रीति तिवारी, डॉ रोहिणी सिंह, डॉ विनीता रतोनिया, डॉ सपना सिंह, डॉ रुपाली जैन, डॉ अनुश्री गर्ग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2350 हितग्राहियों ने कराया नेत्र परीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पूर्व विधानसभा क्षेत्र में जनकल्याण की भावना से प्रेरित कांग्रेस मानव सेवा का संकल्प एवं स्वास्थ्य शिविर का पाँचवें दिन गुरुवार को धनी की कुटिया अधारताल में प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ हुआ जो शाम 5:00 बजे तक जारी रहा, जिसमें जन समूह का ताता लगा रहा। पाँचवें दिन में लगभग 2350 हितग्राहियों ने अपना परीक्षण कराया जिसमें 985 हितग्राहियों का चश्मे के लिए पंजीयन किया गया। 80 हितग्राहियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए पंजीयन किये गये। लगभग 1200 हितग्राहियों को दवाईयों का वितरण किया गया। पंचदिवसीय स्वास्थ्य शिविरों में लगभग 11000 हितग्राहियों ने अपना परीक्षण कराया।

पवित्र स्थल में तोड़फोड़ करने के आरोपियों की जमानत अर्जी निरस्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जेएमएफसी न्यायालय अजय उइके सिहोरा ने पवित्र स्थल में तोड़-फोड करने वाले आरोपियों की जमानत आवेदन निरस्त कर दी। विशेष लोक अभियोजक दिलावर धुर्वे व राजकुमार शर्मा ने बताया कि फरियादी रहूप शाह द्वारा हमराह मुबारक शाह, जाहिद अली शाह, शहनशा शाह द्वारा उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश किया कि 19 फरवरी को रात करीब 10/30 बजे फरियादी रहूप शाह एवं मुबारक शाह तथा आस पास के और भी लोग बाबा साहब के मजार के पास खड़े हुये थे तभी आजाद चौक की घटना को लेकर पृथ्वी चौहान, जितेन्द्र उर्फ जिजू बर्मन, भगत चौहान, कल्लू गुप्ता, राहुल श्रीवास्तव, सक्षम गुप्ता, करिया झारिया एवं करिया झारिया का भाई तथा उनके साथ अन्य 25 से 30 लोग हाथो मे लाठी, डंडा रड एवं तलवार लिये मजार सरीफ में घुस गये जब हम लोगो ने मना किया तो ये लोग हम लोगो को माँ बहन की गंदी गंदी गालिया देने लगे हम लोग वहा से डर के कारण भाग गये फिर वो लोग हमारे पवित्र स्थल सैय्याद बाबा की मजार में तोड़ फोड़ करना शुरु कर दिये एवं बाबा का अपमान करने लगे जिससे हमारी धार्मिक भावनाये आहत् हुयी है एवं मजार में रखी दान पेटी तोड़ दिये तथा मजार में रखी चादरों का छन्ना जो करीब 15 हजार रूपये का चोरी कर ले गये तथा मुबारक शाह के घर के सामने खड़ी उसकी मोटर सायकिल एवं चार पहिया वाहन तथा घर में लगा कैमरा भी तोड़ फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिये है। उसके बाद वहा से वे लोग चले गये थे। घटना को मुबारक शाह, जाहिद अली शाह, शाहनशा शाह एवं अन्य लोगों ने देखा सुना है। उक्त घटना के आधार पर अभियुक्तगण के विरूद्ध अपराध कायम कर कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

अभियुक्तगण बनवारी, राहुल, करण ऊर्फ राजू, सक्षम ऊर्फ रामजी एवं जीतेन्द्र ऊर्फ जिजू द्वारा न्यायालय के समक्ष जमानत आवेदन पत्र पेश किया गया। एडीपीओ के विधिक तर्कों से सहमत होते हुये न्यायालय ने अभियुक्तगण बनवारी, राहुल, करण ऊर्फ राजू, सक्षम ऊर्फ रामजी एवं जीतेन्द्र ऊर्फ जिजू की जमानत आवेदन निरस्त की गई।

किसानों ने सीखे कम लागत में अधिक उत्पादन के गुर

कृषकों ने किया कृषि विवि के प्रक्षेत्रों का भ्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर जिले के प्रगतिशील किसानों एवं कृषक सेवकों ने कृषि विश्वविद्यालय के प्रक्षेत्रों का भ्रमण कर रबी की फसलों, विशेष रूप से गेहूँ, चना एवं रबी में बोई गई सोयाबीन के वैज्ञानिक माडलों का अवलोकन करते हुए कम लागत में अधिक उत्पादन के गुर जाने, समझे। कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, प्रक्षेत्र प्रभारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने किसानों को गेहूँ, चना एवं सोयाबीन की विभिन्न प्रजातियों के मॉडल प्रक्षेत्रों का अवलोकन कराया व वैज्ञानिक विधि से खेती के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते देते विश्व विद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसन्धानों, उत्पादित बीजो व उनकी उपलब्धता के बारे जानकारियां सांझा की। प्रक्षेत्र भ्रमण उपरान्त स्थल पर ही भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजि. के.के अग्रवाल की अध्यक्षता में कृषि गोष्ठी आयोजित की गई, गोष्ठी में डॉ संजय सिंह ने क्रॉप रोटेशन, बीज चयन एवं उपचार, खाद का प्रयोग, सिचाई, खरपतवार, कीट प्रबंधन में किसानों द्वारा विशेष रूप से ध्यान देने योग्य गुर बताये। उन्होंने प्रक्षेत्र भ्रमण में महिलाओ की उपस्थित की सराहना करते हुए कहा की खेती में महिलाओ की भागीदारी तथा उनमे नवचार तथा जानने, समझने के प्रति रुझान एक अच्छा संकेत है। कृषक समाज के मार्गदर्शन में किसान सेवा संगठन के युवा विंग किसान सेवा सेना द्वारा आयोजित प्रक्षेत्र भ्रमण एवं कृषि गोष्ठी कार्यक्रम में जिले के प्रगतिशील एवं वरिष्ठ कृषक तथा कृषक सेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन, कृषक प्रतिनिधियों का स्वागत तथा परिचय किसान सेवा संगठन के अध्यक्ष जितेंद्र देसी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से सुभाष चंद्रा, प्रमोद मरवाहा, रामगोपाल पटेल, रामकिशन पटेल, हरणारायन राजपूत, अशोक पटेल, उमाशंकर पटेल, श्रीमती मीतू शुक्ला, रामदीन पटेल, सुरेश कुर्मी, महेन्द्र पटेल, के के शुक्ला, मुकेश पटेल, सुशील पाठक, मनोज पटेल, बाला प्रसाद, अंकित पटेल, राजेश पटेल, श्रीमती सपना काछी, सुश्री अर्चना सोनी, श्रीकांत महेरे, जितेंद्र पटेल, श्रीमती रेनु कुशवाहा, अर्चना सिंह, पूजा उपाध्याय, संतोषी झारिया, आरती काछी, पूजा झारिया आदि की उपस्थिति थी।

चारनोई भूमि पर लहलहा रही दबंगों की फसलें

हृदयनगर गांव में मवेशियों के लिए सुरक्षित 108 एकड भूमि पर माफिया का कब्जा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर जिले के नक्शे में शामिल सिहोरा तहसील के अंतर्गत आने वाले गोसलपुर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत हृदयनगर और उसके पोषित गांव धमधा में लगभग तीन सौ एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जाधारियों द्वारा चारागाह की भूमि पर अवैध कब्जा कर फसले उगाई जा रही हैं। जिसके चलते वर्तमान स्थिति में इन दो गांव का चारनोई भूमि का रकवा समाप्त होने की कगार पर है। इस बेशकीमती जमीनो पर गांव के दबंग जन प्रतिनिधि भू माफिया किस्म के लोग कब्जा करके तार फेंसिंग करके बोर खनन कर के बकायदे तीन फसले उगा रहे हैं। यह सब जानकारी राजस्व अमला आरआई पटवारी कोटवार को होते हुए भी इन भूमाफियाओं के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जाती। कभी कभार कागजी खानापूर्ति करने के लिहाज से नोटिस जारी कर जुर्माना वसूल लिया जाता है। इन दोनो गांव में बड़ी संख्या में लोग पशुपालन बकरी पालन भेड़ पालन करते हैं। परंतु इन मवेशियों के चरोखर के लिए भूमि न होने के कारण पशुपालक बेहद परेशान रहते हैं। जिसके कारण गांवों में धीरे-धीरे पशुपालन का क्रम समाप्त होता जा रहा है। गौरतलब है कि जहां एक ओर मध्य प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव वल्लभ भवन मंत्रालय में बैठकर अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करते हैं कि गांव की चरनोई भूमि का रकवा सुरक्षित किया जाए अतिक्रमणकारियो के ऊपर सख्त कार्यवाही कर बेदखल किया जावे। परंतु भोपाल से जारी आदेश सिहोरा तहसील आते-आते सुस्त पड़ जाता है और कागज की टोकरी व लालफीताशाही फाईलो मे दफन हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से राजस्व अमले की अनदेखी के चलते शासकीय रिक्त जमीनों पर अतिक्रमण करने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। पटवारी ग्राम कोटवार सरपंच सचिव ने अनेकों बार वरिष्ठ अधिकारियों को इन कब्जाधारियों की सूची तैयार कर सौंपी है परंतु वरिष्ठ अधिकारियों के के समक्ष यह पूरी कबायद महज एक खानापूर्ति साबित होती है। आपको बता दें की हर ग्राम के निस्तार पत्रक में यानी राजस्व अभिलेख में मध्य प्रदेश शासन की भूमि विभिन्न मदो के लिए सुरक्षित रखी जाती है। परंतु इन सुरक्षित जमीनो पर भी अवैध कब्जाधारी अपनी दबंगई राजनीतिक पकड़ व बाहुबल के दम पर अवैध कब्जा कर चुके हैं। अगर कोई शिकायत भी करता है तो तहसील कार्यालय में जागरूक व्यक्ति की शिकायत कचरे की टोकरी मे फेंक दी जाती है। अगर ठीक ढंग से सर्वे कर लिया जावे तो लोगों का कहना है कि गांव का एक व्यक्ति लगभग दस दस एकड़ जमीन पर कब्जा करके फसल उगा रहा है। सूत्रों के द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व में पदस्थ रहे पटवारी द्वारा लगभग 30 अवैध कब्जाधारियों को चिन्हित कर सूची तैयार कर तहसीलदार न्यायालय सिहोरा में पेश की गई थी। जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस संबंध में पक्ष जानने हेतु सिहोरा एसडीएम पुष्पेंद्र अहाके सिहोरा तहसीलदार रूपेश्री कुंजाम को मोबाइल लगाया गया परंतु दोनों अधिकारियों का फोन रिसीव नहीं हुआ। अब शीघ्र ही इस संबंध में गांव के जागरूक नागरिकों का एक प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह से भेंट करेगा।

इन्होंने कहा

आपके द्वारा मेरे संज्ञान में हृदयनगर गांव में चारनोई भूमि में अवैध कब्जे की शिकायत लाई गई है। मैं इस संबंध में सिहोरा एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित करूंगा।

– नाथूराम गौंड, अपर कलेक्टर जबलपुर (ग्रामीण)

आयुष्मान योजना ने गरीबों को दिया जीवनदान: डॉ. अभिलाष

जबलपुर |मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज स्वास्थ्य विभाग की मांग संख्या 19 पर चर्चा के दौरान जबलपुर उत्तर से विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के बजट में स्वास्थ्य के लिए 22 हजार 362 करोड़ 7 लाख 10 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है, जो राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश में 1,442 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 158 सिविल अस्पताल कार्यरत हैं। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान कार्ड योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि गरीब और असहाय नागरिकों के लिए जीवन रक्षक कवच बनकर उभरी है। विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने उत्तर मध्य विधानसभा के मनमोहन नगर अस्पताल में 459 सामान्य प्रसव कराने के रिकॉर्ड का उल्लेख किया और अस्पताल को सिविल अस्पताल का दर्जा देने की मांग की। विक्टोरिया के 245 बेड के उन्नयन मेडिकल कॉलेज के लिए 800 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। डॉ. पाण्डेय ने बताया एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति ने उन्हें अपने घर बुलाया और उन्हें अपने मंदिर में ले गया, जहाँ भगवान की प्रतिमाओं के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चित्र भी विराजित था।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

लोककर्म विभाग

निविदा आमंत्रण सूचना

N.I.T. No. : / PWD/2025-26/04/E-tendering/PRO 927 Date 26/02/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार/मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य में लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_484282_1	संभाग क्रमांक 04 नरसिंह वार्ड अंतर्गत बरसाना मोहल्ला में हेण्ड पंप के पास नाला निर्माण/कवर्ड एवं जाली लगाने का कार्य। (निगम मद) (द्वितीय निविदा)	02 माह	2,000/-	
	26/02/2026		रू. 2.12	2125/-	13/03/2026
2.	2026_UAD_484282_2	संभाग क्रमांक 04 अंतर्गत रतन कालोनी में डॉ. अशोक कुमार भण्डारी के घर के पास सड़क के दोनों और कवर्ड नाली निर्माण कार्य। (निगम मद) (द्वितीय निविदा)	03 माह	2,000/-	
	26/02/2026		रू. 4.20	4205/-	13/03/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट www.mptenders.gov.in में पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
संभाग क्रमांक 04 नगर निगम, जबलपुर

कलेक्टर ने की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास की योजनाओं की समीक्षा

हाईरिस्क वाली गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव प्रबंधन की व्यवस्था की जाए

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 26 फरवरी को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य, आयुष एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव एवं बच्चों के कुपोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान अनमोल पोर्टल पर सभी गर्भवती माताओं का अनिवार्य रूप से पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए। माता के गर्भवती होते ही उसका पंजीयन अनमोल पोर्टल पर हो जाना चाहिए और उसके नियमित टीकाकरण एवं जांच पर विशेष ध्यान देना है। अनमोल पोर्टल पर पंजीकृत गर्भवती माताओं में से हाईरिस्क वाली माताओं को चिन्हित कर उनके सुरक्षित प्रसव के लिए उचित प्रबंधन अनिवार्य रूप से किया जाना है। कलेक्टर मीना ने सख्त निर्देश दिये कि अनमोल पोर्टल पर किसी भी तरह से गलत एंट्री नही होना चाहिए। जिस एएनएम द्वारा गलत एंट्री की जा रही है उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

08 बीएमओ का कारण बताओ नोटिस

कलेक्टर मीना ने समीक्षा के दौरान ए. एन. सी.पंजीयन, ए. एन. सी. 4 जांच तथा हाई रिस्क महिलाओं के पंजीयन सहित आयरन शुक्रोज में लक्ष्य से कम उपलब्धि प्राप्त करने पर बैहर एवं परसवाडा बीएमओ डॉ. हरीश मशराम, बिरसा बीएमओ डॉ. सुनील सिंह, कटंगी बीएमओ डॉ. विनोद भलावी, लालबर्रा बीएमओ डॉ.रितु धुर्वे, लामता बीएमओ डॉ. थैलेश गड़पाले, लाँजी बीएमओ डॉ.अक्षय उपराड़े, किरनापुर बीएमओ डॉ वर्ष चौबे, खैरलाँजी बीएमओ डॉ.खिलेन्द्र पाल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही बैहर बीपीएम अर्चना वासनिक, बिरसा बीपीएम मनीष आड़े, कटंगी बीपीएम जवाहर बिसेन, लालबर्रा बीपीएम भुवनेश बोपचे, लाँजी बीपीएम मनीष पांडे, खैरलाँजी बीपीएम विजयानन्द मेश्राम, लामता बीपीएम किशोर टेम्भुर्ने, परसवाड़ा बीपीएम अनिल कुकड़े, किरनापुर के प्रभारी बीपीएम मनीष दुबे का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार खैरलाँजी बीसीएम सिरीश पाठक, बैहर प्रभारी बीसीएम सोनू चापेकार, बीसीएम परसवाड़ा संतोष चौधरी, बीसीएम लॉलबर्रा सपना धुर्वे, बीसीएम लांजी अरुणा रणदिवे, बीसीएम किरनापुर संतोष सोनेकर, बीसीएम लामता प्रभारी बीसीएम खेमसिंह सहारे का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए है।

कलेक्टर मृणाल मीणा ने सीएचएमओ को निर्देशित किया कि हेल्थ सुपरवाइजर, एमपीडब्लू तथा एलएचव्ही के साथ पृथक से बैठक कर इनका फिल्ड भ्रमण का कार्यदायित्व तय करें एवं उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिससे उनकी विभाग में जिम्मेदारी तय कर उनके कार्य का साताहिक विश्लेषण किया जा सकें। गर्भवती माताओं के पंजीयन एवं डाटा एंट्री में संतोषजनक कार्य नही किये जाने पर बालाघाट की एएनएम रीना रंगारी एवं ए श्रीवास्तव, मझगांव परसवाडा की एएनएम लीना लिल्हारे, कटंगी की एएनएम ज्योति नागदेवे, परसवाडा की एएनएम शीला उइके, मोरवाही किरनापुर की एएनएम यमुना कर्राहे, लालबर्रा की एएनएम श्रीमती तांबे, किरनापुर की एएनएम नीतकला गौतम एवं बैहर की एएनएम हरला गोस्वामी के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि 01 अप्रैल 2025 से 24 फरवरी 2026 तक जिले में 27 हजार 128 गर्भवती माताओं का पंजीयन किया गया है। इनमें से 660 गर्भवती माताओं को हाईरिस्क वाली माताओं के रूप में चिन्हित किया गया है। 01 अप्रैल 2025 से 24 फरवरी 2026 तक जिले में 22 हजार 561 शिशुओ का जन्म हुआ है और इनकी अनमोल पोर्टल पर एंट्री की गई है। इन शिशुओ के स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण के लिए एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा होम विजिट की जा रही है। बैठक में सिकल सेल जांच एवं टीबी के मरीजों के उपचार की भी समीक्षा की गई।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

विशेष न्यायालय बालाघाट का कड़ा फैसला

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

नाबालिग अभियोक्त्री से दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में माननीय विशेष न्यायालय ने आरोपी को कड़ी सजा सुनाई है। गौतम सिंह मरकाम, विशेष न्यायाधीश (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012), बालाघाट द्वारा विशेष प्रकरण क्रमांक स्ष्/07/2025, थाना लांजी के अपराध क्रमांक 95/2024 में अभियुक्त लक्ष्मीकांत उर्फ निकेश उमरे पिता ओंकारलाल, उम्र 22 वर्ष, निवासी जिला बालाघाट को दोषसिद्ध ठहराया गया। न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एन) के अंतर्गत 10 वर्ष का सश्रम कारावास तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 एवं धारा 376(3) भादवि के अंतर्गत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 10,000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन की ओर से पैरवी श्रीमती आरती कपले, विशेष लोक अभियोजक द्वारा की गई, जो श्री कपिल कुमार डहेरिया, सहायक संचालक (अभियोजन) के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। प्रकरण के अनुसार 16 मार्च 2024 को फरियादी ने अपनी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट थाना लांजी में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पीड़िता की दस्तयाबी 23 फरवरी 2025 को ग्राम कारंजा चौक से हुई। पीड़िता ने बयान में बताया कि आरोपी उसे जबरन भगाकर पुणे ले गया था। न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को कठोर दंड दिया।

पोषण ट्रेकर ऐप से बच्चों के पोषण स्तर पर निगरानी रखने के निर्देश

बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान कलेक्टर मीना ने बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार एवं उन्हें कुपोषण से बाहर निकालने पर विशेष ध्यान दिया जाए। चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्रो में भर्ती कराया जाए। पोषण पुनर्वास केंद्रो का कोई भी बेड खाली नही रहना चाहिए। जो बच्चें कुपोषण की श्रेणी से बाहर आ गए है उनका नियमित रूप से फालोअप लिया जाए। 03 से 06 वर्ष आयु के सभी बच्चों के पोषण स्तर पर पोषण ट्रेकर एप्प के माध्यम से निगरानी रखी जाए। जिले में एक ही परिसर में स्थित आंगनवाडी एवं प्राथमिक शाला की मैपिंग कर आंगनवाडी के 03 से 06 वर्ष आयु के बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा दिलाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जिले की 69 हजार 284 बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा दी जा रही है। इनमें से 11 हजार 803 बच्चें स्कूल जा रहे है।

विधायक भगत ने क्षेत्र में नए रेंजर कार्यालय खोले जाने का मुद्दा उठाया

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

विधानसभा क्षेत्र में वन विभाग की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की मांग तेज हो गई है। क्षेत्रीय विधायक ने वन मंत्री से आग्रह किया है कि परसवाड़ा क्षेत्र के कुमनगांव, परसवाड़ा एवं बघोली में नए रेंजर (रेंज) कार्यालय खोले जाएं, ताकि आमजन को हो रही परेशानियों का समाधान हो सके। विधायक भगत ने मध्यप्रदेश विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्तमान में इन क्षेत्रों में रेंज कार्यालय नहीं होने से ग्रामीणों, वन अधिकार धारकों तथा वनभूमि से जुड़े हितग्राहियों को आवश्यक कार्यों के लिए दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ता है। संबंधित अधिकारी और कर्मचारी समय पर उपलब्ध नहीं हो पाते, जिससे छोटे-छोटे कार्य भी लंबित हो जाते हैं। परिणामस्वरूप प्रमाण पत्र, अनुमति, सीमांकन, वन उपज से जुड़े प्रकरणों सहित अनेक विभागीय कार्यों में अनावश्यक विलंब होता है।इस मांग को उठाने में जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटले, संपत पटले, टिकम राहंगडाले, मंगलूसिंह उइके और लोकेश राहंगडाले की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और वन क्षेत्र की व्यापकता को ध्यान में रखते हुए नए रेंज कार्यालयों की आवश्यकता बताई। उनका कहना है कि परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा वन क्षेत्र से आच्छादित है, जहां वन संरक्षण, प्रबंधन और ग्रामीणों के अधिकारों से जुड़े मामलों की संख्या अधिक है। विधायक मधु भगत ने कहा कि यदि कुमनगांव, परसवाड़ा और बघोली में रेंजर कार्यालय स्थापित किए जाते हैं तो विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों की उपलब्धता से शिकायतों का त्वरित निराकरण संभव होगा और ग्रामीणों को बार-बार मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही वन संरक्षण से जुड़े कार्यों की निगरानी भी प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक दूरी और वन आधारित आजीविका को देखते हुए नए रेंज कार्यालय खोलना समय की मांग है। इससे न केवल प्रशासनिक सुविधा बढ़ेगी, बल्कि वन विभाग और आमजन के बीच समन्वय भी मजबूत होगा। विधायक ने सरकार से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा व्यक्त की है, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके और वन प्रबंधन व्यवस्था अधिक प्रभावी बन सके।

विद्यासागर मानद उपाधि से डॉ. रमेश सेवलानी सम्मानित

राष्ट्रीय साहित्य एवं पुरातत्व संस्थान ने किया सम्मान, दूरस्थ आदिवासी अंचलो में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा देकर डॉ. सेवलानी कर रहे मानवसेवा

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

दो सौ से ज्यादा ग्रामीण और आदिवासी अंचलो में कैंपो के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा देकर सामाजसेवा कर रहे डॉ. रमेश सेवलानी को विद्यासागर मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान, बालाघाट में इतिहास एवं पुरातत्व संस्थान के 24 वें समारोह में प्रदान किया गया।

आपको बताते चले कि गत दिवस- इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान तथा वीर अकादमी मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। जिसमें 15 राज्यों से प्रतिष्ठित पुरातत्व विद्, इतिहास विद्, साहित्य विद्, समाज शास्त्री पहुंचे थे। आपको बताते चले कि जिले के आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रमेश सेवलानी, जिले के दूरस्थ और आदिवासी अंचलो में स्वास्थ्य शिविरो के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे है। खास बात यह है कि डॉ. सेवलानी, अब तक 221 नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, अपने खर्च पर निस्वार्थ भाव से कर चुके है। वे, जिले के ग्रामीण और दूरस्थ आदिवासी अंचलो में ना केवल, ग्रामीणों की जांच करते है, बल्कि ग्रामीणो के स्वास्थ्य अनुसार, उन्हें नि:शुल्क दवाओं का भी वितरण करते है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रमेश सेवलानी, ना केवल जिले बल्कि पड़ोसी राज्यो में भी अपने स्वास्थ्य सुविधाओ के नाम से पहचाने जाते है। नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से नि:स्वार्थ भाव से वह पीड़ित मानवता की सेवा में लगे है।

राष्ट्रीय साहित्य एवं पुरातत्व का 24 वां समारोह

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन आज

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीअलेंस शासकीय आर.व्ही .पी.एस. महाविद्यालय उमरिया के सभागार में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान मे 'विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026के अंतर्गत उमरिया जिले का जिला स्तरीय आयोजन 27 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे से इमरजेंसी के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सबक पर किया जाएगा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विमला मरावी ने महाविद्यालयीन समिति का गठन किया है , जिसका संयोजक डॉ. अरविंद शाह बरकड़े, कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम युवाओं को भारतीय लोकतंत्र की सजीवता को समझने में मदद करेगा। युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक परंपराओं और संसदीय प्रणाली की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के उद्देश्यत से किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकतंत्र के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अध्याकय 'आपातकाल' (1975-77) के संदर्भ में चर्चा, विचार-विमर्श और तर्कपूर्ण प्रस्तुति का अवसर मिलेगा। जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट में उमरिया जिले के सभी विद्यार्थी सहभागिता कर सकते हैं, जिनकी आयु18 वर्ष से 25 वर्ष के मध्य हो। प्रतिभागी पोस्टर प्रस्तुति एवं वक्तव्य के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करेंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित संवाद स्थापित करेंगे। मंच के माध्यम से युवा न केवल इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं की विवेचना करेंगे, बल्कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लोकतंत्र की भूमिका को भी समझ पाएंगे। युवाओं को सुझाव भी प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का मुख्य उद्देश्य युवाओं कोनिर्णय निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर देना है। साथ ही उन्हें भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने तथा उसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का अवसर प्रदान करना है।

क्लबफुट बीमारी से ग्रसित बच्चों का किया गया नि:शुल्क उपचार

उमरिया (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत क्लबफुट बीमारी से ग्रसित 4 बच्चों की कास्टिंग कर निशुल्क उपचार अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आर एन रुहेला द्वारा किया गया। जिले मे उपचार प्रत्येक बुधवार को अस्थि रोग विशेषज्ञ के द्वारा पिरानी स्कोर के सहयोग से कास्टिंग एनाटॉमी व स्पेशल टाइप के जूते देकर बच्चों के टेढ़े पंजे को सीधा किया जा रहा है। अब तक 25 बच्चो का उपचार किया जा चुका है। जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से प्रबंधक रीता बहरानी एवं अनुष्का फाउंडेशन मुंबई से सतीश सिंह उमरिया के साथ मिल कर उमरिया जिले को क्लब फुट फ्री उमरिया करने हेतु कार्य कर रही है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। गुरुवार 26 फरवरी को कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में कलेक्टर सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न बिंदुओ पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।बैठक में कहा गया कि सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाने के लिए एन एच के किनारे खड़े वाहनों पर कार्यवाही की जाए। ब्लैक स्पाट स्थल पर ब्रेकर,सूचक चिन्ह निधारित मापदंड के आधार पर लगाए जाए। नगर के अंदर पार्किंग व्यवस्था के लिए सीएमओ को निर्देशित किया गया कि निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहन खडे हो यह सुनिश्चित किया जाए, नो पार्किंग में वाहन खड़े होने की स्थिति में चालानी कार्यवाही की जाए तथा पार्किंग स्थल पर पार्किंग बोर्ड लगवाया जाए। जिला मुख्यालय के गांधी चौक से लेकर रणविजय चौक तक लग रही अस्थई सब्जी मंडी को हटाया जाए ताकि सड़क में वाहनों का आवागमन सुगम हो सके और दुर्घटनाएं कारित नही हो सके । इसके साथ ही जिन दुकानदारों व्दारा अपने दुकान का समान व्हाईट लाइन के बाहर रख कर यातायात बाधित किया जा रहा है, उन्हें समान दुकान के अंदर रखने की समझाईश दी जाए,ऐसा नहीं होने पर चलानी कार्यवाही की जाए। राष्ट्रीय राजमार्गो के बसाहट वाले स्थानो पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाए। बैठक में परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले में चल रही कंडम बसों,तथा ओव्हरलोड चल रहे वाहनों का औचक अवलोकन करते हुए पाई गई कमियों पर कार्यवाही की जाए। यातायात प्रभारी को निर्देशित किया गया कि नगर में चेकिंग अभियान चलाकर संचालित कर हेलमेट की अनिवार्यता सुनिश्चित किया जाए। इसी तरह जिन जगहो पर ब्रेकर, साईन बोर्ड, रिफलेक्टर लाईट,लगाने की आवश्यकता है,वहां पर ब्रेकर लगवाएं जाए। बैठक में निर्देशित किया गया कि एन एच में बने ढाबो का औचक निरीक्षण किया जाए तथा निरीक्षण के दौरान जो ढाबे अतिक्रमण करके बनाए गये है, उन पर सख्त कार्यवाही की जाए ।

जमीन केस को लेकर तहसील में वकील और तहसीलदार में बहस

अधिवक्ता पर शासकीय कार्य में बाधा का केस दर्ज

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले की चंदिया तहसील कार्यालय में मंगलवार 24 फरवरी को जमीन से जुड़े एक मामले को लेकर वकील और तहसीलदार के बीच तीखी बहस हो गई। यह विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस तक बात पहुंच गई।

ये हैं मामला

चंदिया प्रभारी तहसील आशीष शर्मा पिता श्री लाल बिहारी शर्मा उम्र 42 साल निवासी 31 दुवारी थाना चोरहटा जिला रीवा हाल प्रभारी तहसीलदार चंदिया ने अपनी शिकायत चंदिया थाने में की जिसमें उन्होंने बताया कि 24.02.2026 को 12.30 बजे के लगभग तहसील कार्यालय चंदिया में अपने कक्ष में बैठकर शासकीय कार्य कर रहा था। उस समय मेरे साथ कक्ष में उमेश सिंह एलाडी डाटा एण्ट्री आपरेटर भी मौजूद होकर शासकीय कार्य कर रहे थे। तभी अचानक अंजनी द्विवेदी पिता लक्ष्मी प्रसाद द्विवेदी निवासी चंदिया आया जिसका तहसील में जमीनी प्रकरण चल रहा था आते ही मेरे कक्ष में अंदर से दरवाजा बंद किया, दरवाजे में लगे परदे की पाइप निकाला और जमीनी फौतीनामा प्रकरण खारिज हो जाने की बात को लेकर मुझे अभद्रतापूर्ण शब्द माँ बहन की बुरी बुरी गाली गलौज करते हुए बोला कि तूनें मेरे आवेदन को क्यो निरस्त किया है मैनें उसको गाली देने से मना किया और बोला की आपने अपने बहन का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं लगाया है जिस कारण निरस्त किया गया। तब उसने बोला कि तूने मेरा काम नहीं किया तो चंदिया तहसील में नौकरी करना मुश्किल कर दूंगा। तब उमेश सिंह एलाडी में कमरे का दरवाजा खोला तब अन्य स्टाफ वहा पर आ गये बीच बचाव किये तब अंजनी द्विवेदी शासकीय कार्य में बांधा उत्पन्न कर जान से मारने की धमकी देते हुए वहा से चला गया। अत: अंजनी द्विवेदी पिता लक्ष्मी प्रसाद द्विवेदी के विरुदध शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने, शासकीय कार्यालय में शासकीय अधिकारी से अभदतापूर्ण व्यवहार करने, गाली गलौज करने एवं जान से मारने की कोशिश करने की एफ आई आर दर्ज करते हुये संबंधित के विरुद्ध ठोस दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। अंजनी द्विवेदी पिता लक्ष्मी प्रसाद द्विवेदी निवासी चंदिया के विरूद्ध अपराध धारा 132,221,296, 351 (2) बीएनएस का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हत्यारे हरीश सोनी को सजा-ए-मौत

मासूम बच्चों सहित छः व्यक्तियों के हत्यारे को न्यायाधीश ने सुनाई फांसी की सजा

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

निवास मीडिया प्रभारी अभियोजन ने बताया कि अपर सत्र न्यायालय निवास ने 26 फरवरी को मनेरी हत्याकांड के आरोपी हरी उर्फ हरीश सोनी को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। थाना बीजाडांडी के अप. 106/2020 पर संस्थित रात्र प्रकरण क्रमांक 81/2020 के आरोपी हरी उर्फ हरीश सोनी पिता सुंदर लाल सोनी निवासी ग्राम मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मण्डला को मामले की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश प्रवीण कुमार सिन्हा ने यह निर्णय दिया है। बता दें कि 15 जुलाई 2020 को फरियादी संतोष उर्फ गुड्डा सोनी पिता फूलचंद सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि में मनेरी में रहता हूं खेती का काम करता हूं हम लोग 6 मई 2 बहन है।

बड़ा भाई परिवार सहित जबलपुर में रहता है। बाकी हम पांच माई मनेरी में रहते हैं मेरा मंझला भाई राजेन्द्र रज्जन सोनी बाजार में घर बनाकर रहते हैं खेती और व्यापार करते हैं। बाकी भाई बस्ती वाले घर में रहते हैं। हरी उर्फ हरीश सोनी एवं संतोष सोनी रिश्ते में चाचा के लड़के हैं इनसे लंबे समय से हमारा बोलचाल बंद है मेरा छोटा भाई विनोद सोनी उप सरपंच है। हरि एवं संतोष सोनी अकेले घर में रहते हैं और कभी बाहर जाते हैं तो बहुत दिनों तक वापस नहीं आते हैं। इस कारण से इनका प्रधानमंत्री आवास कैंसिल हो गया तो दोनों भाई सोचने लगे कि उपसरपंच विनोद सोनी एवं राजेन्द्र सोनी ने आवास कैंसिल कराये हैं और रंजिश रखने लगे इसी प्रकार कुछ दिन पहले अपने पैतृक मकान की शीट एवं गेट कबाड़ी को बेचे थे जिस पर उनके सौतेले भाई सतीश सोनी ने पैसा मांगा तो उसको दोनों ने मना कर दिया जिसकी शिकायत सतीश बड़े भैया राजेन्द्र सोनी से करने आया था जिस पर दोनों भाई सोचने लगे कि हमारे भाई को ये लोग बहका रहे हैं। इन सारी बातों को लेकर 15.07.20 को मैं घर में सोया था तब पप्पू जैन ने आकर बताया कि जल्दी चलो हरि एवं संतोष सोनी ने तुम्हारे बड़े भैया राजेन्द्र रज्जन और उनकी लड़की रानू का मर्डर कर दिये हैं। मैंने वहां जाकर देखा तो भाई राजेन्द्र सोनी और उनकी बेटी रानू दुकान के अंदर औंधे पड़े थे दोनों के गर्दन और सिर में चोट लगी थी खून बह रहा था दोनों मर चुके थे और राजेन्द्र सोनी के बदन में मिर्ची पाउडर लगा था। बाहर निकलने पर मुझे पता चला कि मेरे छोटे भाई विनोद सोनी को भी दोनों ने मार डाला है और उसके 2 छोटे-छोटे बच्चों ओम सोनी 8 वर्ष एवं श्रीयांस सोनी 6 वर्ष को भी दोनों ने मार डाला है।

राजेन्द्र भैया के समधी दिनेश सोनी को भी मौत के घाट उतार दिया है और भतीजे नितिन सोनी, भाई प्रमोद सोनी रिकी सोनी एवं बीच बचाव कने आये सानू तिवारी, सुनील तिवारी को भी मारकर घायल कर दिया है जिन्हें लोगों ने अस्पताल पहुंचाया है। दोनों भाई हाथ में तलवार और कुल्हाड़ी लेकर बेखौफ गांव में घूम रहे थे मुझे देखकर दोनों मुझे भी मारने दौड़े तम भागकर मैंने अपनी जान बचायी इस घटना की सूचना जैसे ही फोन के माध्यम से थाना प्रभारी बीजाडांडी को लगी जो मण्डला से वापस थाना आ रहे थे वह भी तत्काल मौके पर पहुंचे तब तक वहां थाना बीजाहांडी के साथ-साथ थाना निवास एवं थाना टिकरिया का बल अनुविभागीय अधिकारी पुलिस निवास सहित उपस्थित थे। तब दोनों आरोपियों को पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया जिसमें आरोपियों ने पुलिस पर भी हमला किया पुलिस द्वारा जबाबी कार्यवाही की गई। एक आरोपी संतोष सोनी मौके पर ही मारा गया एवं दूसरे भाई हरी एवं हरीश सोनी को पुलिस द्वारा पैर में गोली मारकर काबू किया गया। थाना बीजाडांडी ने मामले में विवेचना पूर्ण करके न्यायालय के समक्ष चालान प्रस्तुत किया प्रकरण को पुलिस अधीक्षक द्वारा चिन्हित एवं सनसनीखेज श्रेणी में रखा गया विचारण के दौरान न्यायालय में आई साक्ष्य एवं अभियोजन की ओर से प्रस्तुत तों पर विचार करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश ने प्रकरण के आरोपी हरी उर्फ हरीश सोनी को धारा 302 भादंवि में मृत्युदंड एवं 500.00 की दर से 6 काउंट कुल 3000.00 50 अर्थदंड, धारा 307 भादंवि में 5 काउंट आजीवन कारावास एक के बाद एक एवं 2500.00 रू अर्थदंड धारा 449 भादवि में 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 500.00 रु अर्थदंड, धारा 25(1-बी) आर्म्स एक्ट में 2 वर्ष कारावास एवं 1000.00 रु अर्थदंड कुल अर्थदंड 7000.00 रू से दंडित किया। मामले में शासन की ओर से अभियोजन संचालन, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी निवास श्रीमती उज्वला उईके द्वारा किया गया।

प्रकरण में विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी सुदर्शन टोप्पो, मर्ग जांब चौकी प्रभारी एसएस उसरावे ने की एवं इसके अतिरिक्त प्रकरण के विचारण के दौरान साक्षियों को संमस वारंट तामील कराते हुए समय पर उपस्थित उप निरीक्षक पंकज विश्वकर्मा एवं उप निरीक्षक शशाक शुक्ला मनेरी आरक्षक क्र 297 रोशनलाल सिंगरौरे द्वारा साक्षियों को समंस वारंट निकालने एवं अभियोजन कार्य में सहायक ग्रेड 3 नंद किशोर साहू का सहयोग रहा।

थाना टिकरिया में शांति समिति बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

आगामी त्यौहारों को लेकर थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक गुरुवार दोपहर आयोजित की गई जिसमें बैठक में बताया गया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने आगामी त्योहारों जैसे होली, रंगपंचमी, ईद व रामनवमी मार्च माह में होने से इन अवसरों पर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखे सभी त्यौहार में सौहार्दपूर्ण व आपसी भाई चारे के साथ मनाए सभी की भावनाओं का सम्मान करे एवं त्यौहार मनाते समय किसी की भावनाओं को ठेस ना पहुंचे इसका विशेष ध्यान रखा जाए थाना प्रभारी प्रदीप पांडेय एवं तहसीलदार द्वारा कहा गया कि डीजे के उपयोग पर विशेष सावधानी बरती जाए इससे होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार कार्य करे उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी मिलकर कार्य करें। इसी के साथ ही उन्होंने बैठक में आए समिति के सदस्यों द्वारा बताई गई समस्याओं व सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना व संबंधी कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मागन लाल सोनी,रतन ठाकुर, अविनाश शर्मा,दीपक सोनी,गया चक्रवती, सुरेंद्र सोनी, सूरज सोनी, राजेश सोनी,बेनीलाल सिगरौरे, गुडुआ भाईजान, सरपंच सचिव एवं पुलिसकर्मी एसआई नारायण तराम, अभिषेक मिश्रा, एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पटवारियों का उग्र तेवर, सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिला अनूपपुर में पदस्थ पटवारियों के साथ कथित अन्यायपूर्ण व्यवहार एवं शासन स्तर पर लंबित समस्याओं के निराकरण को लेकर मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने कड़ा रुख अपनाया है। पटवारी संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो 25 एवं 26 फरवरी को प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे तथा 27 फरवरी से चरणबद्ध आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष गीतेंद्र गीतू बैरागी ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कई गंभीर मुद्दे उठाए हैं। जिलाध्यक्ष गीतेंद्र गीतू बैरागी ने कहा कि प्रदेशभर के पटवारी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। राजस्व अभिलेखों का संधारण, गिरदावरी, नामांतरण, सीमांकन, फसल क्षति प्रतिवेदन, आपदा राहत संबंधी रिपोर्ट, किसान पंजीयन सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य पटवारियों के माध्यम से ही संपादित होते हैं। इसके बावजूद उनकी मूलभूत समस्याओं पर शासन स्तर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों से शासन द्वारा सर्वेयर के माध्यम से गिरदावरी कार्य कराए जाने की व्यवस्था लागू की गई है, किंतु सर्वेयरों को समय पर मानदेय भुगतान नहीं होने के कारण वे कार्य नहीं कर रहे। परिणामस्वरूप हजारों खसरों की गिरदावरी का भार अकेले पटवारियों पर आ गया है। पटवारी संघ ने मांग की है कि खसरा आधारित जियोटैग व्यवस्था को हटाकर पूर्ववत ग्राम स्तर पर गिरदावरी कराई जाए जिससे कार्य सुगमता और पारदर्शिता से संपन्न हो सके। पटवारी संघ ने फार्मर आईडी निर्माण प्रक्रिया में आ रही तकनीकी विसंगतियों को भी प्रमुख मुद्दा बताया है। संघ के अनुसार पोर्टल पर बार-बार त्रुटियां आना, सहखातेदारों का अन्यत्र निवास, आधार कार्ड से मोबाइल नंबर लिंक न होना, ओटीपी न आना, पेंडिंग खसरे जैसी समस्याओं के कारण कार्य बाधित हो रहा है।

होली त्यौहार को लेकर बैठक

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

बिछिया थाना में आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए शांति समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे बैठक के दौरान उपस्थित जनों को होली का पर्व शांति सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने अपील की गई। सभी समुदायों से एक दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने, जबरन रंग न लगाने, डीजे लाउड स्पीकर का प्रयोग न करने, नशे की हालत में हुड़दंग न करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने हेतु समझाइश दी गई इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्ति जनक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री प्रसारित न करने की हिदायत दी गई आम नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें। बैठक में शंकर सिंह मरावी तहसीलदार बिछिया निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम थाना प्रभारी बिछिया मनोज निगम कार्यालय प्रभारी एवं योजना सहायक नगर परिषद बिछिया, थाना बिछिया का पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

हेल्पलाइन की समीक्षा आज

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिला स्तर पर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक जिला योजना भवन में 27 फरवरी को शाम 4 बजे आयोजित किया जायेगा। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने संबंधित अधिकारियों को बैठक में निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। सभी अधिकारी विभागवार लंबित शिकायतों की अद्यतन स्थिति के साथ उपस्थित हों, शिकायतों के निराकरण की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

योजनाओं के लाभ में पशुपालन ने बनाया प्रथम स्थान

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग उपसंचालक यूएस तिवारी ने बताया कि संकल्प से समाधान के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाने आवेदन किसानों के द्वारा किए गए थे। जिसमें 1047 आवेदन दर्ज किए गए थे इनमें से 898 आवेदन स्वीकृत किए गए। 12 आवेदन अस्वीकृत किए गए वहीं 910 आवेदन निराकृत किए जा चुकें हैं। जिस पर मप्र में प्रथम पांच जिलों में मंडला ने अपना स्थान बना लिया है। वहीं संकल्प से समाधान पर दर्ज कुल आवेदन 1182 में 985 स्वीकृत करते हुए 12 अस्वीकृत किए गए हैं। जिसमें से 997 निराकृत किए जा चुकें हैं। कुल लंबित प्रकरण 185 हैं। जिसमें मप्र में प्रथम पांच जिलों में स्थान बनाया गया है। वही सीएम हेल्प लाईन में प्राप्त शिकायतों के उत्कृष्ट निराकरण पर कलेक्टर मंडला के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। वहीं प्रदेश में श्वेत क्रांति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जिले में क्षीरधारा ग्राम योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा इस योजना के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है इस संबंध में कलेक्टर द्वारा क्षीर धारा ग्राम योजना के संबंध में जिला योजना भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उनके द्वारा उन्नत किस्म की पशु नस्लों को बढ़ावा देना, बेहतर चिकित्सा सुविधाएं और टीकाकरण, पशुओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले चारे और आहार की व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका कोलेबोरेटिव मॉडल है। योजना को सफल बनाने के लिए चार प्रमुख वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग मिलकर काम करेंगे। माना जा रहा है कि विभागों के इस समन्वय से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पशुपालन एक स्थायी व्यवसाय के रूप में विकसित होगा। प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन से प्राप्त निर्देशों के बाद जिले के 73 गांवों को प्रथम चरण के लिए चुन लिया गया है। 25 फरवरी से ही विभागीय अमले द्वारा इन गांवों में आधारभूत सर्वे का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह सर्वे रिपोर्ट ही आगे की कार्ययोजना का आधार बनेगी। इस योजना के माध्यम से हमारा लक्ष्य न केवल दूध का उत्पादन बढ़ाना है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि लाना है।

बस ऑपरेटर्स की हड़ताल 2 मार्च से

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के सागर जिले में प्रदेश भर के बस ऑपरेटर्स और संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सरकार द्वारा स्टेज कैरिज बसों के संचालन को लेकर लाई जा रही नई परिवहन नीति पर विस्तार से चर्चा हुई। विचार विमर्श के बाद ऑपरेटर्स ने इसे दमनकारी नीति बताते हुए विरोध का ऐलान किया इसी तारतम्य में बस ऑपरेटर्स एसोसि एशन द्वारा 22 फरवरी को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है यह ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री के नाम प्रेषित किया गया एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो 2 मार्च की रात से पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

शिविर आज

मण्डला। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत 27 फरवरी को मवई जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत मेढ़ा, जनपद पंचायत घुघरी के ग्राम पंचायत पाटन में शिविर लगाया जायेगा। वहीं आज मवई जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत मेढ़ा, जनपद पंचायत घुघरी के ग्राम पंचायत पाटन में शिविर लगाया जायेगा।

उत्कृष्ट कार्य पर प्रशस्ति पत्र

मण्डला। सीएम हेल्पलाइन के जनवरी माह के प्रकरणों के संतोषजनक एवं प्रभावी निराकरण के लिए कलेक्टर द्वारा कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के प्रबंधक एसके डेकाटे को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री डेकाटे ने 94.78 वेटेज स्कोर प्राप्त कर जिले में उत्कृष्ट कार्य का उदाहरण प्रस्तुत किया।

वेलफेयर ने स्कूली बच्चों को बांटे बैग

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

लाइट ऑफ हयूमन वेलफेयर सोसायटी जबलपुर द्वारा नवीन प्राथमिक शाला लोधीटोला एवं आंगनबाड़ी केंद्र शांति नगर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्कूली बैग एवं स्नैक्स का वितरण किया गया इस अवसर पर बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत बिंझिया की सरपंच श्रीमती इंद्रा मरावी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ संस्था के संतोष कुमार परस्ते एवं गोपाल सिंह ठाकुर द्वारा सर्वप्रथम सरपंच, पंच श्रीमती भामा बाई जंघेला, शाला प्राचार्या श्रीमती सरिता पांडे एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती

कांति ठाकुर को ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के दौरान संस्था के उद्देश्यों एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी भी उपस्थितजनों को दी गई इस अवसर पर पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका ठाकुर, आंगन बाड़ी सहायिका श्रीमति गंगोत्री ठाकुर, आलोक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी बालसिंह ठाकुर, शारदा बर्मन, अनुसुइया ठाकुर, श्रीमति दीपा ठाकुर, सीमा बैरागी, सुशीला बैरागी, आनंद सिंह ठाकुर, प्रिंस, कु. खुशी ठाकुर एवं शिक्षकगण, पालकगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

घर-घर जाकर होगा सर्वे

मण्डला (स्वतंत्र मत)। प्रगणक एवं पर्यवेक्षक घर-घर जाकर शासन द्वारा अधिसूचित प्रश्नावली के अनुसार जानकारी एकत्र करेंगे इसमें आवास की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं धारित परिसंपत्तियां एवं अन्य आवश्यक विवरण शामिल होंगे एचएलओ के अंतर्गत केवल सामान्य परिवार एवं संस्थागत परिवारों को शामिल किया जाएगा प्रत्येक भवन एवं जनगणना मकान को क्रमवार नंबर प्रदान किया जाएगा जिला जनगणना प्रशिक्षण प्रभारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनगणना कार्य को पूर्ण गंभीरता, गोपनीयता एवं समन्वय के साथ संपन्न करें सतत् मॉनिटरिंग एवं नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्य समय-सीमा में पूरा हो सके।

एसडीएम की अध्यक्षता में बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मोहगांव थाना प्रांगण में होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर शांति समिति की बैठक आहूत की गई उक्त बैठक नवागत एसडीएम घुघरी सचिन जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न की गई जानकारी देते हुए थाना प्रभारी वेदराम हनोते ने बताया कि आगामी दिनों में सम्पन्न होने वाले होली त्यौहार को शांतिपूर्ण वातावरण में आपसी सौहार्द से मनाए जाने शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित एसडीएम घुघरी द्वारा उपस्थित सभी गणमान्य नागरिक गणों को उचित समझाईश देते हुए राजस्व एवं पुलिस विभाग को दिशा निर्देश दिये गए। साउंड सिस्टम एवं परीक्षार्थियों को किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न न हो इसका भी स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक विशेष ध्यान रखें। इस दौरान तहसीलदार घुघरी प्रवेश सिंह, वरिष्ठ नागरिक देवेश दुबे, नन्दकिशोर दुबे, फारुख मलिक, हसीब खान, अशोक अग्रवाल, ओम झारिया, सम्भु कछवाहा, बुधराम मार्को, रक्षा अग्रवाल, शेल कुमार नंदा, तब्बू खान, मनोज बैरागी, रमन यादव गणमान्य नागरिक एवं पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

संयुक्त कार्यवाही से मचा हड़कंप

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध परिवहन और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक स्तर पर कार्यवाही शुरू कर दी है। जिला प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा की गई संयुक्त कार्यवाही से जिले के ट्रैक्टर चालकों में हड़कंप की स्थिति बन गई जानकारी के अनुसार प्रशासनिक टीम ने मुख्य मार्गों पर अचानक सघन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान एक दर्जन से अधिक ट्रैक्टरों को पकड़ा गया जांच के दौरान कई चालक वाहन छोड़कर मौके से भागते नजर आए जबकि कुछ चालक आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहे अधिकारियों ने बिना वैध दस्तावेज, फिटनेस प्रमाण पत्र, पंजीयन एवं परमिट के संचालन कर रहे वाहनों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही की जब्त किए गए सभी ट्रैक्टरों को सुरक्षा की दृष्टि से महाराजपुर थाने में खड़ा कराया गया है अधिकारियों के अनुसार यह कार्यवाही केवल अवैध रेत गिट्टी या अन्य सामग्री के परिवहन तक सीमित नहीं है बल्कि वाहनों की तकनीकी फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र और ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता की भी गहन जांच की जा रही है जिला परिवहन अधिकारी विमलेश गुप्ता ने बताया कि जिन ट्रैक्टरों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए हैं उन पर नियमानुसार भारी जुर्माना लगाया जा रहा है।

रैली निकाली किया घेराव सौंपा ज्ञापन

मण्डला/अंजनिया (स्वतंत्र मत)। शैक्षणिक अव्यवस्थाओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंजनिया इकाई ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय का घेराव कर प्रतीकात्मक रूप से ताला जड़ा और कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई मांग की। परिषद ने महाविद्यालय भवन निर्माण में हो रही देरी सीएम राइज विद्यालय में कथित अनियमितताओं तथा मूलभूत सुविधाओं के अभाव को प्रमुख मुद्दा बताया। ज्ञापन में कहा गया कि अंजनियां महाविद्यालय की नई बिल्डिंग लंबे समय से अधूरी पड़ी है जिससे छात्र-छात्राओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। परिषद ने मांग की कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर भवन महाविद्यालय प्रशासन को हस्तांतरित किया जाए प्रदर्शन के दौरान निर्माण ठेकेदार भी मौजूद रहा। जिसने अप्रैल माह तक भवन हैंडओवर करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही परिषद ने अंजनियां स्थित सीएम राइज विद्यालय भवन निर्माण में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई। ज्ञापन में निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई तथा गुणवत्ता परीक्षण से जुड़े इंजीनियरों एवं तकनीकी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने मांग की गई है। परिषद का आरोप है कि अधूरे निर्माण के दौरान ही दीवारों में दरारें आना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है नवीन महाविद्यालय से सड़क की मांग-नवीन महाविद्यालय से मुख्य सड़क तक डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण, परिसर में बाउंड्री वॉल एवं सांस्कृतिक मंच निर्माण, निजी शैक्षणिक संस्थानों में फायर एनओसी की जांच तथा अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों पर कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

एसपी ने किया जेल का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के नेतृत्व में पुलिस द्वारा जिला जेल का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल अलार्म अथवा किसी आपात कालीन स्थिति में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की तैयारियों एवं समन्वय व्यवस्था का परीक्षण करना था इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित कराया गया कि अलार्म की स्थिति में पुलिस बल की त्वरित प्रतिक्रिया अधिकारियों की जिम्मेदारी एवं कार्यवाही का क्रम पूर्व निर्धारित एवं प्रभावी रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्र सेविका समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर महाराजपुर संगम में लगाया गया यह कार्यक्रम राष्ट्र सेविका समिति की द्वितीय प्रमुख संचालिका वंदनीय सरस्वती ताई आप्टे के जन्मदिवस की उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह के अंतर्गत किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शिखा राय सामाजिक कार्यकर्ता रही। कार्यक्रम में मुख्यत: डॉ हर्ष कर्महे, डॉ हेमेंद्र चौहान, डॉ पारुल साहू, डॉ देवेंद्र शर्मा, डॉ समीर साहू, अनुराधा यादव तथा उपासना सिंगौर की उपस्थिति रही भारत माता के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया आरोग्यम शिविर में सेवा बस्ती में दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक लोगो ने प्राथमिक उपचार करवाया और उन्हें चिकित्सकों द्वारा उपयोगी दवाईयां उपलब्ध कराई गई इस शिविर में चिकित्सकों द्वारा वजन मशीन, ब्लड प्रेशर मशीन, शुगर टेस्ट, एचआईवी टेस्ट, एचबी टेस्ट, लंबाई, हड्डियों की जांच आदि प्राथमिक उपचार कराया गया विशेष रूप से स्वयं साईं सिद्ध पैरामेडिकल की छात्रा द्वारा शिविर में चिकित्सकों का पूर्ण समय सहयोग प्राप्त हुआ।

होली पर शुष्क दिवस

मण्डला (स्वतंत्रमत)। होली पर्व के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शुष्क दिवस घोषित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार होली 4 मार्च के दिन जिले की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानें पूर्णत: बंद रहेंगी कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

कानून से आगे अपराध!

मध्यप्रदेश में पिछले एक साल में जिस तरह कथित 'लव जिहाद' के मामलों की परतें खुल रही हैं, उसने कानून-व्यवस्था, समाज और सियासत तीनों को एक साथ कटघरे में खड़ा कर दिया है। प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें पुलिस ने दो सगी बहनों समेत उनके एक साथी को गिरफ्तार किया है और इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने दो युवतियों को नौकरी का झांसा देकर पहले अपने करीब रखा और उसके बाद लग्जरी लाइफस्टाइल दिखाकर पहले तो उन्हें लड़कों के सामने परोसा और बाद में धर्मांतरण का दबाव बनाया।

हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं जहां हिंदू युवतियों को पहले बरगलाया गया और फिर उनके जिस्म के साथ खेलकर बाद में उन पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया गया। राजधानी भोपाल से लेकर इंदौर, सागर, छतरपुर और रायसेन तक सामने आए मामलों में एक जैसा पैटर्न दिख रहा है पहले दोस्ती, फिर प्रेमजाल, फिर यौन शोषण, वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए ब्लैकमेल और उसके बाद धर्म परिवर्तन का दबाव। कई मामलों में संगठित गिरोह, रिश्तेदारों की संलिप्तता और आर्थिक रूप से कमजोर या अकेली महिलाओं को निशाना बनाए जाने के आरोप हैं।

मध्यप्रदेश में 2021 में धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम लागू किया गया था, जिसमें दोष सिद्ध होने पर 10 साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। इसके बावजूद साल 2021 से लेकर जनवरी 2025 तक इस तरह के 300 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। इंदौर और भोपाल जैसे शहरों में पुलिस जांच के दौरान संगठित गिरोहों और विदेशी फंडिंग के संदेह भी सामने आए हैं, जो कथित तौर पर हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने के लिए लड़कों को लालच देते हैं। कई घटनाओं में यह देखा गया है कि आरोपी पहले आपत्तिजनक वीडियो या फोटो बनाते हैं और फिर उनका उपयोग पीड़िता को ब्लैकमेल करने और निकाह या धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने में करते हैं। कई बार पीड़िता सामाजिक छवि और परिवार की इज्जत के नाम पर उनकी आपबीती को दुनिया के सामने नहीं लाती। इंदौर और भोपाल जैसे बड़े शहरों में राज्य के कुल मामलों के लगभग 40 प्रतिशत मामले दर्ज हैं। शिक्षा या नौकरी के लिए घर से दूर रह रही युवतियों को अक्सर 'सॉफ्ट टारगेट' के रूप में देखा जाता है। भोपाल और इंदौर से सामने आए कई मामलों में पीड़ित लड़कियां छोटे शहरों, कस्बों और गांव से बड़े शहरों में पढ़ने या नौकरी के लिए आई थीं। मध्यप्रदेश में लगातार सामने आते मामलों पर भाजपा नेता ही अपनी सरकार पर कड़ी प्रतिक्रिया देने लगे है। भोपाल से विधायक रामेश्वर शर्मा का कहना है कि लव जिहाद के जरिए बेटियों को ब्लैकमेल करना एक गंभीर अपराध है और ऐसे लोगों की जगह सिर्फ जेल में हैं। ऐसे अपराधियों को विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत जेल भेजा जाना चाहिए और उन्हें आसानी से जमानत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता पड़े तो ऐसे मामलों में और कठोर कानून बनाए जाएं तथा गंभीर अपराध साबित होने पर फांसी जैसी सख्त सजा पर भी विचार किया जाए। वहीं बीजेपी विधायक उषा ठाकुर भी कहती हैं कि इस तरह का कृत्य करने वाले आरोपियों के हाथ काट लेना चाहिए या आंखें निकाल लेनी चाहिए। कुल मिलाकर लगातार सामने आ रहे मामलों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कानून का डर पर्याप्त नहीं है, या फिर जांच और अभियोजन की प्रक्रिया में कहीं कमजोरी है?

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा।

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक

है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मन:स्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

केरला से केरलम् तक का सफर

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

स्वतन्त्र भारत में स्थानों का नाम बदलने की एक खासी परंपरा और ताजा इतिहास रहा है जिसकी वजह मूल रूप से यह रही है कि भारत के लगभग एक हजार वर्ष लम्बे समय तक परतन्त्र रहने के कारण यहां विदेशी शासन की छाप रही। इसमें से यदि हम मुस्लिम आक्रान्ताओं के दौर-ए-हुकूमत को छोड़ भी दें तो अंग्रेजों के दो सौ वर्ष के शासन के दौरान इस देश के प्रमुख सांस्कृतिक व मूल ऐतिहासिक स्थानों के नाम उनकी अपनी सुविधानुसार बदले गये। आजादी मिलने पर हमने इस तरफ ध्यान तो दिया मगर कुछ ऐसे स्थानों को छोड़ दिया जिनका सम्बन्ध भारत की आधारभूत सांस्कृतिक विविधता के उन अवयवों से जुड़ता था जिसकी वजह से यह देश विभिन्न संस्कृतियों का समागम स्थल बना था।

इस सिलसिले में पहली आवाज दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु से उठी थी और आन्ध्र प्रदेश का गठन हुआ था। उसके बाद उत्कल से जहां उड़ीसा का गठन हुआ और 1967 तक 1956 में राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद नाम बदले पर विराम लगा रहा परन्तु स्वतन्त्र भारत में आज के तमिलनाडु राज्य को 1967 तक 'मद्रास' के नाम से जाना जाता था परन्तु इस वर्ष हुए आम चुनावों में राज्य विधानसभा में पहली बार क्षेत्रीय पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम को अपार सफलता मिली और इसकी सरकार बनी जिसकी कमान स्व. सी. अन्नादुरै के हाथ में थी। उन्होंने अपने राज्य का नाम मद्रास से बदल कर तमिलनाडु करने का प्रस्ताव विधानसभा में पारित कराया जिसे तत्कालीन केन्द्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान दी। तमिलनाडु के बाद 70 के दशक में दक्षिण के ही एक अन्य राज्य वर्तमान में कर्नाटक का नाम 'मैसूर' से बदल कर कर्नाटक किया गया। यह कार्य कांग्रेस पार्टी के ही नेता रहे स्व. देवराज अर्स ने किया। उहोंने क्षेत्रीय सांस्कृतिक अस्मिता के मुद्दे पर अपने राज्य का नाम बदला। केन्द्र की तत्कालीन सरकारों ने राज्य के लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अपनी ओर से स्वीकृति देने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। इसके बाद जब 2000 में केन्द्र में वाजपेयी सरकार ने तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व बिहार का विभाजन किया तो तीन नये राज्यों क्रमश:उत्तरांचल, छत्तीसगढ़ व झारखण्ड का उदय हुआ। मगर 2007 में उत्तरांचल के लोगों की इच्छा को देखते हुए इस राज्य का नाम बदल कर उत्तराखंड किया गया। इसके बाद लगभग आठ वर्ष पहले ही उड़ीसा राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर ओडिशा किया गया। मगर इन प्रमुख राज्यों का नाम बदले जाने के साथ ही देश के प्रमुख महानगरों के नामों में भी परिवर्तन हुए हैं जैसे बम्बई का नाम बदल कर 1995 में मुम्बई किया गया और 2001 में कलकत्ता का नाम कोलकाता किया गया। इसके साथ ही तमिलनाडु की राजधानी मद्रास का नाम भी तमिल संस्कृति के प्रादुर्भाव को देखते हुए बदल कर चेन्नई कर दिया गया। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में भी कई शहरों के नाम बदले गये जिनमें सबसे प्रमुख नाम इलाहाबाद व फैजाबाद हैं। इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया और फैजाबाद का अयोध्या। इसी क्रम में आठ वर्ष पहले से प. बंगाल की ममता सरकार ने अपने राज्य का नाम बदल कर 'बांग्ला' किये जाने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास भेज रखा है। इसी सिलसिले में पहले 2023 में और फिर 2024 में केरला राज्य की वामपंथी सरकार ने विधानसभा से प्रस्ताव पारित करा कर केन्द्र सरकार के पास भेजा कि उनके प्रदेश का नाम 'केरलम्' कर दिया जाये। यह प्रस्ताव तभी से केन्द्र के विचाराधीन था जिसे अब मोदी सरकार ने अपनी सहमति देकर वापस राज्य विधानसभा की स्वीकृति के लिए भेज दिया है। इसके स्वीकार हो जाने पर संसद इस पर अपनी मुहर लगा कर इसे राष्ट्रपति की अनुमति के लिए भेज देगी और इसके बाद से केरला आधिकारिक रूप से 'केरलम्' कहलाया जाने लगेगा। भारत में स्वतन्त्रता के बाद राज्यों के पुनर्गठन का काम 1956 में किया गया था। इसके लिए तत्कालीन प. नेहरू की सरकार ने बाकायदा एक आयोग का गठन किया था जिसने यह पाया कि इस देश में राज्यों के गठन का आधार केवल भाषा ही हो सकती है। अत: एक जैसी भाषा का प्रयोग करने वाले क्षेत्रों का समागम करके 1 नवम्बर 1956 को 15 राज्यों का गठन किया गया। केरल राज्य भी इससे पहले त्रावनकोर, कोच्चि व मालाबार के इलाकों में विभाजित था हालांकि 1949 में कोच्चि व त्रावनकोर का समागम हो गया था परन्तु राज्य पुनर्गठन आयोग ने पाया कि इन तीनों ही क्षेत्रो में मलयालम भाषा बोली जाती है अत: इन तीनों को मिला कर उसने 'केरला' राज्य का गठन किया।

वास्तव में मलयालम भाषा में अलम् शब्द का अर्थ भू भाग से होता है। पूरे राज्य में नारियल के पेड़ों की अधिकता है अत: मलयाली भाषा के अनुसार नारियल के पेड़ों की धरती इसका तात्पर्य हुआ लेकिन नाम भी कभी अकारण नहीं बदले जाने चाहिए इनके पीछे भी वैज्ञानिक सोच का होना जरूरी होता है। यह विज्ञान उस क्षेत्र की अपनी संस्कृति और अस्मिता का होता है। इस मामले में अगर हम इलाहाबाद और फैजाबाद को लें तो हमें इन स्थानों की अस्मिता में भारतीयता की गहरी सांस्कृतिक पहचान का पता चलेगा जिनका सारगर्भित चरित्र हिन्दू संस्कृति में दर्शाया जाता है। इसी प्रकार केरला राज्य को अगर वहां की वामपंथी सरकार केरलम् कहलाना पसन्द करती है तो निश्चित रूप से वह भारत के उस सांस्कृतिक तत्व की महत्ता को स्वीकार करती है जिसके साथ इस क्षेत्र के लोगों का गहरा जुड़ाव स्वाभाविक तौर पर रहता है। इसी प्रकार जब 2001 में कलकत्ता का नाम बदल कर कोलकाता किया गया था तो वहां भी वामपंथी सरकार थी। इससे यही सिद्ध होता है कि अन्तत: वामपंथी सोच के नायकों को भी भारत की मूल सांस्कृतिक चेतना के आगे नतमस्तक होना पड़ रहा है लेकिन इसका सबसे बड़ा उदाहरण अगर कोई है तो वह 1947 में भारतीय भू भाग के दो भाग होने का है जिसमें एक हिस्से को पाकिस्तान कहा गया और दूसरे को भारत जबकि इससे पहले हिन्दोस्तान शब्द प्रचलित था। भारत इस देश की ऐतिहासिक सांस्कृतिक पहचान को ही दर्शाता था जिसका उल्लेख विभिन्न पुरातन शास्त्रों व साहित्य में मिलता है।

मिनिमलिज्म

संतोष उत्सुक ।

यह शब्द बोलने में अजीब सा है जिसका अर्थ है सादा जीवन व्यतीत करना, केवल ज़रूरी चीज़ों के साथ जीना, गैर ज़रूरी चीज़ों का दबाव हटाना। कम चीज़ों से ज्यादा ख़ुशी मिलती है, ज़िंदगी को अर्थ देती हैं, तनाव कम होता है, ध्यान केन्द्रित रहता है। यह बात आज के विकसित, सुविधावादी युग में सार्थक नहीं लगती। आजकल ऐसा करना तो क्या सोचना भी मुश्किल है। यह तो प्रवचन ही लगता है। अब तो सपने भी ऑनलाइन शापिंग के आते हैं, नए नए स्वाद लुभाते हैं।

कहते हैं ज़्यादा चीज़ें अव्यवस्था पैदा करती हैं। चीजों को अनुशासन में रखो, साफ़ सुथरी रखो। उनका नियमित प्रयोग करो। उनका बीमा करवाकर रखो। उनकी देखरेख की ज़िम्मेदारी आपस में बांट कर रखो तो कोई परेशानी नहीं होती। बेचारा बाज़ार दिन रात मेहनत करता है, मार्केटिंग के नए नए तरीके लाता है, नए महंगे चेहरों के साथ विज्ञापन बनवाता है। खूबसूरत मॉडल्स सामान ही सामान खरीदने के लिए उत्प्रेरित करते हैं । यह सब एक बार मिली ज़िंदगी में चीज़ें कम करने के लिए तो नहीं है। फिर प्रेरणा, लालच, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतियोगिता का क्या करें। सफल और धन दौलत वालों की मिसाल देकर समझाया जाता है उन्हें देखो कितने कम सामान या कपड़ों में जीवन बिताते हैं यानी एक ही रंग की सात टी शर्ट्स खरीद लो।

अरे यार, कुदरत से प्रेरित होकर इंसान ने ही इतने खूबसूरत रंग बनाए हैं। उन्हें कब पहनेंगे। कलाकारों, डिज़ाइनर्स और तकनीक ने आकर्षक कपड़े सजाए हैं। महिलाओं के लिए तो छोटे से छोटे, मंहगे से महंगे वस्त्र बनाए हैं उनका मज़ा कब लेंगे। अगला जन्म तो सिर्फ ख्याल है, असली ज़िंदगी तो सिर्फ एक बार ही मिलनी है। मान लो, अगला जन्म मिला, योनी बदली, गधे बने तो। वस्तुएं कम करने वाले कहते हैं कि इनसे प्राप्त होने वाली खुशी अस्थायी है। अनुभव, लम्बी व स्थाई खुशी देते हैं। शायद इन लोगों को पता नहीं कि जीवन में खुशियां कम हैं और दु:ख ज़्यादा। मकान, कार, सोना हासिल करने का अनुभव किस अनुभव से कम है। चौरासी किलोमीटर जाकर स्वादिष्ट खाने का अनुभव ही बरसों नहीं भूलता।

कम उपभोग करने वाली जीवन शैली के वकील कहते हैं कि कम चीज़ों वाले ज्यादा शांति और संतुष्टि महसूस करते हैं। घर साफ़ सुथरा शांत दिखता होता है। पूरा ध्यान आपसी रिश्तों पर जाता है। व्यक्ति भावनात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन ज़्यादा चीज़ों से घर भरा भरा लगता है, सकारात्मकता आती है कि मैं इतनी चीज़ों का स्वामी हूं। ज्यादा साफ़ सफाई भी तो एक तरह का संक्रमण फैलाती है । घर से बाहर का वातावरण और पर्यावरण तो कूड़ा कचरा पूर्ण ही है न। उन लोगों को क्यूं नहीं समझाया जाता जो नए नए आविष्कार करते रहते हैं। पिछले दिनों मेरी पत्नी सेब काटने की मशीन मंगाने की इच्छा जता रही थी, जिसे मैंने सामान कम करने की शुरुआत मानकर नहीं मंगाया। उनसे वायदा किया कि सेब भी मैं ही काट दिया करूंगा लेकिन बाज़ार में किन्नू और संतरों की भरमार होते ही नया जूसर खरीदना पड़ा क्यूंकि पुराना खराब था। जूसर में रस फलों का निकला, तेल मेरी जेब का और असली चीज़ जो सेहत के लिए लाभदायक होती है यानी फाइबर, कचरा पेटी में गया। शिक्षा यह मिली कि खूब चीज़ों का मैक्सिमम मज़ा लो।

भारत की वीरता एवं बलिदान के प्रतीक हैं : शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद

अरविंद रावल

देश की आज़ादी के लिए अपने हाथों से अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की आज 27 फरवरी को 95वीं पुण्यतिथि है। आज़ाद एक ऐसे दीवाने का नाम है, जिसकी अपने देश के प्रति दीवानगी के किस्से सुनकर ही हर मस्तक अपने आप नतमस्तक हो जाता है। आज के आधुनिक एआई के इस युग में जब पचास बरस के आदमी या नेता को युवा माना जाता है, आप कल्पना करें जब एक दस-बारह साल का अबोध बालक देश की आज़ादी के लिए सुदूर आदिवासी अंचल अभिजात्य झाबुआ-अलीराजपुर जिले के अपने जन्मस्थली भाबरा गाँव की गलियों में बचपन की मौज-मस्ती को छोड़कर भूख-प्यास की परवाह किए बिना अपनी भारत माता की आज़ादी के लिए निकल पड़ा, तो उसकी उम्र वर्तमान संदर्भ में क्या मानी जाएगी?

देश की आज़ादी का सर पर जुनून लिए निकले बालक आज़ाद ने 1921 में महात्मा गांधी द्वारा चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन में भाग लिया और अंग्रेज़ों के खिलाफ आजादी के दीवानों के साथ अपना सुर बुलंद करते हुए गिरफ्तार किए गए। जब अंग्रेज़ जज के सामने आज़ाद को पेश किया गया और जब जज ने नाम पूछा तो निडर होकर रौबदार आवाज में अपना नाम आज़ाद बताया, पिता का नाम स्वतंत्र बताया और अपना घर जेल बताया, तो जज साहब झल्ला गए और उन्होंने बालक आजाद के देशभक्ति के अदम्य साहस से घबराकर पंद्रह बेंत मारने की सजा सुनाई। अपनी सजा पर बालक आजाद मुस्कुराए और हर बेंत की मार के साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरे वातावरण में ओज भर दिया। इस घटना के बाद एक अदम्य साहसी क्रांतिकारी के रूप में आजाद का राष्ट्रीय पटल पर उदय हुआ और पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के विश्वस्त साथी बनकर भारत की आज़ादी का अलख जगाने में खुद को झोंक दिया। यहीं पर देश के लिए मर मिटने वाले आजादी के सारे दीवानों का मिलन हुआ।

सन 1920 से 30 का एक पूरा दशक ऐसा था जब देश में अंग्रेजी हुकूमत आजादी के इन जवानों के ख़ौफ़ से डरी-सहमी हुई थी । उस एक दशक में यदि भारत की आज़ादी के लिए सारे नेता एकमत हो जाते तो देश पच्चीस बरस पहले ही आज़ाद हो गया होता । अंग्रेज़ों से उन्हीं की भाषा में जवाब देने के लिए हथियारों और गोला-बारूद हेतु धन के लिए रामप्रसाद बिस्मिल की योजना के तहत सरकारी खजाना लूटने के लिए आजादी के दीवानों ने काकोरी कांड को अंजाम दिया। काकोरी कांड में सरकारी खजाना लूटने से अंग्रेज़ी हुकूमत बुरी तरह बौखला गई और देशभर में बिस्मिल और उनके साथियों की धरपकड़ तेज कर दी गई । इसे विडंबना कहें या फिर देश का दुर्भाग्य कि हज़ारों देशभक्त दीवानों को अंग्रेज़ी हुकूमत तो नहीं खोज पाई, लेकिन अपने ही लोगों की दगाबाज़ी के चलते अंग्रेज उन्हें फांसी के फंदे पर लटकाने में कामयाब हो गए।

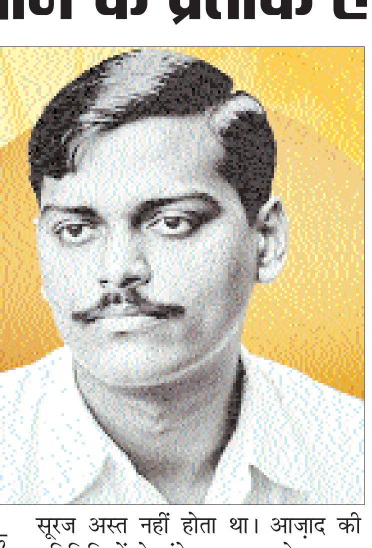

आज़ाद देश में जहाँ भी जाते, विश्वसनीय साथियों की ऐसी टीम तैयार कर लेते थे जो देश की आज़ादी के लिए मरनेमारने का जज़्बा रखती थी। साधन संसाधन विहीन होकर भी आज़ाद उस अंग्रेज़ी हुकूमत से टकराए, जिसका कभी सूरज अस्त नहीं होता था। आज़ाद की गतिविधियों से अंग्रेज़ हुकूमत को यह भय हो गया था कि एक अकेला आज़ाद भी उनकी हुकूमत के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। इसलिए देशभर में आज़ाद की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछा दिया गया और लोगों को सूचना देने पर प्रलोभन की घोषणा की गई। आज़ाद की खोज में उनकी जन्मस्थली भाबरा से लेकर आजादी के दीवानों के हर ठिकाने पर दबिश दी गई, लेकिन आज़ाद कहीं नहीं मिले। आज़ाद हमेशा यह पंक्ति गाया करते थे -दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आजाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे।

आज़ाद ने अंग्रेजी हुकूमत द्वारा जेलों में बंद भगत सिंह सहित सभी साथियों को छुड़वाने का बहुत प्रयास किया। आज़ाद चाहते थे कि देश के सारे बड़े नेता एक बार उनका साथ देकर आज़ादी की लड़ाई में शामिल हों, लेकिन आजादी के इन नौजवान दीवानों की भला किसी ने नहीं सुनी। 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद, अर्थात वर्तमान प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में भी आज़ाद अपने साथियों की रिहाई की योजना को लेकर आए थे और एक पेड़ के नीचे खड़े होकर अपने कुछ साथियों का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन अपने ही एक साथी की दगाबाज़ी के चलते आज़ाद अंग्रेज़ सिपाहियों से घिर चुके थे। चारों ओर से घिरने के बाद भी आजाद आखिरी गोली शेष बचने तक लड़ते रहे और अंतिम गोली कनपटी में स्वयं मारकर आत्मबलिदान कर लिया।

आज़ादी के इस दीवाने ने अपने रक्त से अपनी मातृभूमि की आज़ादी का अभिषेक कर दिया था। महज़ पच्चीस वर्ष की आयु में चन्द्रशेखर आज़ाद अमर शहीदों की कतार में शामिल हो गए। आजाद की शहादत के बाद देशभर में अंग्रेज़ों के प्रति विद्रोह की भावना पनपने लगी और अंग्रेजी दबदबे को बनाए रखने के लिए आजाद के बलिदान के कुछ ही दिनों बाद चुपचाप भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भी फांसी दे दी गई। इस प्रकार आजादी के दीवानों ने देश के लिए मुस्कराते हुए मौत को चुन लिया, लेकिन फिरंगियों और उनके लालच को नहीं चुना। देश की आज़ादी के बाद सरकार द्वारा हर बरस शहीदों की चिताओं पर मेले लगाने का दावा किया गया था, लेकिन शनै: शनै: शहीदों के नाम पर लगने वाले मेले राजनीतिक दलों या नेताओं के शक्ति-प्रदर्शन के मंच बन गए। अब शहीदों की चिताओं पर महज रस्म अदायगी भर का आयोजन होता है, शेष सब राजनीति का बखान होता है ।

दु:ख इस बात का है कि देश का जनमानस भी आधुनिकता की इस चकाचौंध में आजाद जैसे अमर बलिदानियों को भूलता जा रहा है। अफ़सोस तो यह है कि देश की नई पीढ़ी के लिए आजादी के मायने वर्ष में दो दिन अपने स्टेटस सजाने से अधिक कुछ नहीं रह गए हैं। दुनिया घूमने का दावा करने वाली आधुनिक पीढ़ी ने आजादी के दीवानों की जन्मस्थली को देखने और प्रणाम करने की भी नहीं सोची, तो देशभक्ति उनके जेहन में कैसे जागेगी ?

आज एआई के युग में देश के जनमानस को दुनिया-जहाँ का ज्ञान है, लेकिन उसकी नव पीढ़ी के अधिकांश लोगों को जिस आज़ादी को वे जी रहे हैं, उसके लिए जीवन उत्सर्ग कर देने वाले आधा दर्जन अमर शूरवीरों के नाम तक स्मरण नहीं हैं। देश की आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति उसके कर्तव्यबोध का ज्ञान करवाना है तो आजादी और उसके दीवानों के बलिदान से अवगत करवाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को चाहिए कि देश की आधुनिक पीढ़ी में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की तरह राष्ट्र के प्रति जज्बा बनाए रखने हेतु अमर बलिदानियों के जीवनचरित्र को शिक्षा का मूल भाग बनाया जाए और आजादी के अमर शहीदों की चिताओं पर ईमानदारी से, निस्वार्थ राष्ट्रभावना के साथ हर वर्ष मेले सजाए जाएँ। तभी हम आज़ाद की तरह राम सा शौर्य और शंकर सा लोक कल्याण का भाव देश की नई पीढ़ी में देख सकेंगे।

8 महीनों में 670 एनकाउंटर, 900 से अधिक मौतें, क्राइम कंट्रोल के नाम पर पाकिस्तान में चल क्या रहा है?

नई दिल्ली

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एचआरसीपी की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस मुठभेड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। यहां 8 महीने में 900 से अधिक संदिग्ध मारे गए। इस दौरान दो पुलिसकर्मी भी मारे गए।

ह्यूमन राइट्स कमीशन ऑफ पाकिस्तान की रिपोर्ट ने पाकिस्तान के पंजाब में क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट की मुठभेड़ आधारित कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

दरअसल, एचआरसीपी की रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान की पंजाब पुलिस यूनिट, क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट, जिसे ऑर्गेनाइज्ड क्राइम से निपटने के लिए बनाया गया था। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने फरवरी 2025 में सीसीडी को मंजूरी दी थी।

अप्रैल 2025 से विभाग ने औपचारिक रूप से काम शुरू किया। गठन के तुरंत बाद प्रदेश में पुलिस मुठभेड़ों की संख्या में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। एचआरसीपी की रिपोर्ट के

अनुसार, पाकिस्तान के पंजाब में क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट द्वारा की गई 8 महीनों में 670 मुठभेड़ों में 924 मौतें हुई हैं। इस दौरान 2 पुलिसकर्मी भी मारे गए और 36 घायल हुए। सीसीडी के गठन के बाद मुठभेड़ में हुई वृद्धि पर एचआरसीपी ने चिंता जाहिर की है और इसे 'सांख्यिकीय रूप से असामान्य' बताते हुए स्वतंत्र जांच की आवश्यकता पर जोर दिया है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा मुठभेड़ डकैती के आरोपितों के खिलाफ दर्ज हुईं। इसके बाद लूट, हत्या और नारकोटिक्स से जुड़े मामलों मुठभेड़ हुई। हत्याओं की सबसे अधिक संख्या लाहौर में हुई, जहां 139 मुठभेड़ें हुईं, उसके बाद फैसलाबाद में 55 और शेखूपुरा में 47 मुठभेड़ें हुईं।

एचआरसीपी की 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में पूरे साल के दौरान न पंजाब और सिंध में मिलाकर मुठभेड़ों में मारे गए संदिग्धों की संख्या 341 दर्ज की गई थी। वहीं, सीसीडी के गठन के बाद एक ही प्रांत से आठ महीने से भी कम समय में इस संख्या को दोगुने से भी अधिक कर दिया।

दुनिया के सामने बेनकाब हुआ चीन, चैटजीपीटी को डायरी की तरह इस्तेमाल कर रहा था अधिकारी

नई दिल्ली

चीन का एक अधिकारी चैटजीपीटी को अपने पर्सनल डायरी की तरह इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन ये उसके लिए बुरा सपना बन गया। दरअसल चीनी अधिकारी अपने सारी खुफिया योजनाएं चैटजीपीटी चैट में सेव करता था।

बस यही एक गलत उसके पूरे खुफिया मिशन को बेनकाब कर गई। ओपनएआई ने अपनी नई रिपोर्ट में खुलासा किया कि ये अधिकारी चीनी विरोधियों को विदेश में डराने-धमकाने की बड़ी मुहिम चला रहा था।

चीनी अधिकारी ने अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारी बनकर लोगों की धमकियां दी, फर्जी कोर्ट दस्तावेज बनाई। ये सब कुछ उन्होंने चैटजीपीटी में लिखकर प्लान किया था।

ओपनएआई ने खुद इस अकाउंट को पहचानकर बैन कर दिया। कोई सीआईए या एमआई6 नहीं, बल्कि चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ने ये साजिश पकड़ी। अधिकारी ने चैटजीपीटी को रनिंग जर्नल की तरह इस्तेमाल किया। हर प्लान, हर कदम वहां नोट करते गए। इससे पता चला कि ये अभियान सिर्फ एक-दो लोगों का नहीं, बल्कि बहुत बड़ा था।

इस अभियान का मकसद था अमेरिका में रह रहे चीनी विरोधियों को चुप कराना। एक मामले

में उन्होंने किसी विरोधी को चेतावनी दी कि उसके सार्वजनिक बयान अमेरिकी कानून का उल्लंघन हैं। दूसरे मामले में अमेरिकी काउंटी कोर्ट के फर्जी दस्तावेज बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर दबाव डाला गया कि उस विरोधी का अकाउंट हटा दो।

ये काम सैकड़ों लोगों की टीम कर रही थी। हजारों फर्जी ऑनलाइन अकाउंट्स कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक साथ सक्रिय थे। ओपनएआई के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर बेन निम्मो ने कहा, ये आधुनिक चीनी ट्रांसनेशनल दमन है। ये सिर्फ डिजिटल ट्रोलिंग नहीं है। ये इंडस्ट्रियलाइज्ड है। सीसीपी के आलोचकों पर हर जगह, हर तरीके से हमला करने की कोशिश है। अभियान में चैटजीपीटी से ज्यादातर कंटेंट नहीं बनवाया गया। ये सिर्फ प्लानिंग और रिकॉर्ड रखने का काम कर रहा था। असली पोस्ट्स और मैटेरियल दूसरे सिस्टम्स से तैयार किए जाते थे। अधिकारी ने हर स्टेप डिटेल में लिखा था कि किसको टारगेट करना है, कैसे दबाव बनाना है, क्या रिजल्ट चाहिए।

फिर ओपनएआई ने सतर्क गतिविधि देखते ही अकाउंट बंद कर दिया। रिपोर्ट में साफ कहा गया कि ये यूजर चीनी कानून प्रवर्तन से जुड़ा था और वो विदेशी चीनी विरोधियों को निशाना बना रहा था। चीनी मिशन का एक हिस्सा और भी चौंकाने वाला था। अधिकारी ने चैटजीपीटी में एक चीनी विरोधी की फर्जी मौत का प्लान लिखा। उन्होंने झूठी ओबिचुअरी तैयार की और कब्र के फोटो भी बनवाए। ये सारी चीजें ऑनलाइन वायरल की गईं।

2023 में वॉयस ऑफ अमेरिका की चाइनीज सर्विस ने भी इसी विरोधी की मौत की अफवाहों की खबर दी थी। ओपनएआई की जांच में दोनों बातें मैच कर गईं। इससे साबित हो गया कि ये अफवाहें असली नहीं, बल्कि प्लान्ड थीं।

चीन के अधिकारियों की इस प्लानिंग से एक बात तो और पुख्ता हुई है कि पारंपरिक साइबर वॉरफेयर का जमाना बदल रहा है। अब एआई खुद हथियार बन गया है। अमेरिका और चीन सिर्फ कोड और भाषा मॉडल्स पर नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को हथियार बनाने की रेस में हैं।

ब्राज़ील में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हुई

रियो डी जनेरियो, (शिन्हुआ)। ब्राज़ील के दक्षिण-पूर्वी मिनास गेरैस राज्य में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गयी है, जबकि 21 लोग अभी भी लापता हैं। प्रशासन की ओर से बुधवार को आये नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज़्यादा प्रभावित शहर जुइज़ डे फोरा में 40 मौतें हुई हैं, जबकि पास की उबा नगरपालिका में छह मौतों की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि जुइज़ डे फोरा में 19 और उबा में दो लोग लापता हैं।

जुइज़ डे फोरा में लगभग 3,000 लोग और उबा में 26 लोग बेघर हो गये हैं, जबकि भूस्खलन और बाढ़ के खतरे के कारण क्रमशः 400 और 178 लोगों को निकाला गया है। जुइज़ डे फोरा और मटियास बारबोसा दोनों की नगरपालिका ने आपातकालीन सेवाओं में तेज़ी लाने के लिए सार्वजनिक आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। नगर निगम स्कूलों में कक्षाएं रोक दी गयी हैं। नदियां सोमवार दोपहर को तेज़ हुई भारी बारिश की वजह से उफान पर हैं, जिससे पुल और अंडरपास बंद हो गये हैं, साथ ही पेड़ गिर गए हैं और सड़कें जाम हो गयी हैं।

सिस्टम फेलियर या हथियारों का डर, दक्षिण अमेरिका कैसे बना ड्रग कार्टेल का गढ़

नई दिल्ली

दक्षिण अमेरिका वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा ड्रग उत्पादन केंद्र बन चुका है। कोलंबिया, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में सबसे अधिक मात्रा में ड्रग्स तैयार किए जाते हैं।

इन देशों से निकलने वाली ड्रग्स भारी मात्रा में अमेरिका और यूरोप के बाजारों तक पहुंचाई जाती हैं। यही वजह है कि पूरा क्षेत्र ड्रग कारोबार का सबसे अहम केंद्र के रूप में उभर आया है। दक्षिण अमेरिका की उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल मौसम कोका पौधे की खेती के लिए एकदम सही है। कोका की फसल से किसानों को बहुत कम समय में भरपूर कमाई हो जाती है। नतीजतन कई किसान वैध फसलों को छोड़कर ड्रग्स की खेती करने लगे। धीरे-धीरे यह पूरा इलाका ड्रग उत्पादन का प्रमुख क्षेत्र बन गया।

दक्षिण अमेरिका के कई देशों में प्रशासन और पुलिस व्यवस्था बेहद कमजोर है। भ्रष्टाचार की वजह से अपराधी आसानी से कानून की गिरफ्त से बाहर निकल जाते हैं। ड्रग कार्टेल पैसे और दबाव के बल पर पूरी व्यवस्था को अपने कंट्रोल में ले लेते हैं। इससे सरकारें कमजोर पड़ती जाती हैं और कार्टेल दिन-ब-दिन और मजबूत होते जाते हैं।

ड्रग कार्टेल हिंसा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाते हैं। हत्या, अपहरण और आतंक फैलाकर वे पूरे इलाकों पर कब्जा कर लेते हैं। डर के माहौल में स्थानीय लोग उनका विरोध करने का साहस ही नहीं जुटा पाते। इस तरह डर ही उनका सबसे प्रभावी और घातक हथियार बन जाता है।

इस क्षेत्र के प्रमुख ड्रग कार्टेलों में मेडेलिन कार्टेल (पाब्लो एस्कोबार), कैली कार्टेल (गिल्बर्टो और मिगुएल रोड्रिग्ज) और प्राइमेरो कमांडो दा कैपिटल (पीसीसी) मार्कोला शामिल हैं।

दक्षिण अमेरिका का यह ड्रग नेटवर्क वैश्विक स्तर पर खतरे की घंटी है। जहां एक ओर प्राकृतिक लाभ और कमजोर व्यवस्था ने इसे बढ़ावा दिया, वहीं हिंसा और भ्रष्टाचार ने इसे और मजबूत बना दिया।

एपस्टीन फाइल्स' से ध्यान भटकाने की साजिश है उनके खिलाफ झूठा मामला: अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी, (वार्ता)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ झूठा मामला उछालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित 'एपस्टीन फाइल्स' से ध्यान भटकाने की साजिश की जा रही है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि शंकराचार्य को बदनाम करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा जा रहा है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि आखिर यह सब क्यों किया जा रहा है और स्वयं ही उत्तर देते हुए कहा कि देश की जनता को 'शंकराचार्य विवाद' में उलझाकर दुनिया भर में चर्चा में रही 'एपस्टीन फाइल्स' से ध्यान हटाने का प्रयास किया जा रहा है।आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जांच रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने पर उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि किसी कथित हिस्ट्रीशीटर द्वारा पुलिस जांच रिपोर्ट साझा किया जाना गंभीर विषय है। उन्होंने सवाल किया कि क्या उत्तर प्रदेश पुलिस ने उन्हें अपना प्रवक्ता बना दिया है।

मठ परिसर में 'शीशमहल' होने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए शंकराचार्य ने कहा कि यदि परिसर में शीशे लगे हैं तो इससे पारदर्शिता ही बढ़ती है और कोई भी अंदर की स्थिति देख सकता है। उन्होंने कहा कि मठ में कुछ भी छिपा नहीं है और यदि सरकार के अधिकारी देखना चाहें तो कभी भी आ सकते हैं। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े विवाद और एक उपमुख्यमंत्री पर धरने के लिए उकसाने के आरोपों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वाले उन्हें कभी समाजवादी पार्टी तो कभी बहुजन समाज पार्टी से जोड़ते हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का नाम नहीं लेते। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में भाजपा के भीतर दो तरह की प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं और उन पर आरोप लगाने वाले लोग 'बुलडोजर भाजपा' की सोच का हिस्सा हैं।

रिएक्टिव' नहीं, बल्कि 'प्रोएक्टिव' नीति से मजबूत हुई उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था : योगी

जापान/ लखनऊ (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दूसरे दिन विगत नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की तीव्र औद्योगिक प्रगति और निवेश-अनुकूल नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने 'रिएक्टिव' नहीं, बल्कि 'प्रोएक्टिव' नीति दृष्टिकोण अपनाया है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति आय और अर्थव्यवस्था, दोनों को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर में, माननीय गवर्नर श्री कोटारो नागासाकी के साथ उत्तर प्रदेश-यामानाशी सहयोग को और मजबूत करने और हमारी बढ़ती स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक बातचीत हुई। योगी ने कहा कि इंडस्ट्री, टूरिज्म और वोकेशनल एजुकेशन में सहयोग को गहरा करने के लिए एक एमओयू साइन किया गया, जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन एनर्जी इनोवेशन और टेक्नोलॉजी एक्सचेंज पर खास ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एनर्जी में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सस्टेनेबल भविष्य के विजन को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी कानपुर को ग्रीन हाइड्रोजन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर सक्रिय रूप से विकसित कर रहा है। योगी ने कहा कि मैं अगस्त में उत्तर प्रदेश में 200 सीईओ के एक डेलीगेशन को लीड करने के माननीय गवर्नर के प्रस्ताव का स्वागत करता हूं, जिससे इंडस्ट्रियल पार्टनरशिप और इन्वेस्टमेंट की गति और तेज होगी। योगी ने कहा कि , मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्ट यूपी के डेडिकेटेड जापान डेस्क और यीडा में प्रस्तावित जापान इंडस्ट्रियल टाउनशिप के जरिए आसान सुविधा के साथ स्केल, स्किल और स्पीड देता है। यह समझौता यामानाशी में एक चमकदार और धूप वाले दिन साइन किया गया, जो इस दिशा में स्पष्टता और आत्मविश्वास का एक पॉजिटिव प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मैं यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर और सभी स्टेकहोल्डर्स का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने इस कोलेबोरेशन को गहरा करने में अपनी प्रोएक्टिव भूमिका निभाई, जो शेयर्ड इकोनॉमिक विज़न और सिविलाइज़ेशनल कनेक्ट पर आधारित है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जापान के यामानाशी प्रांत में आयोजित उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट रोड शो में सहभाग किया।

चांदनी चौक में एक साथ दिखती है इतिहास, विकास और परंपराएं : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि चांदनी चौक एक ऐतिहासिक परिसर है जहां देश का इतिहास, विकास, परंपराएं, संस्कृति समेत हर एक चीज एक साथ देखने को मिलती है। रेखा गुप्ता ने गुरुवार को यहां चांदनी चौक इलाके में बिजली भूतल वायरिंग परियोजना का उद्घाटन करने के बाद इस जगह को ऐतिहासिक बताया और कहा कि संस्कृति, विरासत, परंपरा सभी को एक ही जगह पर महसूस किया जा सकता है। पुरानी दिल्ली का क्षेत्र जहां की जड़ों में देश की परंपराएं, सुगंध और स्वाद तीनों एक साथ देखने को मिलती है इसलिए यहां का विकास सबसे महत्वपूर्ण है। यहां की सबसे बड़ी समस्या बेतरतीब लटकी हुई बिजली के तारों की थी जिसमें आये दिन हादसे होते थे। आज लगभग 160 करोड़ की लागत से चांदनी चौक की 28 सड़कों की बिजली की तारों को भूतल करने का काम शुरू किया गया है।

अब दुनिया में मचेगी तबाही! किम जोंग उन ने खा ली कसम

सोल। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन का व्यक्तित्व दुनिया के लिए एक अनसुलझी और खौफनाक पहेली की तरह है। उन्हें आधुनिक युग के सबसे निर्मम और क्रूर तानाशाहों में गिना जाता है, जिनका शासन भय और रक्तपात की नींव पर टिका है। किम जोंग उन के राज में उत्तर कोरिया एक ऐसी अंधेरी दुनिया बन चुका है, जहाँ मानवाधिकारों का कोई अस्तित्व नहीं है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी कि अगर उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु-संपन्न देश दक्षिण कोरिया को ''पूरी तरह से मिटा'' सकता है। उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक के समापन के दौरान उन्होंने अगले पांच वर्षों के लिए अपने नीतिगत लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वाशिंगटन से बातचीत के लिए अपने रास्ते खुले रखे। हाल के वर्षों में किम ने सियोल के प्रति अपनी बयानबाजी को और तीखा कर दिया है उसके साथ कूटनीति के प्रति अपनी अस्वीकृति पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सैन्य संघर्ष की आशंका नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाना है, जिसके तहत किम के परमाणु हथियारों और मॉस्को तथा बीजिंग के साथ संबंधों के बल पर उत्तर कोरिया की अधिक मजबूत और प्रभावशाली भूमिका स्थापित करना है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि किम ने अपनी परमाणु-संपन्न सेना को मजबूत करने के लिए नयी हथियार प्रणालियों को विकसित करने का भी आह्वान किया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मैं खुद को इसलिए स्टाइल करता हूं क्योंकि यह मुझे स्वाभाविक और मज़ेदार लगता है : गुलशन देवैया

अभिनेता गुलशन देवैया का कहना है कि वह खुद को इसलिए स्टाइल करते हैं क्योंकि यह उन्हें स्वाभाविक और मज़ेदार लगता है। अपनी बेहतरीन और सराही गई अदाकारी के अलावा, गुलशन देवैया इंडस्ट्री में एक अलग और मौलिक स्टाइल आइकन के रूप में उभरे हैं। फैशन के ज़रिए पर्सनल ब्रांडिंग का ट्रेंड शुरू होने से बहुत पहले ही वह अपनी अलग पहचान बना चुके थे। सिनेमा में 15 साल से ज़्यादा का सफर तय कर चुके गुलशन उन चुनिंदा अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने अपने करियर के ज़्यादातर समय खुद को खुद ही स्टाइल किया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से पढ़ाई करने वाले गुलशन फैशन जगत से गहराई से जुड़े रहे हैं और उन्होंने हमेशा ट्रेंड, लोगो या ब्रांड के दबाव के बजाय अपनी सोच और समझ पर भरोसा किया है। अपने अनोखे, हटकर और अलग फैशन चुनाव के लिए पहचाने जाने वाले गुलशन का स्टाइल बेहद निजी, सच्चा और उनकी शख्सियत को दर्शाने वाला है। वह इंडस्ट्री की उम्मीदों के हिसाब से नहीं, बल्कि अपनी पसंद के अनुसार कपड़े पहनते हैं। जहां ज़्यादातर कलाकार हर पब्लिक अपीयरेंस के लिए स्टाइलिस्ट की टीम पर निर्भर रहते हैं, वहीं गुलशन आज भी इस बात की पूरी ज़िम्मेदारी खुद लेते हैं कि वह कैसे दिखना चाहते हैं। वह अपनी फैशन की पढ़ाई और रचनात्मक आज़ादी को खूबसूरती से साथ लेकर चलते हैं। आज के दौर में जहां कलाकारों पर हर बार यादगार लुक देने का दबाव होता है, बदलते फैशन ट्रेंड्स के साथ कदम मिलाना पड़ता है और स्टाइलिंग पर भारी खर्च करना आम बात है, वहां गुलशन अलग नज़र आते हैं। फैशन की पढ़ाई ने उन्हें एक समझदार और गहरी सोच दी है, जहां दिखावे से ज़्यादा अभिव्यक्ति और शोर-शराबे से ज्यादा मौलिकता को महत्व दिया जाता है।

गजल गायिकी को नया आयाम दिया पंकज उधास ने

बॉलीवुड में पंकज उधास को ऐसे पार्श्वगायक के तौर पर याद किया जाता है, जिहोंने गजल गायिकी को नया आयाम दिया। पंकज उधास का जन्म 17 मई 1951 को गुजरात के राजकोट के निकट जेटपुर में जमींदार गुजराती परिवार में हुआ। उनके बड़े भाई मनहर उधास जाने माने है। घर में संगीत के माहौल से पंकाज उधास की भी रूचि संगीत की ओर हो गयी। महज सात वर्ष की उम्र से ही पंकज उधास गाना गाने लगे ।उनके इस शौक को उनके बड़े भाई मनहर उधास ने पहचान लिया और उन्हें इस राह पर चलने के लिये प्रेरित किया। मनहर उधास अक्सर संगीत से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लिया करते थे। उन्होंने पंकज उधास को भी अपने साथ शामिल कर लिया ।एक बार पकंज को एक संगीत कार्यक्रम में हिस्सा लेने का मौका मिला जहां उन्होंने .ए मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी (गीत गाया। इस गीत को सुनकर श्रोता भाव.विभोर हो उठे। उनमें से एक ने पंकज उधास को खुश होकर 51 रूपये दिये। इस बीच पंकज उधास राजकोट की संगीत नाट्य अकादमी से जुड़ गये और तबला बजाना सीखने लगे।

कुछ वर्ष के बाद पंकज उधास का परिवार बेहतर जिंदगी की तलाश में मुंबई आ गया । पंकज उधास ने अपनी स्नातक की पढ़ाई मुंबई के मशहूर सैंट जेवियर्स कॉलेज से हासिल की । इसके बाद उन्होंने स्नाकोत्तर पढ़ाई करने के लिये दाखिला ले लिया लेकिन बाद में उनकी रूचि संगीत की ओर हो गयी और उन्होंने उस्ताद नवरंग जी से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी ।पंकज उधास के सिने कैरियर की शुरूआत 1972 में प्रदर्शित फिल्म (कामना) से हुयी लेकिन कमजोर पटकथा और निर्देशन के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह असफल साबित हुयी। पंकज उधास ने इसके बाद गजल गायक बनने के उद्देश्य से उर्दू की तालीम हासिल करनी शुरू कर दी । वर्ष 1976 में पंकज उधास को कनाडा जाने का अवसर मिला और वह अपने एक मित्र के यहां टोरंटो में रहने लगे । उन्हीं दिनों अपने दोस्त के जन्मदिन के समारोह में पंकज उधास को गाने का अवसर मिला । उसी समारोह में टोरंटो रेडियो में हिंदी के कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले एक सज्जन भी मौजूद थे उन्होंने पंकज उधास की प्रतिभा को पहचान लिया और उन्हें टोरंटो रेडियो और दूरदर्शन में गाने का मौका दे दिया ।लगभग दस महीने तक टोरंटो रेडियो और दूरदर्शन में गाने के बाद पंकज उधास का मन इस काम से उब गया । इस बीच कैसेट कंपनी के मालिक मीरचंदानी से पंकज उधास की मुलाकात हुयी और उन्हें अपनी नई एलबम आहट में पार्श्वगायन का अवसर दिया। यह अलबम श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ । वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म नाम पंकज उधास के सिने कैरियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में एक है । यूं तो इस फिल्म के लगभग सभी गीत सुपरहिट साबित हुये लेकिन पंकज उधास की मखमली आवाज में चिट्ठी आई है वतन से चिटी आई है गीत..आज भी श्रोताओ की आंखो को नम कर देता है । इस फिल्म की सफलता के बाद पंकज उधास को कई फिल्मों में पार्श्ववगायन का अवसर मिला । इन फिल्मों में गंगा जमुना सरस्वती,बहार आने तक, थानेदार, साजन, दिल आशना है, फिर तेरी कहानी याद आई, ये दिल्लगी, मोहरा, मै खिलाड़ी तू अनाड़ी, मंझधार, घात, और ये है जलवा, प्रमुख है।पंकज उधास के गाये गीतों की संवदेनशीलता उनकी निजी जिन्दगी में भी दिखाई देती थी । वह एक सरल हृदय के संवदेशनशील इंसान भी है जो दूसरों के दुख.दर्द को अपना समझकर उसे दूर करने का प्रयास करते है । दूसरों के प्रति हमदर्दी और संवेदनशीलता की इस भावना को प्रदर्शित करने वाला एक वाकया है । एक बार मुंबई के नानावती अस्पताल से एक डाक्टर ने पंकज उधास को फोन किया कि एक व्यक्ति के गले के कैंसर का आपरेशन हुआ है और उसकी उनसे मिलने की तमन्ना है। इस बात को सुनकर पंकज उधास तुरंत उस शख्स से मिलने अस्पताल गए और न सिर्फ उसे गाना गाकर सुनाया बल्कि अपने गाये गाने का कैसेट भी दिया । बाद में पंकज उधास को जब इस बात का पता चला कि उसके गले का ऑपेरशन कामयाब रहा है और उसकी बीमारी धीरे-धीरे ठीक हो रही है तो पंकज उधास काफी खुश हुये ।

पंकज उधास को अपने करियर में मान सम्मान भी खूब मिला ।इनमें सर्वश्रेष्ठ गजल गायक .के.एल.सहगल अवार्ड ,रेडियो लोटस अवार्ड ,इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी अवार्ड,दादाभाई नौरोजी मिलेनियम अवार्ड और कलाकार अवार्ड जैसे कई पुरस्कार शामिल है । साथ ही गायकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुये उन्हें 2006 में पदमश्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया । पंकज उधास के अलबम के लिये पार्श्वगायन किया, इनमें नशा, हसरत, महक, घूंघट, नशा 2, अफसाना, आफरीन, नशीला, हमसफर, खूशबू और टुगेदर, प्रमुख है। गजल गायकी के जरिये दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाने वाले पंकज उधास 26 फरवरी 2024 को इस दुनिया को अलविदा कह गये।

बोमन ईरानी की फिल्म द मेहता बॉयज़ को स्पोकन फेस्ट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिले

जानेमाने चरित्र अभिनेता और फिल्मकार बोमन ईरानी के लिए वह पल सच में यादगार बन गया, जब उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म द मेहता बॉयज़ को स्पोकन फेस्ट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिले। दो दिन के फेस्टिवल स्पोकन फेस्ट में एक दिल छू लेने वाला नज़ारा तब बना, जब स्टेज पर होस्ट्स ने फिल्म का नाम लिया और करीब 5000 स्पोकन वर्ड प्रेमियों ने एक साथ जोरदार चीयर कर दिया ।बोमन खुद भी हैरान रह गए, और साफ दिख रहा था कि वो इस प्यार से गहराई तक भावुक हो गए हैं। बोमन ईरानी ने इस पल को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा कि यह लम्हा उन्हें ऐसी खुशी दे गया जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। 5000 लोगों ने एक साथ उनकी फिल्म द मेहता बॉयज़ का नाम सुना जो आवाज़ दी, वो किसी रॉक बैंड जैसी ट्रीटमेंट थी। वो स्टेज पर खड़े थे, पूरी तरह चौंके हुएज् और रोंगटे खड़े हो गए थे। स्पोकन फेस्ट में गूंजती तालियों की यह आवाज़ इस बात का सबूत है कि द मेहता बॉयज़ आज भी दर्शकों के दिलों से गहराई से जुड़ रही है। बोमन ईरानी ने हाल ही में फिल्म खोसला का घोसला 2 का दिल्ली शेड्यूल पूरा किया है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रतियोगिता में जिले की सभी 6 विकासखंडों की टीमों ने लिया हिस्सा

कार्य म में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को किया पुरस्कृत

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिले में पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के माध्यम से एक दिवसीय जिला स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी स्टेडियम नरसिंहपुर में बुधवार को किया गया। प्रतियोगिता में जिले की सभी 6 विकासखंडों नरसिंहपुर, चीचली, सांईखेड़ा, करेली, गोटेगांव व चांवरपाठा की टीमों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया व उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, जिला समन्वयक श्रीमती संगीता पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी, खिलाड़ी और नागरिक मौजूद थ अतिथियों ने जिला स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता में विकासखंड चीचली की टीम प्रथम स्थान प्राप्त पर 21 हजार रुपये, नरसिंहपुर की टीम द्वितीय स्थान प्राप्त पर 11 हजार रुपये और करेली की टीम तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 5 हजार रुपये की राशि का चैक, प्रमाण पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला अफजाई किया।

प्रतियोगिता के दौरान विकासखंड समन्वय एवं कर्मचारी अपनी- अपनी टीमों को प्रोत्साहित करते रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने किया। इस दौरान नरसिंहपुर के कोच श्री विकास शर्मा, सांईखेड़ा के कोच श्री पवन राय, करेली के कोच श्री हेमराज मेहरा, चीचली की कोच श्रीमती राधा चौधरी, गोटेगांव के कोच श्री इंद्रकुमार ठाकुर व चांवरपाठा के कोच श्री गेंदालाल पटेल के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता संपन्न हुई।

मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एक डम्पर जप्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में निरीक्षण कर अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में निरीक्षण के दौरान गाडरवारा तहसील के ग्राम बसुरिया के पास खनिज मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एक वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 28 जी 3139 को जब्त कर पुलिस चौकी सालीचौका में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने दी है।

रबी वर्ष 2025-26 में किसान 20 मार्च तक अपनी सरसों फसल का कर सकते हैं पंजीयन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। उपसंचालक कृषि श्री मोरिस नाथ ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राइस डेफिसिट स्कीम (भावांतर योजना) अंतर्गत रबी वर्ष 2025-26 में ई-उपार्जन पोर्टल पर सरसों फसल के पंजीयन के निर्देश जारी किए गए हैं। जिले के किसान अपनी सरसों फसल का पंजीयन दिनांक 26 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 20 मार्च 2026 तक कर सकते हैं। कृषक अपने नजदीकी खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा स्थापित 67 गेहूं पंजीयन केंद्रों पर जाकर अपनी सरसों फसल (भावांतर योजना) का पंजीयन करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एम.पी. ऑनलाइन, कियोस्क केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर तथा ई-उपार्जन की निर्धारित लिंक के माध्यम से भी किसान पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में उपसंचालक कृषि श्री मोरिस नाथ ने सभी किसानों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ लेने हेतु निर्धारित तिथि तक अपनी सरसों की फसल का पंजीयन अवश्य कराएं।

सीईओ जिला पंचायत ने मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन के परिसर से मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा के मार्गदर्शन में जनजागरूकता रथ जिले की सभी 6 विकासखंडों में भ्रमण कर आमजन को मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी देगा। इस अवसर पर डीएचओ डॉ. जीपी भनारिया, डीएमओ डॉ. राजकिशोर पटेल, एम्बेड परियोजना के जिला को-ऑर्डिनेटर श्री रामकृष्ण जाट सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। जिले में यह अभियान एम्बेड प्रोजेक्ट के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इस परियोजना का संचालन फेमिली हेल्थ इंडिया द्वारा किया जा रहा है, जिसमें गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का सहयोग प्राप्त है। अभियान के अंतर्गत कम्युनिटी मीटिंग, पम्पलेट वितरण, आईईसी गतिविधियां व घर- घर जाकर सम्पर्क व संवाद किया जाएगा। अभियान के दौरान लोगों को साफ-सफाई बनाए रखने, घर के आसपास पानी जमा न होने देने, सोते समय मच्छरदानी के नियमित उपयोग, पूर्ण आस्तीन के वस्त्र पहनने तथा बुखार आने पर तत्काल जांच कराने के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जन समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए मलेरिया जैसी बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाना तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाना है।

ग्राम महमदपुर में क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत पशु जागरूकता एवं बांझ निवारण शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों को समृद्ध बनाने और पशुओं के स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए नरसिंहपुर विकासखंड के ग्राम महमदपुर में एक दिवसीय क्षीर धारा ग्राम योजना के अंतर्गत पशु जागरूकता एवं बांझ निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य उन्नत पशुपालन तकनीकों का प्रचार-प्रसार करना और पशुओं में बांझपन जैसी समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान करना था। शिविर के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कृत्रिम गर्भाधान केंद्र नरसिंहपुर के विभिन्न संस्था प्रभारियों की एक विशेष संयुक्त टीम गठित की गई थी। इस टीम ने

ग्राम डांगीढाना में घर-घर जाकर आधारभूत सर्वेक्षण कर पशुओं का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया। एव्हीएफओ श्री रोहित मेहरा ने पशुओं का सटीक गर्भ परीक्षण किया। विशेषज्ञों ने बांझपन की समस्या से ग्रसित पशुओं का उपचार किया और बधियाकरण की प्रक्रिया भी समझाइश दी गई। गौ सेवक श्री कन्हैया लाल, श्री ओमप्रकाश चौबे, श्री दौलत चौधरी और श्री कौशल लोधी ने पशुपालकों को आहार प्रबंधन व स्वास्थ्य सुरक्षा पर अपने- अपने सुझाव दिए।

इस पहल से न केवल पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीणों को वैज्ञानिक पशुपालन के लाभों के प्रति जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर एबीपीओ डॉ. एमएम तिवारी, श्री संतोष पटेल, विशेषज्ञ टीम के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक व ग्रामीणजन मौजूद थे।

नरसिंहपुर को रेबीज मुक्त बनाने 27 और 28 फरवरी को चलाया जाएगा अभियान

शहर के सभी पालतू और आवारा श्वान को लगाया जाएगा निःशुल्क एंटी रेबीज वैक्सीन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर को रेबीज मुक्त बनाने के उद्देश्य से 27 और 28 फरवरी को अभियान चलाकर शहर के सभी पालतू और आवारा श्वान को निश्शुल्क एंटी रेबीज वैक्सीन लगाया जाएगा। यह टीकाकरण इतवारा बाजार स्थित जिला पशु चिकित्सालय नरसिंहपुर में प्रात 10 बजे से किया जाएगा। शहरवासियों की सुरक्षा और पशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से नगरपालिका नरसिंहपुर और पशुपालन विभाग नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वाधान में अभियान चलाया जाएगा। शहर के प्रत्येक वार्ड में पालतू एवं आवारा श्वानों के लिए एंटी रेबीज टीकाकरण किया जाएगा। विकासखंड पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. संजय मांझी ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगरपालिका और पशुपालन विभाग की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। इस टीम में विशेष रूप से नरसिंहपुर, गोटेगांव और करेली विकासखंड के पशु चिकित्सक एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी शामिल होंगे। नगरपालिका द्वारा पकड़े गए निराश्रित श्वानों को सुरक्षित रूप से वैक्सीन लगाई जाएगी। शहर के पालतू एवं आवारा श्वानों के लिए इतवारा बाजार स्थित पशु चिकित्सालय में भी नि:शुल्क वैक्सीन की विशेष व्यवस्था की गई है। शहर के समस्त जागरूक पशुपालकों और नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने पालतू श्वान को इस शिविर में लाकर वैक्सीन जरूर लगवाएं।

नगर पालिका के 50 से ज्यादा कर्मचारियों की हेल्थ स्क्रीनिंग

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत सफाई कर्मियों की विशेष जांच

सीएमओ बोले स्वास्थ्य सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

करेली। नगर पालिका परिषद करेली में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विशेष रूप से स्वच्छता कार्य में लगे सफाई कर्मचारियों की विस्तृत जांच कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया गया।

शिविर में समुदाय स्वास्थ्य केंद्र करेली की चिकित्सा टीम ने ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य ब्लड टेस्ट किए। साथ ही टीबी जांच के लिए 41 सैंपल लिए गए। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर परामर्श और आवश्यक उपचार भी मौके पर उपलब्ध कराया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर सहित विभिन्न शाखाओं के कर्मचारियों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चिकित्सा टीम में सी एच ओ अमित पेठिया, दिव्या पगारे, ज्योति सेन (एस टी एस), अनुराधा मेहरा, के. परते, पवन मेहरा, पुष्पा कहार और हरिराम आरसे उपस्थित रहे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर ने कहा, स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत हमारे सफाई कर्मचारी शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य परीक्षण से कर्मचारियों को समय पर उपचार और मार्गदर्शन मिल सकेगा।ज्ञ नगर पालिका द्वारा बताया गया कि आगे भी कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि स्वस्थ कर्मचारी और स्वच्छ शहर का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने दिए आवश्यक निर्देश

शतप्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया जाए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने निर्देश दिए कि आशा एवं एएनएम के माध्यम से सर्वे कराकर शतप्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया जाए। जिन आशा कार्यकर्ताओं ने एक भी एएनसी पंजीयन नहीं कराया है, उन आशा कार्यकर्ताओं का पीबीआई बंद किए जाए। विकासखंड गोटेगांव अंतर्गत ग्राम करेली कलां के उप स्वास्थ्य केन्द्र को समय पर संचालन करने के निर्देश मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी गोटेगांव को दिए। उक्ताशय के निर्देश सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राधेश्याम वर्मा, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, स्वास्थ्य व महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। सीईओ जिला पंचायत ने विकासखंड के अंतर्गत आने वाले उप स्वास्थ्य केन्द्र मुर्गाखेड़ा एवं हीरापुर में टीबी स्क्रीनिंग के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त प्रकार के पोर्टलों की जानकारी समय सीमा में अपडेट किए जाने और जो डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्य नहीं कर रहे हैं, उन्हें कार्य से पृथक किया जाए। जिन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (उप स्वास्थ्य केन्द्र) में सीएचओ नहीं है, वहां एएनएम को सीएचओ की आईडी से कार्य करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि जहां सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें अधिक हैं।

एनटीपीसी गाडरवारा में 14वां स्थापना दिवस उत्साह गरिमा एवं सामाजिक सरोकारों के साथ संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। दिनांक 26 फरवरी 2026 को एनटीपीसी गाडरवारा में 14वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा एवं उत्सवपूर्ण वातावरण के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं परियोजना प्रमुख हिम्मत सिंह चौहान द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया तथा उपस्थित सभी जनों ने संस्थान की प्रगति एवं राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अपने प्रेरणादायक संबोधन में चौहान ने एनटीपीसी गाडरवारा की अब तक की उपलब्धियों, उच्च मानकों पर आधारित संचालन, पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता तथा सुरक्षा संस्कृति को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान की सफलता का श्रेय कर्मचारियों की निष्ठा, टीम वर्क और समर्पण को जाता है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का उल्लेख करते हुए नवाचार, दक्षता और सतत विकास को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस विशेष अवसर को सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए एक रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में कर्मचारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। यह पहल एनटीपीसी गाडरवारा की सामाजिक प्रतिबद्धता एवं जनकल्याण के प्रति समर्पण को दर्शाती है।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष (।ह्लष्ठह्य), कर्मचारी यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। समापन के अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने एनटीपीसी गाडरवारा की निरंतर उन्नति, सुरक्षित संचालन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ताँबे की रॉड एवं तार चोरी करने वाले शातिर चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ताँबे की रॉड एवं तार कीमती करीबन 60,000 रू. बरामद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

दिनांक 22-23 फरवरी की दरम्यानी रात रामेश्वर खेमरिया निवासी ग्राम कामती के घर की दहलान से ताँबे की रॉड एवं तार चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना गाडरवारा में धारा 331(4),305(ड्ड) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था ।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही को पुलिस अभिरक्षा में लिया । संदेही धर्मेन्द्र उर्फ हल्के जाटव ने सघन पूछताछ पर घटना दिनांक को ताँबे की रॉड एवं तार चोरी कर अपने खेत की झाड़ियों में छिपाना स्वीकार किया।

आरोपी:-* धर्मेन्द्र उर्फ हल्के जाटव पिता हेमराज जाटव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम आमगाँव छोटा

बरामदगी:-* चोरी गयी 13 किलो ताँबे की रॉड,17 किलो ताँबे की तार कुल कीमती करीबन 60,000 रू. के हुए बरामद ।

वैधानिक कार्यवाही-* धारा 331(4),305(ए) बी.एन.एस. अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त आरोपी की पतारसी एवं मशरूका बरामदगी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस,गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गाडरवारा निरीक्षक अशोक सिंह चौहान,सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक रामगोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक विश्वजीत ठाकुर,बालकृष्ण रघुवंशी,सुजीत बागरी,शिवम पटेल,सौरभ मिश्रा,रामसिंह की सराहनीय भूमिका रही है । पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा उक्त सराहनीय कार्यवाही हेतु पुलिस टीम की प्रशंसा की गई ।

जिला पंचायत में लोकायुक्त का छापा

पांच हजार की रिश्वत लेते लेखापाल रंगे हाथों गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्र मत)। भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को जारी रखते हुए जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने जिला पंचायत कार्यालय में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने जिला पंचायत में पदस्थ लेखापाल सतेंद्र सोनी को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, एक ग्राम पंचायत सचिव को सेवा से निलंबित या पृथक किया गया था। उसकी बहाली की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और कागजी कार्रवाई के एवज में लेखापाल सतेंद्र सोनी ने 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। सचिव ने इसकी शिकायत जबलपुर लोकायुक्त विभाग से की। शिकायत की पुष्टि होने के बाद, लोकायुक्त की 5 सदस्यीय टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही सचिव ने जिला पंचायत कार्यालय में लेखापाल को केमिकल लगे हुए नोट सौंपे, पहले से ही मुस्तैद टीम ने उन्हें धर दबोचा। आरोपी सतेंद्र सोनी लेखापाल, जिला पंचायत कटनी ने रिश्वत की राशि 5,000 रुपये सचिव की बहाली के बदले रिश्वत की मांग की थी कार्रवाई में जबलपुर लोकायुक्त की 5 सदस्यीय टीम रही।

दिनदहाड़े हुई इस कार्रवाई से जिला पंचायत कार्यालय में हड़कंप मच गया। लोकायुक्त की टीम फिलहाल आरोपी लेखापाल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कागजी औपचारिकताएं पूरी कर रही है। आरोपी के हाथ धुलवाते ही वे गुलाबी हो गए, जो रिश्वत लेने का पुख्ता प्रमाण है।

कलेक्टर ने बहोरीबंद अस्पताल एवं शासकीय कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

कार्यस्थल से बिना सूचना अनुपस्थित बीएमओ, एएनएम और पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी ने गुरूवार को विकासखंड बहोरीबंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अनुपस्थित मिले बीएमओ, आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया की एएनएम और पंचायत सचिव पटोरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इस दौरान एसडीएम बहोरीबंद राकेश कुमार चौरसिया मौजूद रहे। औचक भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया व पटोरी सहित तहसील कार्यालय बाकल एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र बाकल का औचक निरीक्षण किया और बिना पूर्व सूचना के कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाये गये बीएमओ, आरोग्य मंदिर पथराडी पिपरिया की एएनएम और पंचायत सचिव पटोरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

बहोरीबंद बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी – सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को ड्यूटी डॉक्टर चार्ट नहीं मिला। इस दौरान ड्यूटी डॉक्टर डॉ. शैफाली उइके, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद में पदस्थ डॉ. रितेश दुबे एवं बीएमओ अनुपस्थित पाये गये। जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुये कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद के बीएमओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश सीएमएचओ को दिये। वहीं पोषण पुनर्वास केन्द्र में 10 बच्चों के लक्ष्य के विपरीत मात्र 6 बच्चे ही पाये गये। कलेक्टर ने महिला जनरल वार्ड, प्रसूतिका वार्ड, हाई रिक्स महिलाओं की जानकारी, ओपीडी वार्ड, पैथेलॉजी वार्ड का भी निरीक्षण किया एवं साफ-सफाई नहीं पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने हेतु मौके से ही दूरभाष पर सीएमएचओं डॉ. राज सिंह ठाकुर को स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के लिए, अधिक मुस्तैदी से मैदानी अमले को सक्रिय करने की हिदायत दी।

एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी – भ्रमण के दौरान कलेक्टर आयुष्मान

आरोग्य केन्द्र पथराडी पिपरिया पहुंचे परंतु, आरोग्य केन्द्र दोपहर 12 बजे तक बंद पाया गया। जिस पर कलेक्टर ने आरोग्य केन्द्र में पदस्थ एएनएम को नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य केन्द्र पटोरी का भी निरीक्षण किया। यहां एएनएम एवं रोजगार सहायक उपस्थित मिलीं। कलेक्टर ने गर्भवती एवं गर्भवती माताओं के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के कार्यों की समीक्षा करते हुये शेष 423 आयुष्मान कार्ड 15 दिवस के अंदर बनाने के निर्देश दिये।

पानी की समस्या से ग्रामीणों ने कराया अवगत – निरीक्षण के दौरान ग्राम पटोरी के ग्रामवासियों द्वारा कलेक्टर को पानी की समस्या से अवगत कराया गया। जिस पर कलेक्टर ने गांव के पुराने हैण्डपम्पों में शीघ्र सुधार करने एवं ट्यूब बेल खनन हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जनपद पंचायत बहोरीबंद के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सचिव पटोरी अनुपस्थित पाये जाने पर कलेक्टर ने कारण बताओं नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने प्राथमिक शाला पटोरी की पुरानी जीर्ण-शीर्ण बिल्डिंग को तत्काल गिराये जाने के निर्देश खण्ड शिक्षा अधिकारी बहोरीबंद को दिये तथा दो कमरे बनाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

तहसील कार्यालय और उप स्वास्थ्य केन्द्र का लिया जायजा – भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने नायब तहसील कार्यालय बाकल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समय-सीमा बाह्य प्रकरणों को शीघ्र निराकरण सहित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण की हिदायत दी। साथ ही किसानों की शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाये जाने हेतु भी निर्देशित किया। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केन्द्र बाकल का निरीक्षण किया। इस दौरान एक कक्ष की सीलिंग गिरी हुई पाये जाने पर संभावित दुर्घटना के मद्देनजर इसके शीघ्र मरम्मत कराये जाने के निर्देश दिये।

लाल तलैया के पास कोयले से भरा ट्रक पलटा, दोनों ओर लंबा जाम

कटनी (स्वतंत्रमत)।

रीठी रोड स्थित लाल तलैया के पास अभी-अभी कोयले से लदा एक भारी भरकम ट्रक अचानक असंतुलित होकर बीच सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक तेज रफ्तार में था और अचानक नियंत्रण बिगड़ने से सड़क के मध्य पलट गया। ट्रक पलटते ही कोयला सड़क पर फैल गया, जिससे आवागमन पूर्णतः बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है, जो राहत की बात है। हालांकि जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन एवं पुलिस को सूचना दे दी गई है। मार्ग से ट्रक हटाने और यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

जर्जर स्कूल भवन को करें डिस्मेंटल

जल संकटः कलेक्टर के निर्देश, तत्काल नया बोर कर जलापूर्ति शुरू करे पंचायत

कटनी (स्वतंत्र मत)।

बाकल के पठारी क्षेत्र में इन दिनों भीषण जल संकट बना हुआ है। हालांकि अधिकांश गांव इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन पटोरी गांव में हालात सबसे ज्यादा गंभीर हैं। गांव के अधिकांश हैंडपंप खराब पड़े हैं या हवा फेंक रहे हैं, वहीं गांव का मुख्य जलस्त्रोत प्रधानमंत्री नलजल योजना भी पानी की कमी के कारण पूरी तरह ठप हो चुका है। ऐसे में ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए मशक्कत करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों की गंभीर समस्या को देखते हुए जिले के मुखिया आशीष तिवारी ने पटोरी गांव का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा- साहब, हमें सिर्फ पानी चाहिए। ग्रामीणों की पीड़ा

सुनते ही कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पीएचई विभाग को सभी खराब हैंडपंप शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही सरपंच को आदेशित किया कि नया बोर कराकर गांव में जलापूर्ति चालू कराई जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सहायक सचिव को समग्र आईडी की केवाईसी पूर्ण कराने तथा जिन हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उन्हें योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए। ग्रामीणों की शिकायत पर जर्जर माध्यमिक शाला भवन को तत्काल गिराने तथा नवीन स्कूल भवन के लिए प्रस्ताव तैयार करने के आदेश दिए गए। इसके पश्चात कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाकल का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में पदस्थ स्टाफ से ओपीडी की स्थिति, मासिक प्रसव संख्या तथा स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली। इस दौरान स्टाफ ने अस्पताल भवन की जर्जर स्थिति से भी कलेक्टर को अवगत कराया।

वही नायक तहसीलदार कार्यालय बाकल मे औचक निरीक्षण कर आवष्यक दिशा निर्देश दिए दौरा कार्यक्रम में कलेक्टर के साथ एसडीएम राकेश चौरसिया, नायब तहसीलदार राजकुमार नामदेव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण- मुरारी महतो, गोकुल पटेल आदि उपस्थित रहे। कलेक्टर के त्वरित निर्देशों से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और उम्मीद जताई कि जल्द ही गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान होगा।

पड़ोसियों से विवाद, एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी जिले के कटनी में एक बार फिर पड़ोसी विवाद का मामला सामने आया है। चंद्रशेखर आजाद चौक वार्ड निवासी असलम खान ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर अपने पड़ोसियों पर बार-बार झूठी और निराधार शिकायतें कर अनावश्यक विवाद उत्पन्न करने का आरोप लगाया है। आवेदन में असलम खान ने बताया कि वह अपने वैध स्वामित्व वाले मकान में आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य करा रहे हैं। उनका कहना है कि मकान विधिवत रजिस्ट्री एवं राजस्व अभिलेखों के अनुसार दर्ज है और उसकी सीमाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित हैं।

उन्होंने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाले मुईन खान और शाहिद खान दुर्भावनापूर्वक उनके हिस्से की दीवार और भूमि पर दावा करने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही प्रशासन के समक्ष झूठी एवं मनगढ़ंत शिकायतें प्रस्तुत कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि लगातार की जा रही शिकायतों से क्षेत्र की शांति भंग होने की आशंका है। असलम खान ने भविष्य में किसी अप्रिय घटना की संभावना जताते हुए सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस प्रशासन द्वारा मामले की जांच किए जाने की बात कही जा रही है।

करोड़ों की नल-जल योजना फेल

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण, जिम्मेदार बेखबर

कटनी (स्वतंत्रमत)। गर्मी की आहट के साथ ही ग्रामीण इलाकों में पेयजल संकट ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया है। बहोरीबंद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पटोरी में करोड़ों रुपये की लागत से बनी नल-जल योजना पूरी तरह फेल साबित हो रही है। हालत यह है कि गांव के लगभग 1200 की आबादी वाले परिवार बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। बुधवार सुबह पेयजल समस्या से परेशान आधा सैकड़ा से अधिक महिलाएं ग्राम पंचायत भवन पहुंचीं। महिलाओं ने खाली डिब्बे और गुम्मे लेकर जमकर नारेबाजी की और धरने पर बैठकर नल-जल योजना के तहत तत्काल पानी उपलब्ध कराने की मांग की। महिलाओं का कहना था कि जब गांव में पानी की टंकी, बोर और घर-घर पाइपलाइन बिछाई गई है,

तो फिर पीने का पानी क्यों नहीं मिल रहा। प्रदर्शन के दौरान सरपंच और सचिव भी असहज नजर आए। सचिव द्वारा समझाइश का प्रयास किया गया, लेकिन महिलाएं लगातार पानी की मांग पर अड़ी रहीं।

इस दौरान सुमन तिवारी, फलियां बाई चौधरी, आनंदी बाई, फूल बाई रजक, गेंदा बाई, आशा ठाकुर, सुमन चौधरी, रामदुलारी ठाकुर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 1 करोड़ 27-28 लाख रुपए की लागत से नल-जल योजना का निर्माण कराया गया, लेकिन कार्य आधा-अधूरा है। कहीं कनेक्शन दिए गए, कहीं नहीं। जिन बोरों से टंकी में पानी सप्लाई होना था, उनमें पर्याप्त पानी नहीं है। इसके बावजूद योजना की एनओसी जारी कर दी गई, जिसका खामियाजा अब ग्रामीण भुगत रहे हैं।

महाराजा अग्रसेन जी की 27वीं मासिक महाआरती संपन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)। सर्वप्रथम श्री 1008 अग्रसेन महाराज की पूजन कर पुष्प माला अर्पण की गई भोग लगाया गया तत्पश्चाप समाज की सभी उपस्थित जनों ने अग्रसेन महाराज माता कुलदेवी लक्ष्मी जी की महाआरती कुलदेवी माता महालक्ष्मी और अग्रसेन महाराज की आरती का संयुक्त गायन कर आरती की गई। उसके पश्चात सभी को प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित सदस्य सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, पवन मित्तल, राजकुमार अग्रवाल, चूड़ी वाले, मोहन कुमार, स्वामी प्रसाद, किशोर कुमार, अनंत राम, अनूप, पंकज, कमल राज, नयन राज, अनिरुद्ध, राजकुमार, कृष्ण कुमार अग्रवाल, नरबद प्रसाद, सुरेश चंद्र, श्याम बिहारी, राकेश अग्रवाल, गोपाल कृष्ण, पुरुषोत्तम, वैभव, हर्षित, रोहित, निशांत, विवेक, सुनील आदि बच्चों सहित बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

19 स्थलों पर सी.सी. रोड एवं डामरीकरण से आवागमन को मिली मजबूती : महापौर

महापौर ने सागर पुलिया से लक्ष्मी पान भंडार तक डामरीकरण कार्य का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कायाकल्प निधि का हो जनहितैषी उपयोग

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नगर की सड़कों को दुरुस्त कराकर नागरिकों का आवागमन सुगम करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा कायाकल्प अभियान के तहत नगर निगम कटनी को दो चरणों में 12 करोड़ रूपये की राशि उपलब्ध कराई गई थी। योजना के तहत सी एल पी पाठक वार्ड में करीब 41 लाख रूपये की लागत से सागर पुलिया से लक्ष्मी पान भंडार तक कराए जा रहे डामरीकरण कार्य का महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बुधवार शाम औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के दो रेलवे स्टेशन सहित शहर से लगे विभिन्न ग्रामों को जाने वाले इस प्रमुख मार्ग के निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि लंबे समय तक इस सड़क का लाभ नागरिकों को मिल सके। इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, उमेंद्र अहिरवार, बीना संजीव बैनर्जी, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल सहित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कटनी द्वारा कायाकल्प अभियान के अंतर्गत प्राप्त राशि का योजनाबद्ध एवं जनहितैषी उपयोग सुनिश्चित किया गया। अभियान के तहत नगर के 19 विभिन्न स्थलों पर सी.सी. रोड तथा डामरीकरण सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण कर नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। निगम प्रशासन ने बताया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, स्थायित्व एवं आवश्यकतानुसार प्राथमिकता का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके और नगरीय अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाया जा सके।

कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी महिला सशक्तिकरणः आयाम, मुददे और प्राथमिकताएं

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी महिला सशक्तिकरणः आयाम, मुद्दे और प्राथमिकताएं का आयोजन 27-28 फरवरी को होने जा रहा है। महिला सशक्तिकरण एक बहुआयामी अवधारणा है, जो सतत एवं समावेशी विकास के लिए अनिवार्य है। भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक रूढ़ियां, आर्थिक असमानता तथा संस्थागत कमजोरियां इस प्रक्रिया में लगातार बाधा उत्पन्न करती हैं।

इन चुनौतियों का समाधान शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता, कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन जैसे समग्र उपायों से ही संभव है। इस संगोष्ठी में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञ, विद्वान एवं शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। जिनमें डॉ. ए.के. सिंह, सीईएसडी महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, डॉ. एस.पी. सिंह आईआईएफएम भोपाल, डॉ. सनत कुमार शर्मा साउथ बिहार सेन्ट्रल विश्वविद्यालय गया, डॉ. अनुपम गुप्ता ग्वालियर, डॉ. महेश शुक्ला रीवा, डॉ. संकटा प्रसाद शुक्ला रीवा एवं अतिरिक्त संचालक जबलपुर संभाग डॉ. पी.आर. चंदलेकर, सम्मिलित होंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात एवं राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुनील कुमार ने सभी शोध छात्र-छात्राओं, शिक्षाविदों एवं विद्वानों से इस महत्वपूर्ण आयोजन में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया है। यह संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण के विविध आयामों पर गहन चिंतन एवं व्यावहारिक समाधानों का उत्कृष्ट मंच साबित होगी।

पड़ोसी जिला पन्ना से गुम हुई नाबालिग बालिका

कोतवाली पुलिस की तत्परता से हुई सकुशल दस्तयाव

कटनी (स्वतंत्र मत)।

25 फरवरी को पड़ोसी जिले पन्ना के थाना सलेहा अंतर्गत ग्राम सिठौली से अचानक लापता हुई नाबालिग बालिका को थाना प्रभारी कोतवाली कटनी निरीक्षक राखी पाण्डेय की सक्रियता के चलते मुड़वारा रेल्वे स्टेशन के पास से सकुशल दस्तयाव करने में बड़ी सफलता हाथ लगी। 25 फरवरी को थाना सलेहा में फरियादी कन्छेदी चौधरी पित भलुआ चौधरी निवासी सिठौली थाना सलेहा जिला पन्ना द्वारा थाने में रिपोर्ट लेख कराई कि इसकी नातिन जो सरस्वती स्कूल गुनौर में कक्षा 10वीं की पड़ाई करती है। 25 फरवरी को सुबह 08 बजे घर से 10वीं का पेपर देने निकली थी जो घर वापस नही लौटी है। फरियादी द्वारा थाना सलेहा में की गई रिपोर्ट पर अप.क्र. 51/2026 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। बालिका

के संबंध में पता तलाश किए जाने पर कटनी तरफ जाने की जानकारी लगी। थाना प्रभारी सलेहा द्वारा बालिका की पता तलाश हेतु थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय से संपर्क किया और अपहृता की जानकारी जैसे नाम, पता व फोटो व्हाट्स एप के माध्यम से भेजी गई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए स्टाफ को नाबालिग बालिका की पता तलाश हेतु थाना क्षेत्र में रेल्वे स्टेशन कटनी मुड़वारा, बस स्टेण्ड के आसपास पता-तलाश किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जो चंद घंटो में ही नाबालिग बालिका को मुड़वारा रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 05 के पास से सकुशल दस्तयाव किया गया। नाबालिग बालिका को सकुशल थाना लाकर जिला पन्ना थाना सलेहा को सूचना दी गई। थाना सलेहा द्वारा नाबालिग बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय द्वारा बताया गया कि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि नाबालिग बालक/बालिकाओं के गुम होने संबंधी में मामलों में त्वरित कार्यवाही कर दस्तयावी की जावे। जिसके पालन में नाबालिग बालक/बालिका के गुम होने की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल ही दस्तयाव किया जाकर बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया जा रहा है। थाना कोतवाली कटनी द्वारा की गई कार्यवाही दो जिलों की पुलिस के मध्य एक बेहतर समन्वय व सुदृढ़ पुलिसिंग का उदाहरण है, जिसके चलते नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाव किया गया।

वायरल के मरीज दोगुने हुए पेट में दर्द, उल्टी-दस्त से परेशान

कटनी (स्वतंत्रमत)। फरवरी बीतने को है। कटनी में मौसम का अचानक बदलता मिजाज लोगों के लिए स्वास्थ्य की चुनौती बन गया है। सुबह हल्की ठंड, दोपहर में तेज धूप और शाम को ठंडी हवाएं वायरल और पेट से संबंधित संक्रमण फैलाने का मुख्य कारण बन रही हैं। शहर के सरकारी अस्पताल की ओपीडी में इस बदलाव का असर साफ दिख रहा है। अस्पताल में जनवरी में पेट संबंधी समस्याओं के 60-70 मरीज ओपीडी आते थे, जो अब लगभग दोगुने होकर 150 तक पहुंच गए हैं। एमजीएम, धार्मलोक, पुष्पांजलि और अन्य अस्पतालों के डॉक्टरों के मुताबिक फरवरी में वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। सामान्य दिनों में मेडिसिन ओपीडी में 100-200 मरीज आते थे, जबकि अब यह संख्या 200-300 तक बढ़ गई है। डॉक्टरों ने मानना है कि आने वाले दिनों में मौसम और अधिक बदलाव हुआ तो मरीजों की संख्या में इजाफा होगा। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

हाइड्रेशन में चूक और ठंडी हवा से बढ़ा संक्रमण – डॉक्टरों के अनुसार हल्की गर्मी बढ़ने पर लोग हाइड्रेशन का ध्यान नहीं रखते, जिससे पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। दिन में धूप में लोग गर्म कपड़े छोड़ देते हैं और ठंडे पेय पीने लगते हैं। शाम को ठंडी हवाएं शरीर को झटका देती हैं, जिससे वायरस और बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। डॉक्टरों के अनुसार मार्च और होली तक संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। खानपान में लापरवाही और कमजोर इम्युनिटी से यह मौसम 'वायरल पीक सीजन' कहलाता है।

एक और जीत पर टिकी उम्मीदें

भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया

चेन्नई (वार्ता)

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 पहली जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने गुरुवार के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। हार्दिक पंड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अभिषेक शर्मा (55), हार्दिक पंड्या (नाबाद 50), तिलक वर्मा (नाबाद 44), इशान किशन (38) और सूर्यकुमार यादव (33) की विस्फोटक पारियों की बदौलत भारत ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 विश्वकप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन बनाया। आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

संजू और अभिषेक की जोड़ी ने 48 रन जोड़े

बल्लेबाजी करने उतरी संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने 48 रन जोड़े। चौथे ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने संजू सैमसन को आउट कर जिम्बाब्वे को पहली सफलता दिलाई। संजू सैमसन ने 15 गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाते हुए 24 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये इशान किशन ने अभिषेक शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। 11वें ओवर में सिकंदर रजा ने इशान किशन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इशान किशन ने 24 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 38 रन बनाये।

अभिषेक शर्मा ने 55 रनों की पारी खेली

13वें ओवर में टी मपोसा ने अभिषेक शर्मा का शिकार कर लिया। अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में सूर्यकुमार यादव आउट हुये। उन्होंने 13 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 33 रन बनाये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 256 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। हार्दिक पंड्या ने 23 गेंदों में दो चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 50 रनों की विस्फोटक पारी खेली। और तिलक वर्मा ने 16 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 44) रन बनाये। जिम्बाब्वे के लिए सिकंदर रजा, ब्लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड अंगारावा और टी मपोसा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंडीज को नौ विकेट से पीट कर दक्षिण अफ्रीका सेफा में

अहमदाबाद (वार्ता)

कप्तान एडन मारक्रम (नाबाद 82) और क्विंटन डी कॉक (47) और रायन रिकलटन (नाबाद 45) की विस्फोटक पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में वेस्टइंडीज को 23 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। एडन मारक्रम को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। दक्षिण अफ्रीका की सुपर आठ में यह लगातार दूसरी जीत है। वेस्टइंडीज दो अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज का आखिरी सुपर आठ मैच भारत से एक मार्च को होना है जबकि दक्षिण अफ्रीका अपने आखिरी मैच में जिम्बाब्वे से एक मार्च को ही खेलेगा। एडन मारक्रम और क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य के लिए विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 95 रन जोड़े। आठवें ओवर की आखिरी गेंद पर रॉस्टन चेज ने क्विंटन डी कॉक को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। क्विंटन डी कॉक ने 24 गेंदों में चार चौके और चार छक्कों की मदद से 47 रन बनाये। मारक्रम और रिकलटन के बीच दूसरे विकेट लिये 82 रनों की अविजित साझेदारी हुई। 17वें ओवर की पहली गेंद पर मारक्रम ने चौका लगाकर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। मारक्रम ने 46 गेंदों में सात चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 82 रनों की पारी खेली। रायन रिकलटन ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 45 रन बनाये। इससे पहले रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) की विस्फोटक पारियों तथा उनके बीच आठवें विकेट के लिये 89 रन की जबर्दस्त साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने आठ विकेट पर 176 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज एक समय 83 रन पर सात विकेट गंवाकर गहरे संकट में फंसा हुआ था लेकिन शेफर्ड और होल्डर ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचा दिया। नौवें नंबर के बल्लेबाज शेफर्ड ने मात्र 37 गेंदों पर तीन चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 52 रन बनाये। जबकि आखिरी ओवर में रनआउट हुये होल्डर ने 31 गेंदों पर 49 रन में चार चौके और तीन छक्के लगाये। दोनों के बीच 89 रन की साझेदारी मात्र 57 गेंदों में बनी। आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने एक के बाद एक लगातार अपने सात विकेट गंवा दिये। कप्तान शाई होप (16), शिमरॉन हेटमायर (दो), ब्रैंडन किंग 11 गेंदों में (21), रॉस्टन चेज (दो), शरफ़ेन रदरफोर्ड (12) रोवमन पॉवेल (नौ) और मैथ्यू फोर्ड (11) रन बनाकर आउट हुये। वेस्टइंडीज ने एक समय 10.2 ओवर में 83 के स्कोर पर अपने सात विकेट गंवा दिये थे। ऐसे संकट के समय जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पारी को संभाला और टीम को 176 रन तक पहुंचा दिया।

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने जीता टी20 एशिया कप

कटक (भुवनेश्वर)(वार्ता)

बुधवार को कटक के बाराबती स्टेडियम में आयोजित एडीसीए टी20आई एशिया कप 2026 के पहले संस्करण का समापन हुआ, जिसमें भारत की बधिर क्रिकेट टीम ने श्रीलंका बधिर टीम को 6 विकेट से हराकर पहला एशिया कप खिताब अपने नाम किया। फाइनल के बाद आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे (जिलाधिकारी एवं कलेक्टर, कटक) और विशिष्ट अतिथि संजय राउल (पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर) ने विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। यह श्रृंखला ओडीसीए और ओसीए के सहयोग से इंडियन डीफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित की गई थी। टीम के कोच देव दत्त (मुख्य कोच), रविकांत भट्ट (सहायक कोच) की अगुवाई में भारत ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया, इसके बाद दूसरे मैच में नेपाल को 10 विकेट से पराजित किया। तीसरे मैच में श्रीलंका ने नेपाल को 6 विकेट से हराया।

अर्जुन तेंदुलकर ने 29 गेंदों पर 55 रन ठोके

नवी मुंबई (वार्ता)। अर्जुन तेंदुलकर ने आज 20वें डीवाई पाटिल टी20 कप में इंडियन नेवी के खिलाफ डीवाई पाटिल ब्लू को पांच विकेट से जीत दिलाने के लिए शानदार हाफ-सेंचुरी लगाई। उन्होंने 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। उनके शानदार ऑल-राउंड परफॉर्मेंस के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। इंडियन नेवी ने 20 ओवर में चार विकेट पर 219 रन बनाये। ओपनर कुंवर पाठक ने 87 रन का योगदान दिया। डीवाई पाटिल ब्लू ने 19.1 ओवर में पांच विकेट पर 225 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने 19 गेंदों पर सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 67 रन ठोके जबकि अर्जुन तेंदुलकर ने 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन में सात चौके और दो छक्के लगाए।

गुलमर्ग में अगला खेलो इंडिया विंटर गेम्स 15 दिनों का होगा: मनसुख मांडविया

गुलमर्ग (वार्ता)

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि यहां होने वाला अगला 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेल' 15 दिनों का होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुलमर्ग में विंटर गेम्स के भविष्य के संस्करणों को 15 दिवसीय एकीकृत खेल आयोजन के रूप में विस्तार दिया जाएगा, जिसमें खेलों को पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ जोड़ा जाएगा। आज यहां छठे खेलो इंडिया शीतकालीन गेम्स के गोल्फ कोर्स में आयोजित समापन समारोह में उन्होंने कहा, अब विंटर गेम्स केवल चार दिनों तक सीमित नहीं रहेंगे। पर्यटन को साथ जोड़कर हम 15 दिनों के विंटर गेम्स का आयोजन करेंगे, जिसमें फिट इंडिया कार्निवल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कई प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। कश्मीर की धरती में अपार क्षमता है, आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक केंद्र होगा। डॉ. मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि खेलों में समाज को एकजुट करने, खेल भावना को बढ़ावा देने, सद्भाव पैदा करने और विकास को गति देने की शक्ति है। जम्मू-कश्मीर में खेलो इंडिया केंद्रों के एथलीटों और कोचों के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने क्षेत्र से उभरती शानदार खेल भावना की सराहना की। गुलमर्ग को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलज्ज बनाने और खेल-संस्कृति-पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डॉ. मांडविया ने कहा कि इस क्षेत्र की क्षमता का पूरी तरह से दोहन करने की आवश्यकता है।

स्व से सृष्टि तक मंगल ही हमारा संकल्प, सेवा ही हमारा परम धर्म : सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री भीलवाड़ा में सनातन मंगल महोत्सव संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को राजस्थान के भीलवाड़ा में हरिशेवा उदासीन आश्रम के स्थानापति परमपूज्य श्री महामण्डलेश्वर स्वामी हंसरामजी महाराज की मौजूदगी में हुए सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। राजा भलराज भील की नगरी भीलवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामी हंसरामजी महाराज से भेंटकर उनका सानिध्य और आशीर्वाद भी प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगल महोत्सव एवं संत समागम में देश-विदेश से आये विद्वतजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबके मंगल की कामना करने वाली महान और गौरवशाली भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। हमारी संस्कृति का सूत्र वाक्य ही वसुधैव कुटुंबकम है। हमारा यही जीवन मूल्य हमें स्व के साथ पूरी सृष्टि के कल्याण की प्रेरणा देता है। सनातन मंगल महोत्सव का आयोजन हमारी सर्व कल्याणकारी भावना की ही जीवंत अभिव्यक्ति है। खुद के लिए तो सब जीते हैं, संसार के सभी प्राणियों, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों-वनस्पतियों के कल्याण के जीवोमूल लक्ष्य के लिए जीना ही हम सबका परम सेवाधर्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें सेवा, समर्पण, विश्व बंधुत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की परोपकारी भावना में निहित हैं। सेवाभाव ही हमारी संस्कृति का प्राण है और जीवमात्र की सेवा ही श्रीहरि की सेवा है, सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि रा से राजस्थान और म से मध्यप्रदेश मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। हम श्रीरामचन्द्र गमन पथ और श्री कष्ण पाथेय तैयार कर रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों, करुणा, सद्भाव और समरसता के प्रसार में संतजनों की भूमिका निरापद रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। पूज्य हंसरामजी महाराज धर्म के सभी मूल्यों, भक्ति, सेवा, सत्य, अहिंसा को जीवंत रख रहे हैं। आश्रम के माध्यम से आपने हजारों असहायों को सहारा दिया। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के पुनीत उद्देश्य से हो रहे इस मंगल आयोजन में आकर वे बेहद गौरवान्वित हैं। संस्कृति से ही हमारी पहचान है। हमारी सरकारें जीवन मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, पर्यावरण पर एकजुट होकर काम कर रही हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि हम अपने बच्चों को वेद-पुराण पढ़ाएं, संस्कार दें, सेवा में लगाएं और धर्म की रक्षा करें। धर्म केवल पूजा नहीं, हमारी जीवन पद्धति है। सेवा से श्रीहरि मिलते हैं। भक्ति से मुक्ति मिलती है। इसलिए हम सब मिलकर संकल्प लें कि समाज में एकता लाएंगे, युवाओं को अच्छे संस्कार देंगे और भारत को एक बार पुनः विश्व गुरु बनाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धर्म का मंगल तभी संभव है, जब हम संतजनों के उपदेशों को अपने जीवन में भी उतारें। उन्होंने कहा कि धर्म हमारे जीवन का सार है, जो हमें बताता है कि हम कौन हैं, हमारा उद्देश्य क्या है और इस उद्देश्य के लिए हम किस दिशा में आगे बढ़ें। भगवान श्रीराम का गुरु वशिष्ठ से तथा श्रीकृष्ण का गुरु सांदीपनि से शिक्षा गृहण करना हमें गुरु-शिष्य परंपरा सिखाता है। आज हमें इन्हीं जीवन मूल्यों को पुनः स्थापित करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सिंहस्थ कुंभ के माध्यम से उज्जैन को देशभर के साधु-संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है। सनातन संस्कृति में हमारे बच्चे परिवार को अमरता प्रदान करते हैं। यत्र पिंडे-तत्र ब्रह्मांडेज्ञ, जैसा हमारे पिंड में है वैसा ही ब्रह्मांड में है। संतों के माध्यम से करोड़ों साल से ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती रही है। साधु-संतों के जरिए हमें देवताओं के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि जब बृहस्पति ग्रह सिंह राशि में प्रवेश करते हैं, तब सिंहस्थ होता है। उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ महाकुंभ का भव्य आयोजन होने वाला है। मुख्यमंत्री ने सभी साधु-महात्माओं और संत-वृंदों को सिंहस्थ में आकर सबको आशीष रूपी अमृत देने के लिए आमंत्रित भी किया।

सनातन मंगल महोत्सव एवं संत समागम में 3 युवा संतों श्री ईशानराम जी महाराज, केशवराम जी महाराज और सुमइराम जी महाराज को सन्यास की दीक्षा दिलाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तीनों युवा सन्यासियों का माल्यार्पण एवं नमन करते हुए उनका अभिनंदन किया।

पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, तभी साकार होगा विकसित भारत: पटेल

राज्यपाल ने वनांचल ग्राम परसिली में जनजातीय समुदाय से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पात्र व्यक्तियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाकर ही विकसित भारत का संकल्प पूरा किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गरीब और जरूरतमंदों को प्राथमिकता से योजनाओं से जोड़ें तथा उन्हें मुख्यधारा में शामिल कराए। राज्यपाल सीधी जिले के मझौली जनपद अंतर्गत वनांचल ग्राम परसिली में गुरुवार को आयोजित जनजातीय संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। महिलाएं निर्भीक होकर मंच से अपने अनुभव साझा कर रही हैं। परिवार की आर्थिक उन्नति में भागीदारी कर रही हैं। आधुनिक तकनीक को अपनाने में भी वह तेजी से आगे बढ़ रही है। देश में एक करोड़ ड्रोन दीदी है। आने वाले समय में यह संख्या दो करोड़ हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में जनजातीय समुदाय के लिए 80 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान है। पीएम जनमन योजना के तहत 24 हजार करोड़ रुपये से विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सिकल सेल एनीमिया मरीजों से नियमित दवा लेने और खान-पान का ध्यान रखने का आग्रह किया।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि वनांचल में राज्यपाल श्री पटेल के आगमन से उत्साह का माहौल है, वे गुजरात से ही सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए प्रयासरत हैं, उनका यह संकल्प प्रदेश में जारी है। स्वागत उद्बोधन में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि अंचल में जनजातीय वर्ग को शासन की सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने सभी से सिकल सेल एनीमिया की जांच कराने के लिए कहा है। इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर राज्यपाल श्री पटेल का जनजातीय परंपरागत नृत्य से स्वागत किया गया। राज्यपाल ने कन्या-पूजन और मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन किया। राज्यपाल श्री पटेल को परंपरागत जनजातीय कैप पहनाई गई और प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। राज्यपाल श्री पटेल को रमाबाई अंबेडकर स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती साधना ने बताया कि समूह से जुड़कर सिलाई का कार्य प्रारंभ किया। कृषि एवं बीमा कार्य कर वे प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपए कमा रही हैं। वार्षिक आय एक लाख से अधिक है।

रासेयो के सात दिवसीय शिविर में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ

दमोह (स्वतंत्र मत)। माधवराव सप्रे शासकीय महाविद्यालय पथरिया के छात्र इकाई के गोद ग्राम मिर्जापुर एवं छात्रा इकाई द्वारा ग्राम टीला में आयोजित एनएसएस शिविर के पांचवें दिन विभिन्न जागरुकता गतिविधियां संपन्न हुईं। स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर की बाउंड्री वाल की पुताई की तथा गांव के घरों की दीवारों पर पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और नशा मुक्ति से संबंधित जागरूकता स्लोगन लेखन कार्य किया।जिसमें डॉ. पीएस राजपूत की टीम ने ग्रामीणों की तथा सभी स्वयं सेवको की आंखों की जांच की। बौद्धिक चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप मिर्जापुर सरपंच अजीत पटेल उपस्थित हुए। प्राचार्य डॉ. विनय वर्मा एवं शेखताज हसन बौद्धिक चर्चा कार्यक्रम में महाविद्यालय से डॉ. सुधीर साहू, चिन्मय सेन डॉ. देवेश, श्रीमति प्रियंका राजपूत, राहुल कुर्मी, डॉ. शुक्ला सर, डॉ. पुष्कर सर, डॉ. सारिका मेडम, डॉ. रविता मेडम उपस्थित रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय हटा में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हटा (स्वतंत्र मत)। पीएम श्री कार्यक्रम के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय हटा में साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्य अरविंद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला पुलिस कार्यालय के साइबर सेल के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया,

सौरभ टंडन एवं राकेश अठ्या ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया। अधिकारियों ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया ठगी और ओटीपी धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसे नए साइबर अपराध के तरीकों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार ठग लोगों को डराकर पैसे ऐंठते हैं। इससे बचने के लिए छात्रों को जागरूक रहने, अज्ञात कॉल या लिंक पर भरोसा न करने, व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

नगर पालिका का विशेष कर वसूली मेगा शिविर

नागरिकों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह नगर पालिका द्वारा शासन के निर्देशानुसार एक दिवसीय विशेष कर वसूली मेगा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने बकाया कर टैक्स का भुगतान किया। नगर पालिका परिसर में आयोजित इस मेगा शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और लंबित करों का निराकरण कराया। शिविर के दौरान करदाताओं की सुविधा के लिए विशेष काउंटर बनाए गए थेए जिससे भुगतान प्रक्रिया सरल और सुव्यवस्थित रही। मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि शिविर के पहले ही दिन लगभग 10 लाख से अधिक की कर राशि नगर पालिका को प्राप्त हुई है। सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य कर संग्रहण को बढ़ावा देना है।

2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

होली से पहले बढ़ सकता है यात्री संकट

दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा जारी स्टेट कैरिज बस संचालन संबंधी नए नोटिफिकेशन के खिलाफ बस ऑपरेटरों ने खुला मोर्चा खोल दिया है। दमोह जिला बस ऑपरेटर संगठन ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शासन ने आदेश वापस नहीं लिया तो 2 मार्च से पूरे मध्यप्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के 24.12.2025 राजपत्र अधिसूचना को निरस्त करने और अपनी अन्य मांगों को लेकर जिला बस यूनियन ने पत्रकार वार्ता का आयोजन किया जिसमें उपाध्यक्ष करन सिंह परिहार, शमीम कुरैशी, अमजद खान रिंकू, पप्पू राय, अनिल राय, यश राय, बंटी कुरैशी, अमित जैन, मिट्टूचंद जैन, संजय जैन, मुन्ना जैन उपस्थित थे।

गांधी जब तक जिंदा हैं गोडसे पनप नहीं सकता: जीतू पटवारी

गांधी की 100 की सेवा कुटी 20 हजार करोड़ के सेवा तीर्थ पर भारी: पंकज चतुर्वेदी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। प्रदेश कांग्रेस के राजीव गांधी सभागार में कांग्रेस के विचार विभाग द्वारा आयोजित बौद्धिक विमर्श में देश के प्रख्यात पत्रकार पंकज चतुर्वेदी ने गांधी के राम को व्याख्यायित करते हुए कहा कि गांधी के राम दलित, वंचितों और आदिवासियों को अपनी शक्ति में पिरोने वाले राम थे। वे समाज में पीछड़ गए लोगों को उठाने वाले पतित पावन थे। उन राम को राजनीति का हथियार बनाने वाली भाजपा राम की स्थापित मर्यादाओं को तार-तार कर रही है। गांधी ने 100 रुपये की वर्धा में सेवा कुटी बनाकर देश की सेवा की और आजादी दिला दी आज 20 हजार करोड रुपए से सेवा तीर्थ बनाने वाले लोगों ने 81 करोड लोगों के हाथ में 5 किलो अनाज की निर्भरता पैदा कर दी है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विमर्श को आगे बढ़ते हुए कहा कि गांधी जब तक जिंदा है तब तक गोडसे पनप ही नहीं सकता इसीलिए गांधी की बार-बार हत्या करने की कोशिश होती है। गांधी को गोली मारकर शारीरिक हत्या करने के बाद भी जब हत्यारी मानसिकता को लगा कि गांधी तो मरे ही नहीं। तो उन्होंने गांधी के पुतले बनाकर गोली चलाकर गोडसे को जिंदा करने की कोशिश की लेकिन वह जिंदा नहीं हुआ। गांधी का उन्होंने चश्मा चुराया लेकिन फिर भी वह गांधी को विस्मृत नहीं कर सके। अब वह गांधी के विचार को मनरेगा की हत्या करके विस्मृत करने की चेष्टा कर रहे हैं। लेकिन गांधी अभी भी जिंदा है और गांधी अनंत काल तक जिंदा रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत जिनकी मातृभूमि है जिनकी मां भारत माता है जिस मातृभूमि का इतिहास हजारों साल पुराना है, वही हजारों साल पुरानी सभ्यता की पितृ भूमि ईजराईल जैसा नवजात देश कैसे हो सकता है यह बीजेपी को देश को समझाना चाहिए। महेंद्र जोशी ने भाजपा के लिए तो मुंह में राम बगल में नाथूराम ही उनकी विचारधारा है। पूर्व मत्री पीसी शर्मा ने गांधी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि ईजराईल के बहाने भाजपा ने नया पिता खोज लिया है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)नरसिंहपुर (म.प्र.)

क्रमांक//55/ आ.वि.आ./ पट्टा/2026 नरसिंहपुर दिनांक 26/02/2026

अंतिम सूची का प्रकाशन

एतद् द्वारा समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल तथा राजस्व विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल का पत्र क्रमांक/एफ 4209/2025/18-3 भोपाल दिनांक 17.11.2025 के अनुसार मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधृति अधिकारों का प्रदान किया जाना) अधिनियम 1984 के अंतर्गत ऐसे भूमिहीन (आवासहीन) नगरीय गरीब व्यक्तियों को. जो दिनांक 31 दिसम्बर 2020 की स्थिति में भूमि में काबिज व्यक्ति जो वहां कटुम्ब के किसी सदस्य के नाम से स्वामित्व में नहीं रखता हों, को आवासीय पट्टे प्रदान किया जाना है।

जिसके परिपालन में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा सर्वेक्षण कार्य किये जाने हेतु अधिकारी/कर्मचारी का सर्वेक्षण दल गठित कर स्थल निरीक्षण किया गया जिसमें हितग्राहियों का मौका स्थल एवं दस्तावेजों का सत्यापन किये जाने के उपरांत पात्र हितग्राहियों की प्रारंभिक सूची का प्रकाशन कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नरसिहपुर के पत्र कमांक / 28, नरसिंहपुर दिनांक 13/01/2026 के अनुसार दावा आपत्ति प्राप्त करने हेतु स्थानीय समाचार पत्र स्वतंत्र मत एवं कार्यालय नोटिस बोर्ड पर सूची चस्पा की गई निर्धारित समय अवधि उपरांत किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। अत: पात्र हितग्राहियों की सूची का अंतिम प्रकाशन स्थानीय समाचार पत्र एवं तहसील कार्यालय नरसिंहपुर नगरपालिका परिषद नरसिंहपुर के आम नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, नरसिंहपुर म.प्र.

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भूखण्ड लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक 119 एवं 120 श्रीमति मंशा सोनकर पिता/पति श्री गोपी सिंह के नाम आवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 08.09.2017 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन क्रमांक -119 एवं 120 श्रीमति मंशा सोनकर पिता/पति श्री गोपी सिंह ने विक्रय विलेख दिनांक 25.07.2022 के माध्यम से श्रीमति रानो तिवारी पति श्री बाबू लाल तिवारी को विक्रय किया है। श्रीमति रानी तिवारी पति श्री बाबू लाल तिवारी द्वारा उक्त भवन क्रमांक 119 एवं 120 उनके नाम लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण/ नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एव वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरात हस्तातरण/नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भूखण्ड लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पी.पी. कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमाक एल. आईजी 51 श्री सुभाष चंद्र सूदन पिता श्री केदार नाथ सूदन के नाम आर्वटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25.04.1994 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन क्रमांक एल.आई.जी. -51 श्री सुभाष चंद्र सूदन पिता श्री केदार नाथ सूदन ने दान पत्र दिनांक 22.12.2025 के माध्यम से श्रीमति अंजली सूदन पति श्री समीर सूदन को दान किया है। श्रीमति अंजली सूदन पति श्री समीर सूदन द्वारा उक्त भवन क्रमांक एलआई.जी. 51 उनके नाम लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण / नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/ दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26 दिनांक 26/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमति सोनाली कुमारी पति अंकित कुमार (2) श्री अंकित कुमार पिता महेन्द्र मडल ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाषचंद्र बेनर्जी के भवन क्रमांक फ्लेट नं. 208 भसीन रेसीडेन्सी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000397786 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित द्वितीय तल 860 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री तारकनाथ दास पिता नीलाम्बरदास, श्रीमति विनीता दास पति तारकनाथ का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26 दिनांक 26/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति मेघा शर्मा पति अभिषेक शर्मा ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानीलक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 859/4 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000388378 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 606 व.फु. प्रथम तल 606 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति दिलफिया एक्का पति जोन एक्का का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26 दिनांक 26/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कुमारी मेघल ढपले, श्रीमति स्मिता ढपले, हर्ष ढपले सभी के पिता योगेन्द्र ढपले, श्री योगेन्द्र पिता मनोहर राव ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानीलक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक पी-98 राजुल सिटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000389830 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1499 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री नरेश कुमार मंडल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र.सं.अधि/सं.क्र. 12/2025-26/एम 51 दिनांक 26/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आबिद खान पिता स्व. खलील खान ने मकान 780 वार्ड लोकमान्य तिलक कुल क्षेत्रफल 648 व.फु. कम्प्यूटर डिमांड अनुसार निर्मित क्षेत्रफल 1296 व.फु. भूतल 648 व.फु. प्रथम तल 648 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है, जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्र. 12 घंटाघर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26 दिनांक 26/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अपर्णा पाण्डेय पति स्व. आदर्श पाण्डेय, श्री आनंद पाण्डेय पिता स्व. आदर्श पाण्डेय ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानीलक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक पी-205 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 2000012451 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 685 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 590 व.फु. प्रथम तल 590 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री आदर्श पाण्डेय पिता श्री उमाशंकर पाण्डेय का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26 दिनांक 26/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमन झा पिता रितेश झा एवं देपेश झा पिता राजीव झा वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरु के भवन क्रमांक 1479/2 बी-1 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000428767 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1172 व.फु. प्रथम 1172 व.फु. द्वितीय तल 1172 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र, वसीयतनामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री कृष्ण कुमार झा पिता श्री राम अवतार झा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में भवन क्रमांक EWS -21 श्री अमित कुमार खरे पिता श्री राजकुमार खरे के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.10.2024 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री अमित कुमार खरे पिता श्री राजकुमार खरे ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 29.01.2026 के माध्यम से श्रीमती सत्य भामा तिवारी पति श्री राम कृष्ण तिवारी को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सत्य भामा तिवारी पति श्री राम कृष्ण तिवारी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर

आम इश्तहार

एदत् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता मौजा महानदी तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सरुप सिंह पिता स्व. श्री नाजिर सिंह व अन्य निवासी- म.नं. 879/सी महानद्दा गुप्तेश्वर यार्ड जिला जबलपुर द्वारा मौजा महानदी प.ह.नं. 06 रा. नि.मं. गढ़ा तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर स्थित भूमि खसरा नं. 81, 89, 90, 91, 92/1 रकबा 4922.50 वर्गफुट भूमि पर फौती के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र न्यायालय मे पेश किया गया है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में प्रचलित है। प्रकरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 05/03/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है।

इश्तहार न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 23/02/2026 को जारी।

पेशी दिनांक- 05/03/2026

तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

24 घंटे भी नहीं टिक पाई सड़क

घटिया निर्माण होने पर लोक निर्माण विभाग ने खुद ही उखड़वाया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रेल ओवरब्रिज के हिस्से के गिरने और छपरी गांव में सड़क चोरी जैसे मामलों के बाद अब जबलपुर में घटिया निर्माण का एक और मामला सामने आया है। गढ़ा क्षेत्र की गुजराती कॉलोनी के पास लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सीमेंट कंक्रीट सड़क 24 घंटे भी नहीं टिक पाई। गुणवत्ता में कमी सामने आने पर विभाग ने खुद बुलडोजर चलवाकर नई बनी सड़क को तुड़वा दिया। जानकारी के मुताबिक, करीब 80 मीटर लंबी इस सीसी सड़क के निर्माण पर लगभग 8 लाख रुपए खर्च किए गए थे। सड़क का निर्माण हाल ही में कराया गया था, लेकिन विभागीय अधिकारियों को निर्माण में लापरवाही और घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायत मिली। प्रारंभिक जांच में गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सड़क की ढलाई के दौरान वाइब्रेटर मशीन का उपयोग नहीं किया गया था। वाइब्रेटर नहीं चलने से कंक्रीट ठीक से सेट नहीं हो पाई और परत कमजोर रह गई। तकनीकी मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होते ही विभाग ने तत्काल कार्रवाई का फैसला लिया। इसके बाद

बुलडोजर मौके पर पहुंचा और पूरी नई बनी सड़क को तोड़ दिया गया।

कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी

पूरी कार्रवाई ऐसे की गई जैसे किसी अवैध निर्माण को हटाया जा रहा हो, जबकि मामला सरकारी निर्माण कार्य का था। लोनिवि के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह ने बताया कि 80 मीटर लंबी सीमेंट ब्लैंकेट सड़क का ठेका रीवा की आराध्य कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया था। कंपनी द्वारा मानकों का पालन नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सबसे बड़ी बात ये है कि यह इलाका प्रदेश के लोनिवि मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में आता है। हाल के निर्माण कार्यों को लेकर विभाग पहले से ही सतर्क है। ऐसे में गुणवत्ता से समझौता न करने के संदेश के तहत सख्त कार्रवाई की गई है।

सड़क तोड़कर दोबारा निर्माण की तैयारी

फिलहाल सड़क तोड़कर दोबारा निर्माण की तैयारी की जा रही है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि निर्माण में लापरवाही के लिए अंतिम रूप से जिम्मेदारी किस पर तय होगी और ठेकेदार पर क्या ठोस कार्रवाई होगी। बहरहाल, इस मामले को लेकर पूर्व मंत्री और जबलपुर के पाटन से विधायक अजय विश्नोई ने कहा, काश अधिकारी पूरे प्रदेश को मंत्री राकेश सिंह का क्षेत्र समझें और इसी तरह की कार्रवाई हो।

डॉ गुंजा परस्ते को पीएचडी की उपाधि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के द्वारा डॉ गुंजा परस्ते को राजनीतिक विज्ञान विषय पर समाजविज्ञान संकाय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई है। उनके शोध प्रबंध का शीर्षक 'ग्रामीण क्षेत्रों में ई गवर्नेंस की भूमिका' था। इसमें जिला सिवनी के अनुभाग लखनादौन का विशेष अध्ययन रहा। डॉक्टर गुंजा परस्ते ने अपनी डॉक्टरेट की उपाधि शोध निदेशक डॉ जे सी सिन्हा प्राचार्य पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज झाबुआ के निर्देशन में पूर्ण किया। डॉ गुंजा परस्ते नेम सिंह ठाकुर (वरिष्ठ श्रमिक नेता प्रदेश अध्यक्ष हिंद मजदूर सभा) की पुत्रवधू एवं हृदेश सिंह ठाकुर कनिष्क कार्य प्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया की पत्नी हैं।

राजस्थान के कलाकार ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में पेपर ओरिगामी कला का किया प्रदर्शन

हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल में राजस्थान के प्रसिद्ध पेपर ओरिगामी कलाकार नारोत्तम राय द्वारा एक विशेष कला प्रदर्शन एवं प्रेरणात्मक सत्र का आयोजन किया गया। नारोत्तम राय ने साधारण कागज से विभिन्न आकर्षक एवं उपयोगी आकृतियाँ बनाकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि ओरिगामी केवल एक कला नहीं, बल्कि एकाग्रता, धैर्य, सृजनात्मकता तथा ज्ञान की जड़ों से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि संकल्प और कल्पनाशक्ति हो, तो साधारण कागज़ से भी असाधारण सृजन किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पेपर आर्ट की बारीकियों को समझा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करना था। अंत में कॉलेज प्रशासन द्वारा नारोत्तम राय का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

खड़े खड़े जल उठी कार

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शहर में गुरुवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया जब सड़क किनारे खड़ी एक आल्टो कार अचानक आग की लपटों में घिर गई। चर्च के सामने करीब 3.15 बजे हुई इस घटना को देखकर राहगीर सहम गए। देखते ही देखते आग ने कार के अंदरूनी हिस्से को पूरी तरह चपेट में ले लिया और तेज लपटें उठने लगीं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार बुरी तरह जल चुकी थी। बताया जा रहा है कि जली हुई आल्टो कार (क्रमांक एमपी 20 सीडी 7482) सिहोरा निवासी सुनील जैन की है, जो लंबे समय से सड़क किनारे खड़ी रहती थी। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही मोहतरा टोल प्लाजा पर चलती कार में आग लगने की घटना सामने आई थी। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से शहर में दहशत का माहौल है।

प्रदर्शनी सह व्यापार मेला आज से

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के इंदौर स्थित एमएसएमई विकास कार्यालय द्वारा जबलपुर में 27 एवं 28 फरवरी को पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिये दो दिवसीय प्रदर्शनी सह-व्यापार मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला गोहलपुर स्थित जबलपुर गारमेंट्स एंड फैशन डिजाइन क्लस्टर में 27 फरवरी की सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। प्रदर्शनी में हस्तनिर्मित टोकरी, पारंपरिक जूते, लकड़ी के खिलौने, धातु एवं मिट्टी शिल्प, घरेलू उपयोग की कलात्मक उत्पाद प्रदर्शित किये जाएंगे।

भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकसित किया है अपना वैज्ञानिक दृष्टिकोणः कुलगुरु प्रो. वर्मा

रादुविवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कार्यशाला का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारत की ज्ञान और विज्ञान परंपरा का वैश्विक प्रभाव भी गहरा रहा है। कई प्राचीन भारतीय विचार और सिद्धांत, पश्चिमी विज्ञान और दर्शन पर भी प्रभाव डाल चुके हैं। भारतीय परंपरा और विज्ञान गहराई से जुड़े हैं, जहां प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली अवलोकन, प्रयोग और अनुसंधान पर आधारित थी। वेदों, उपनिषदों, आयुर्वेद और योग के माध्यम से गणित (शून्य, दशमलव), खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान (स्टील), और चिकित्सा के क्षेत्र में भारत ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया। आधुनिक युग में भी योग और आयुर्वेद की

उपयोगिता सिद्ध हो रही है। आशा है कि यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कार्यशाला युवाओं और शिक्षाविदों को काफी नई जानकारियों से अवगत होने में सहायक सिद्ध होगी। ये बात कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यशाला उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कही। मध्यप्रदेश शासन तथा पीएम ऊषा परियोजना के सहयोग से क्रिस्प भोपाल के प्रबंधन में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित आदि विभागों के संयुक्त तत्वावधान में 'सतत भविष्य के लिए विज्ञानः शुद्ध और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संगम पर नवाचार' विषय पर 26 से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. रंजना गंगराड़े, डिविजनल हेड-साइंटिफिक ऑफिसर इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च, गांधीनगर, गुजरात ने बताया कि फ्रांस के कई प्रमुख और नए वैज्ञानिक प्रयोगों व शोध परियोजनाओं में भारत की महत्वपूर्ण मदद और भागीदारी शामिल है। ये सहयोग मुख्य रूप से परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य और गहरे समुद्र के क्षेत्रों में चल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कार्यशाला संयोजक प्रो. राकेश बाजपेयी ने बताया कि इस कार्यशाला में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक शामिल हो रहे हैं। उद्घाटन सत्र में प्रभारी कुलसचिव प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. एस.एस. संधू, प्रो. पी.के. खरे, प्रो. जे.के. मैत्रा मंचासीन रहे। संचालन डॉ. दिव्या सिंह ने किया ।

नॉकआउट राउंड में पहुंची पश्चिम मध्य रेलवे की हॉकी टीम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

दक्षिण पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन, रांची में आयोजित 83वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे हॉकी (पुरुष) प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेलवे हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। अपने प्रथम मैच में पमरे की टीम ने उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज को 04-02 गोल से पराजित किया। इस मुकाबले में परमीत ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए हैट्रिक लगाई, जबकि एक गोल आकाश पाल ने किया।

द्वितीय मैच में पमरे का सामना दक्षिण पूर्व रेलवे, कोलकाता से हुआ, जिसमें टीम को 01-03 से हार का सामना करना पड़ा। पूल के तीसरे मैच में पमरे ने उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के विरुद्ध एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 21-02 गोल से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में मोहित ने 05 गोल, मो. शादिक ने 04 गोल, परमीत और ताज ने 02-02 गोल, नवदीप ने 02 गोल,

ओसाफ ने 02 गोल, जबकि अमित, अमनदीप, मयंक एवं मुबीन ने 01-01 गोल किए। इसके पश्चात क्वालीफाइंग मैच में पमरे ने उत्तर पूर्व रेलवे, गोरखपुर को 01-00 से हराकर नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई किया। इस निर्णायक मुकाबले में मो. ताज ने विजयी गोल किया। इस प्रकार पश्चिम मध्य रेलवे की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में अपना स्थान सुनिश्चित किया। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर हॉकी टीम में सावन रामचन्द्रन, परमीत, अमित राजभर, रिंकू यादव, नवदीप सिंह, एस. प्रचापति, मोहित, ओसाफ उर रहमान, अमित कुमार, मुबीन उर रहमान, आकाश पाल, मो. ताज, मो. नदीम, अमान उल्ला, मयंक जेम्स, मो. सादिक, मोहित, अमनदीप, सैय्यद इमरान अली एवं पमरे हॉकी टीम के कोच मेराजुद्दीन एवं मेनेजर मो. आरिफ है।

छुट्टी के दिन भी खुलेंगे पंजीयन कार्यालय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। *दस्तावेजों के पंजीयन में जनसामान्य की सुविधा और राजस्व को दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन ने होली के अवकाश को छोड़कर माह मार्च में शनिवार और रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में पंजीयन कार्यालयों को खुले रखने के आदेश दिये हैं। शासन द्वारा जारी आदेशानुसार जबलपुर जिले में भी मार्च माह में होली के अवकाश को छोड़कर शनिवार और रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में शासकीय कार्य एवं दस्तावेजों के पंजीयन के लिये वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय, जिला पंजीयक और उप पंजीयक कार्यालय खुले रहेंगे।*

फ्लैग मार्च से दिया सख्त संदेश शांति भंग करने वालों की खैर नहीं

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

आजाद चौक की घटना के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च पुराना बस स्टैंड, गोरी तिराहा, आजाद चौक, झंडा बाजार, काल भैरव चौक, सत्यवती पार्क होते हुए सिहोरा थाना प्रांगण में संपन्न हुआ। मार्च के दौरान नागरिकों से शांति के साथ त्यौहार मनाने की अपील की गई तथा अफवाहों से दूर रहने का संदेश दिया गया। हर प्रमुख चौराहे और तिराहे पर

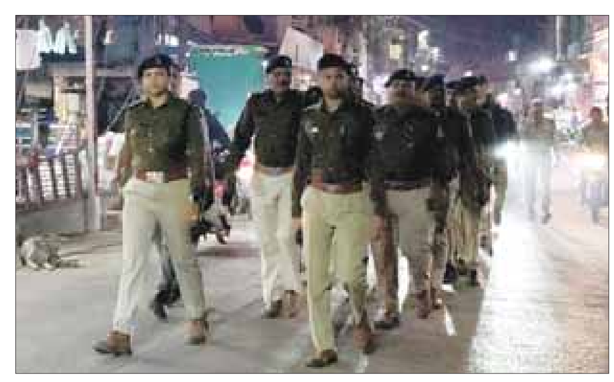

पुलिस बल की तैनाती की गई है। फ्लैग मार्च में एसडीओपी आदित्य सिंघारिया, थाना प्रभारी सिहोरा प्रतीक्षा मार्को, रैपिड एक्शन फोर्स तथा सिहोरा थाने का पुलिस बल शामिल रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रानी दुर्गावती की प्रतिमा के सामने हथियार लेकर नाचती रही युवती

पुलिस के पहुंचते ही हो गई गायब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर के रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा के सामने एक युवती द्वारा धारदार बका हाथ में लेकर डांस करने का वीडियो सामने आया है। घटना दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची, लेकिन महिला पुलिसकर्मी के अभाव में तत्काल कार्रवाई नहीं हो सकी। जब तक महिला आरक्षक मौके पर पहुंची, युवती वहां से गायब हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती एक हाथ में बका और दूसरे हाथ में कागज लिए हुए थी। उसने चेहरा ढक रखा था और आंखों पर चश्मा लगा रखा था। वह कभी प्रतिमा के चारों ओर घूमती तो कभी सामने खड़े होकर नृत्य करने लगती। करीब आधे घंटे तक यह सिलसिला चलता रहा। अंत में युवती ने प्रतिमा के सामने सिर झुकाकर प्रणाम किया और वहीं बैठ गई। इस दौरान किसी कर्मचारी या छात्र ने उसके पास जाने की हिम्मत नहीं की। विश्वविद्यालय कर्मचारियों ने पहले समझा कि युवती किसी कार्य से आई है, लेकिन जब उसने प्रतिमा के सामने नृत्य करना शुरू किया और धारदार हथियार निकाल लिया तो स्थिति गंभीर हो गई। तुरंत डायल-112 और सिविल लाइन थाने को सूचना दी गई। पुलिसकर्मियों ने उससे बात करने की कोशिश की, पर सफलता नहीं मिली। महिला पुलिसकर्मी को थाने से बुलाया गया, लेकिन तब तक युवती वहां से चली गई थी। आसपास काफी तलाश की गई, मगर उसका कोई पता नहीं चला।

डिंडौरी की रहने वाली है युवती

विश्वविद्यालय कर्मचारियों के मुताबिक, युवती डिंडौरी की रहने वाली बताई जा रही है। वह राहुल नामक एक छात्र की शिकायत लेकर विश्वविद्यालय पहुंची थी और उसकी डिग्री निरस्त करने की मांग कर रही थी। कर्मचारियों का कहना है कि बातचीत के दौरान युवती मानसिक रूप से अस्थिर प्रतीत हो रही थी।

पतासाजी में जुटी पुलिस

सिविल लाइन थाना प्रभारी अनूप नामदेव के अनुसार, पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही युवती वहां से जा चुकी थी। हालांकि घटना का वीडियो सामने आया है और उसके आधार पर युवती की पहचान और लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

करंट से दो की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चरगवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उमारिया में करंट की चपेट में आ जाने से एक नाबालिग सहित 2 लोगों की मौत हो गई। घटना गुरुवार को उस दौरान हुई जब दोनों लोहे की राड लेकर पहाड़ी के रास्ते घर जा रहे थे। अचानक ही उन्हें करंट लगा और मौके पर ही गिर गए। कुछ देर बाद जब वहां से ग्रामीण गुजर रहे थे, तब उनकी नजर घायलों पर पड़ी। उन्हें चरगवां स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

170 जिंदा कारतूस और पिस्टल के साथ पकड़े गए दो बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। क्राइम ब्रांच और गोसलपुर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक देशी पिस्टल और 170 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। दोनों के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में शहर आ रहे थे। क्राइम ब्रांच के एएसपी जितेंद्र सिंह को गुरुवार की सुबह सूचना मिली थी कि कटनी से जबलपुर की ओर एक सफेद रंग की होंडा सेंट्रो कार (क्रमांक एमपी 20 सीके 6302) में दो युवक भारी मात्रा में हथियार और कारतूस लेकर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच

और गोसलपुर थाना पुलिस की टीम ने मोहतरा टोल प्लाजा के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद बताए गए नंबर की कार पहुंची, जिसे रोककर तलाशी ली गई। कार में सवार युवकों ने पूछताछ में अपने नाम दरोगा उर्फ विशाल पांडे निवासी पटेल नगर महाराजपुर थाना अधारताल और आदर्श बेन निवासी टीआई बंगला के पास सुहागी थाना अधारताल बताए। तलाशी के दौरान विशाल पांडे की कमर से एक देशी पिस्टल बरामद हुई। कार के डैशबोर्ड से 160 नग.32 बोर के जिंदा कारतूस तथा आदर्श बेन के पास से 10 नग 315 बोर के जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पूछताछ में विशाल पांडे ने बताया कि दोनों ने उत्तर प्रदेश के अतर्रा, बांदा क्षेत्र से भोला मामा नामक व्यक्ति से 80 हजार रुपए में कारतूस खरीदे थे। इनमें से 72 हजार रुपए के 32 बोर कारतूस उसने और 8 हजार रुपए के 315 बोर कारतूस आदर्श बेन ने खरीदे थे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**